राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 240

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, गुरुवार, 6 फरवरी, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

अल्टमैन बोले, भारत को होना चाहिए एआइ का अगुआ

>> 5

जागरण विशेष

किसानों को राह दिखाती 'आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली'

मुंबई: महाराष्ट्र में मुजफ्फर हुसैन के प्रयास से विदर्भ की सूखाग्रस्त जमीन पर अब साल में कई फसलों की खेती की जा रही है। ● पेज-7

संपादकीय

राजनीति की बिगड़ती तस्वीर: यदि राजनीति में धन कुबेरों और अपराधियों का बोलबाला बढ़ रहा है तो इस स्थिति को बदलेगा कौन? **डा. एके वर्मा** का दृष्टिकोण।

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से खिलवाड़ रुके: अगर उच्च शिक्षा को बचाना है तो संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर भारतीय उच्च शिक्षा सेवा शुरू की जानी चाहिए। **प्रो. रसाल सिंह** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

कहीं अमेरिका को ही न भारी पड़ जाए: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को सुरक्षित रखने के लिए टैरिफ की आवश्यकता है। **विजय कपूर** का दृष्टिकोण।

निकलना ही होगा इस भाषाई बीहड़ से: एक साधारण सी रिपोर्ट लिखवाने में ही ढेर सारे ऐसे शब्दों का प्रयोग कर दिया जाता है जो शिकायतकर्ता की समझ से परे होते हैं। **नवनीत शर्मा** की हिमाचल प्रदेश डायरी। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

आपका पैसा और इंटरनेट मीडिया की सलाह

कैसे चुनें अच्छे कैमरे वाले मोबाइल फोन ● पेज-13

इंग्लिश चुनौती

आज का मैच (पहला वनडे)

भारत vs इंग्लैंड	स्थान
दोपहर 1:30 बजे	नागपुर

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

गाजा पट्टी पर कब्जा करेंगे: ट्रंप

वाशिंगटन: ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर नियंत्रण की इच्छा जाहिर करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कहकर दुनिया को हैरान कर दिया है। कहा कि अमेरिका युद्ध से तबाह गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा और यहां से फलस्तीनियों को दूसरी जगह बसाकर इस क्षेत्र का विकास करेगा। उन्होंने इजरायल-फलस्तीन विवाद में अमेरिका की दशकों पुरानी नीति को पलट दिया है। ट्रंप ने यह बात इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौजूदगी कही है। गाजा में करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। (पेज-11)

अधिकतर एक्जिट पोल में दिल्ली में भाजपा सरकार

12 में से आठ एजेंसियों ने भाजपा को दिया पूर्ण बहुमत, आप के लिए बड़ा झटका

कई एजेंसियों ने कांग्रेस का खाता खोला, लेकिन इस बार भी शून्य से तीन तक सीटें

कुल 60.45 प्रतिशत हुआ मतदान, यह पिछले तीन विधानसभा चुनावों से सबसे कम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान खत्म होने के बाद आए अधिकतर एक्जिट पोल दिल्ली में बदलाव की तस्वीर दिखा रहे हैं। मतगणना शनिवार को होगी, जिसके बाद नई वास्तविक सूरत सामने आएगी, लेकिन ज्यादातर एक्जिट पोल बता रहे हैं कि दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की सरकार बड़े बहुमत से बनने जा रही है। इनमें भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाते उसे 39-60 सीटें, आप को 10-31 और कांग्रेस को 0-3 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है, जबकि विधानसभा की 70 सीटों में बहुमत से सरकार बनाने के लिए कम से कम 36 सीटें चाहिए। दिल्ली में सरकार कायम रहने की उम्मीद कर रही अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप के लिए यह बड़े झटके से कम नहीं है। उधर, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कुल मतदान 60.45 प्रतिशत हुआ, जो पिछले तीन चुनावों से सबसे कम है। वर्ष 2020 के 62.60 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 2.15 प्रतिशत मतदान कम रहा। 2015 में सबसे अधिक 67.47 प्रतिशत, जबकि 2013 में 66.02 प्रतिशत मतदान हुआ था।

- आठ फरवरी को नतीजे आने पर एक्जिट पोल से अधिक सीटें जीतेगी भाजपा : सचदेवा
- पार्टी के प्रदर्शन को कम करके आंका गया है, परिणामों में अधिक सीटें मिलेंगी : आप
- एक्जिट पोल से इत्तेफाक नहीं रखता, महाराष्ट्र-हरियाणा में उलट रहे थे परिणाम : यादव

मिल्कीपुर उपचुनाव में 65.35 प्रतिशत मतदान

बुधवार को उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में 65.35 प्रतिशत मतदाताओं ने हिस्सा लिया, जो वर्ष 2022 के चुनाव की तुलना में 4.81 प्रतिशत अधिक है। मैदान में 10 उम्मीदवार हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला सपा के अजीत प्रसाद और भाजपा के चंद्रभानु पासवान के बीच है। जिला निर्वाचन अधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने का दावा किया है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर मतदान में गड़बड़ी के आरोपों से जुड़े वीडियो का खंडन किया है। बता दें कि मिल्कीपुर सीट राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अयोध्या जिले का हिस्सा है।

नई दिल्ली में बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए एक केंद्र पर पंक्तिबद्ध मतदाता। ध्रुव कुमार

दिल्ली का एक्जिट पोल-2025

कुल सीटें 70 : बहुमत का आंकड़ा 36

एजेंसी	भाजपा	आप	कांग्रेस
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1
जेवीसी पोल्स	39-45	22-31	0-2
चाणक्य स्ट्रैटेजीज	39-44	25-28	2-3
डीवी रिसर्च	36-44	26-34	0
एबीपी मैट्राइज	35-40	32-37	0-1
सीजीएस, डीयू	29	41	0
केके सर्वे	26	44	0
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49	0-1
वीप्रेसाइड	18-23	46-52	0
पोल आफ पोल्स	35-40	30-35	0-1

विधानसभा चुनाव को लेकर 12 एजेंसियों के एक्जिट पोल सामने आए हैं, जिनमें से आठ ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने का अनुमान दर्शाया है। इनमें से पीपल्स पल्स ने भाजपा को सर्वाधिक 51-60 सीटें देने के साथ ही आप को सबसे कम 10-19 सीटें दी हैं, जबकि इसके अनुसार कांग्रेस लगातार तीसरी बार अपना खाता नहीं खोलने जा रही है।

वहीं, एबीपी मैट्राइज ने कांटे की टक्कर दिखाई है। उसने भाजपा को 46 प्रतिशत मतों के साथ मात्र 35-40 सीटें ही दी हैं, जबकि आप को 44 प्रतिशत मतों के साथ 32-37 सीटें और कांग्रेस को 0.8 प्रतिशत मतों के साथ 0-1 सीट मिलने का अनुमान लगाया है। चार एक्जिट पोल ऐसे भी हैं, जिनका अनुमान है कि आप तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के वैश्विक अध्ययन केंद्र (सीजीएस) का एक्जिट पोल भी शामिल है। वीप्रेसाइड एजेंसी ने आप को 49.2 प्रतिशत मतों के साथ 46-52 सीटें, भाजपा को 42.8 प्रतिशत मतों के साथ 18-23 सीटें और कांग्रेस को 5.1 प्रतिशत मतों के साथ 0-1 सीट मिलने का अनुमान लगाया है।

एक्जिट पोल के अनुमानों का स्वागत करते दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि लगभग सभी पोल में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। आठ फरवरी को इससे अधिक सीटें मिलेंगी। आप प्रवक्ता रीना गुप्ता ने कहा कि एक्जिट पोल ने पार्टी के प्रदर्शन को कम करके आंका है, लेकिन वास्तविक परिणामों में पार्टी इन अनुमानों से कई गुना अधिक लाभ में है। 2013, 2015 या 2020 में किसी भी एक्जिट पोल में आप को हमेशा कम सीटें मिलती दिखाई गईं, लेकिन असल परिणामों में उसे अधिक सीटें मिलीं। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि एक्जिट पोल से मैं इत्तेफाक नहीं रखता। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव के परिणाम एक्जिट पोल के उलट रहे थे। (पेज 2 भी देखें)

मां गंगा की भक्ति में मोदी...

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के दौरान बुधवार को संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद अर्घ्य देते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। तीर्थराज में पीएम मोदी पूरे समय मां गंगा की भक्ति, सनातन की शक्ति एवं विश्व कल्याण की आसक्ति में डूबे दिखे। (समाचार पेज 6 पर) प्रेट्र

अमेरिका से जबरिया वापस भेजे गए 104 भारतीय

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- अवैध प्रवासन का मामला, अमेरिकी विशेष सैन्य विमान अमृतसर में उतरा
- विमान में हथकड़ियां लगाकर बैठाए गए थे यात्री, लौटने वालों में 19 महिलाएं

अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे 104 भारतीयों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान सी-17 बुधवार दोपहर 1.55 बजे अमृतसर के श्रीगुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचा। अमेरिका में ट्रंप सरकार बनने के बाद अवैध प्रवासियों पर सख्ती हुई है। इसी के तहत इन 104 भारतीयों को अवैध प्रवासन का दोषी मानते हुए वापस भारत डिपोर्ट किया गया है। इन्हें पहुंचाने के लिए 11 क्रू मेंबर और 45 अमेरिकी अधिकारी भी विमान में साथ आए थे। अमेरिकी शहर सैन एंटोनियो से आया यह सैन्य विमान सायं 5.32 बजे भारतीयों को अमृतसर एयरपोर्ट छोड़ने के बाद लौट गया। एयरपोर्ट के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विमान में सभी यात्रियों को हाथों में हथकड़ियां और कमर व पैरों में बेड़ियां बांधकर रखा गया था, लेकिन एयरपोर्ट पर उतारने से पहले विमान में उनकी हथकड़ियां उतार ली गईं।

अमेरिका से भेजे गए 104 लोगों की उपलब्ध करवाई गई सूची में 73 पुरुष, 19 महिलाएं और 12 बच्चे भी शामिल हैं। इनकी उम्र पांच वर्ष से लेकर 41 वर्ष के बीच है। 48 लोगों की उम्र 25 वर्ष से कम है। विमान के अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचने पर कस्टम व इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने सभी यात्रियों के दस्तावेज की जांच की। किसी भी यात्री के संबंध में कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई। सभी स्वस्थ हैं तथा कागजी कार्रवाई पूरा होने के बाद उन्हें उनके राज्यों के लिए रवाना कर दिया गया। डिपोर्ट होकर आए दूसरे राज्यों के लोगों को हवाई मार्ग से उनके राज्यों में भेजने की व्यवस्था की गई जबकि पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ के लोगों को सड़क मार्ग से ले जाने के लिए गाड़ियों का प्रबंध किया गया। हरियाणा के लोगों को हरियाणा पुलिस की बस ले गई। पंजाब के लोगों को घरों तक पहुंचाने के लिए कई जिलों की पुलिस टीमें पहुंची थी। पंजाब के एनआरआइ मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने वापस भेजे गए पंजाब के कुछ युवकों से बातचीत भी की। (पेज 5 भी देखें)

किस राज्य के कितने लोगों को वापस भेजा गया

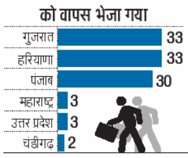

अमृतसर में बुधवार को हवाई अड्डे पर अमेरिकी सैन्य विमान की लैंडिंग के बाद उससे उतरे भारतीयों से मिलते पंजाब के एनआरआइ मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल। एएनआइ

एफसीआइ गोदामों से 500 टन गेहूं-चावल गायब

रवि अटवाल ● जागरण

- हरियाणा की एक कंपनी ने फर्जी ईमेल से एफसीआइ को भेजा जाली रिलीज आर्डर, सब्सिडी रेट पर लिया अनाज
- अनाज कुरुक्षेत्र और करनाल में स्थित गोदामों से निकाला, चंडीगढ़ पुलिस को मिली शिकायत

प्रतीकात्मक

चंडीगढ़ : केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना भारत ब्रांड को बड़ा झटका लगा है। भारत ब्रांड के आटा और चावल की खरीद में बड़ी हेराफेरी का मामला सामने आया है। हरियाणा की एक कंपनी ने फर्जी ई-मेल आइडी से फूड कारपोरेशन आफ इंडिया (एफसीआइ) के पंचकूला कार्यालय को एक नकली रिलीज आर्डर भेजा और एफसीआइ के करनाल व कुरुक्षेत्र के गोदामों से 500 टन गेहूं और चावल सब्सिडी रेट पर खरीद लिए। ये गेहूं और चावल आम जनता को सस्ते रेट पर मिलने थे।आशंका है कि उक्त कंपनी ने ये अनाज ओपन मार्केट में महंगी कीमतों पर बेचने के लिए खरीदा था। इस संबंध में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत की गई है।

पुलिस को यह शिकायत नेशनल कोआपरेटिव कारपोरेशन फेडरेशन (एनसीसीएफ) के सेक्टर-22, चंडीगढ़ कार्यालय से मिली है। एनसीसीएफ की ब्रांच मैनेजर रेखा मिश्रा ने आरोप लगाया कि जींद, हरियाणा की ओम इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी ने उनकी ब्रांच की सरकारी ई-मेल आइडी से हूबहू मिलती-जुलती एक जाली आइडी बनाई और एफसीआइ को एक नकली रिलीज आर्डर भेजा। उस कंपनी ने न सिर्फ जाली ई-मेल आइडी बनाई, बल्कि रेखा मिश्रा के जाली हस्ताक्षर व स्टैंप लगा नकली लेटरहेड भी तैयार किया, जिसे एफसीआइ के अधिकारी नहीं पकड़ सके और अनाज निजी कंपनी को दे दिया।

मामला पकड़ में आने पर एफसीआइ ने आर्डर रोका पेज>>4

आयकर चुकाने वाले लोग नहीं ले पाएंगे सरकार से मुफ्त में राशन

नई दिल्ली: आयकर विभाग प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए खाद्य मंत्रालय के साथ आंकड़े साझा करेगा। ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें इनकम टैक्स देने वाले भी पीएमजीकेएवाई के तहत राशन ले रहे हैं। (पेज-3)

एआइ टूल का प्रयोग नहीं करें अफसर

नई दिल्ली: (एआइ के इस्तेमाल को लेकर तेज होती चर्चाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को कार्यालय के कंप्यूटर एवं अन्य उपकरणों में चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआइ टूल एवं एप को डाउनलोड नहीं करने का निर्देश दिया है। गोपनीयता के लिए यह कदम उठाया गया है। (पेज-5)

फंड के मामले में सच्चाई राज्यों के प्रचार से अलग : वित्त मंत्री

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, वित्तीय स्थिति के अनुसार ही करने चाहिए रेवड़ियां बांटने के वादे
- जीएसटी कलेक्शन का भी 72 प्रतिशत जाता है राज्यों के हिस्से में

विपक्षी राज्यों की ओर से अक्सर केंद्र सरकार पर फंड देने में सौतेले व्यवहार का आरोप लगाते हुए मांग की जाती रही है कि उन पर केंद्रीय योजनाओं का बोझ न डाला जाए, इसके बजाय अतिरिक्त फंड दे दिया जाए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण राज्यों के इस रुख से हतप्रभ हैं। 'दैनिक जागरण' को दिए विशेष साक्षात्कार में उन्होंने केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय वितरण पर विस्तार से बात की। कहा कि फंड आवंटन को लेकर राज्यों की ओर से जानबूझकर ऐसा प्रचार किया जाता है ताकि लगे कि केंद्र राज्यों के आवंटन में कमी करता है। जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है।

वित्त मंत्री ने कहा कि 14वें वित्त आयोग ने केंद्रीय कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने की सिफारिश की थी। इस बढ़ोतरी के साथ आयोग ने यह भी कहा था कि केंद्र चाहे तो राज्यों में केंद्रीय खर्च पर चलने वाली योजना को वह बंद कर सकता है, लेकिन हमने नहीं कीं। राज्यों को हम पैसा दे रहे हैं ताकि वे काम करें, लेकिन उन्हें सिर्फ राजनीति अच्छी लगती है। वित्त मंत्री ने कहा, सिफारिश के मुताबिक केंद्र ने राजस्व में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी तो बढ़ा दी, लेकिन राज्यों में केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं को बंद नहीं किया। देखा जाए तो केंद्र के पास अपने खर्च भी कम नहीं हैं। देश की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा के साथ बंदरगाह, हाईवे, एयरपोर्ट को विकसित करने की जिम्मेदारी केंद्र के पास है। इन पर बड़े पैमाने पर खर्च होते हैं। उन्होंने बताया कि जीएसटी में भी राज्यों की हिस्सेदारी अधिक है। मान लीजिए जीएसटी का कलेक्शन 100 रुपये हुआ तो इनमें से 50 प्रतिशत केंद्र के पास और 50 प्रतिशत राज्य के पास जाता है। फिर केंद्र के इस 50 प्रतिशत में से भी राज्यों को हिस्सेदारी मिलती है और कुल मिलाकर 72 रुपये राज्यों के पास चले जाते हैं। इसके बावजूद राज्य केंद्रीय सेस और सरचार्ज के राजस्व में भी हिस्सेदारी मांगते हैं। केंद्र को सेस लगाने का अधिकार है। लेकिन सेस लगाने का कारण बताना पड़ता है।

यह पूछे जाने पर कि किसी भी राज्य के लिए राजस्व का कितना प्रतिशत तक रेवड़ी बांटा जाना वित्तीय रूप से सही है, वित्त मंत्री ने कहा कि राज्यों के पास अपना वित्तीय डाटा होता है, अपनी वित्तीय स्थिति देखकर ही रेवड़ी बांटने के वादे करने चाहिए। राज्य जनता को यह भी नहीं बताते कि रेवड़ियां बांटने की वजह से वे सड़क नहीं बना रहे हैं, स्वास्थ्य सुविधा नहीं दे रहे हैं। आरोप केंद्र सरकार पर डालते हैं कि पैसे नहीं दिए जा रहे।

साक्षात्कार के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। जागरण

(शुक्रवार को पढ़िए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का पूरा साक्षात्कार)

बदलाव

अंग्रेजी शासनकाल से चली आ रही परंपराओं को खत्म करने और ऐतिहासिक स्थलों का नाम बदलने का क्रम जारी

सेना का पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम अब विजय दुर्ग कहलाएगा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- केंद्र सरकार ने कोलकाता स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय का नाम बदलने का किया फैसला
- औपनिवेशिक पहचानों से मुक्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है यह

कोलकाता में सेना की पूर्वी कमान मुख्यालय का प्रवेश द्वार। इंटरनेट मीडिया

कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय फोर्ट विलियम का नाम बदलकर 'विजय दुर्ग' कर दिया गया है। फोर्ट विलियम का निर्माण 1781 में ब्रिटिश साम्राज्य के पूर्वी हिस्से और अधिकार के प्रतीक के तौर पर किया गया था। एक रक्षा अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अंग्रेजी शासनकाल से चली आ रही परंपराओं को खत्म करने और प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का नाम बदलने का क्रम जारी है। इसका नाम बदलना छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि है, जो भारतीय इतिहास में राष्ट्रवाद के प्रतीक थे। इसका नाम बदलकर महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग तट पर सबसे पुराने किले के नाम पर रखा गया है, यह छत्रपति शिवाजी महाराज के शासनकाल के दौरान एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा था। दरअसल मोदी सरकार द्वारा देश को औपनिवेशिक पहचानों से मुक्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का यह हिस्सा है।

रक्षा मंत्रालय के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने फोर्ट विलियम और इसके अंदर कुछ अन्य इमारतों का नाम बदलने के सेना के फैसले के बारे में बताया। सेंट जार्ज गेट का नाम बदलकर शिवाजी द्वार कर दिया है। किचनर हाउस का नाम मानेकशा हाउस किया गया है। फील्ड मार्शल सैम मानेकशा 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सेना प्रमुख थे। किचनर हाउस का नाम खार्तूम के प्रथम अर्ल एचएच किचनर के नाम पर था।

रसेल ब्लाक का नाम बाघा जतिन ब्लाक किया गया

सेना ने किले के अंदर रसेल ब्लाक का नाम बदलकर बाघा जतिन ब्लाक रखा है। यह नाम स्वतंत्रता सेनानी जतिन्द्रनाथ मुखर्जी के नाम पर रखा गया है, जिन्हें बाघा जतिन के नाम से जाना जाता है। 1915 में बालासोर में गोलीबारी के बाद मुखर्जी ब्रिटिश पुलिस की गोलियों से शहीद हो गए थे।

इंग्लैंड के राजा विलियम तृतीय के नाम पर था किला

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल के दौरान हुगली नदी के पूर्वी तट पर ईंट से बने किले का नाम इंग्लैंड के राजा विलियम तृतीय के नाम पर रखा गया है। नाम बदलने के पीछे कारण यह भी है कि विलियम तृतीय ने भारत के नहीं बल्कि यूरोपीय इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्तमान किला परिसर 170 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें कई औपनिवेशिक और आधुनिक संरचनाएं मौजूद हैं। चीन-भारत के बीच 1962 में हुए युद्ध के बाद 1963 में फोर्ट विलियम पूर्वी सेना कमान का मुख्यालय बन गया। इससे पहले सेना के पूर्वी कमान का मुख्यालय लखनऊ में था।

****

5 फरवरी को लोकतंत्र के महापर्व पर मौसम ने भी दिल्लीवासियों का साथ दिया। आसमान साफ रहा और धूप भी खिली रही। तापमान सामान्य के आसपास ही दर्ज हुआ।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 6 फरवरी, 2025

आज का मौसम

सुबह हल्का कोहरा रहने की संभावना है। दिन में आसमान साफ रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
6 फरवरी	25.0	9.0
7 फरवरी	25.0	9.0
नोएडा		
6 फरवरी	23.0	11.0
7 फरवरी	23.0	11.0
गुरुग्राम		
6 फरवरी	21.0	11.0
7 फरवरी	22.0	10.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

नोएडा में चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा : नोएडा में फिर सेक्टर-126 के ज्ञानश्री, मयूर पब्लिक स्कूल, द हेरिटेज व स्टेप बाय स्टेप स्कूल को ई-मेल भेजकर बच्चों को क्रूरता से मारने व बम से उड़ाने की धमकी दी गई। बुधवार सुबह 8:30 बजे ई-मेल चेक करते ही प्रबंधन के होश उड़ गए। कंट्रोल रूम में सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी स्कूलों की तरफ दौड़ पड़े। तुरंत छात्र-छात्राओं को कक्षाओं से बाहर निकालकर बम निरोधक दस्ता, डाग स्क्वाड को तत्काल मौके पर बुलाकर जांच शुरू की। (जासं)

आप प्रत्याशी अमानतुल्लाह खान के खिलाफ एफआइआर

नई दिल्ली: ओखला से आप उम्मीदवार अमानतुल्लाह खान के खिलाफ चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर जामिया नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि मंगलवार रात को आचार संहिता का उल्लंघन किया। पुलिस का कहना है कि मंगलवार रात करीब एक बजे विधानसभा क्षेत्र के जाकिर नगर में अमानतुल्लाह अपने करीब 100 समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार कर रहे थे, और ऐसा कर उन्होंने आदर्श आचार संहिता और एसीपी एनएफसी द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लंघन किया। (जासं)

संगम विहार में दिनेश मोहनिया के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली: संगम विहार थाने में आप उम्मीदवार दिनेश मोहनिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने महिला की तरफ अभद्र इशारा किया। हालांकि आप समर्थकों का कहना है कि वह मतदान के लिए अपील कर रहे थे। इसके अलावा संगम विहार में देर रात हुई मारपीट के मामले को लेकर बुधवार देर शाम छह बजे मतदान खत्म होने के बाद संगम विहार के रतिया मार्ग पर आप व भाजपा समर्थकों के बीच हंगामा हुआ। आप समर्थकों का कहना था कि दिनेश मोहनिया मतदान खत्म होने के बाद लौट रहे थे। आरोप है कि भाजपा कार्यालय से आए लोगों ने लाठी-डंडे से उन पर हमला कर दिया। (जासं)

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया। एएनआइ

एक बूथ पर मतदान करने के बाद थलसेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी एवं उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी। प्रेट्र

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने भी एक बूथ पर मताधिकार का प्रयोग किया। प्रेट्र

मतदान करने के बाद अंगुली में लगी स्याही दिखाते देश के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना। प्रेट्र

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजनिवास मार्ग स्थित सेंट जेवियर स्कूल में मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते उपराज्यपाल वीके सक्सेना व पत्नी संगीता सक्सेना। ध्रुव कुमार

राजधानी में 60.45 प्रतिशत रहा मतदान

विधानसभा चुनाव ▶ पिछले तीन चुनावों से रहा इस बार कम मतदान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव में बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2,696 मतदान स्थलों पर बने 13,766 मतदान केंद्रों पर हुए मतदान में कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़ ईवीएम में खराबी और मतदान प्रभावित होने की भी कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। आम लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में खास लोगों (वीवीआइपी) ने भी मतदान कर जिम्मेदारी निभाई। लेकिन पिछले तीन विधानसभा चुनावों के मुकाबले इस बार मतदान कम रहा। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में 60.45 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके साथ ही दिल्ली के चुनावी रण में उतरे प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया।

अब आठ फरवरी को 19 मतगणना केंद्रों पर वोटों की गिनती होगी। उस दिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दल भाजपा, आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस के प्रत्याशियों सहित 699 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। इसके साथ ही यह तय होगा कि दिल्ली का ताज किसके सिर सजेगा। भाजपा 27 वर्षों का वनवास दूर करने में सफल होगी या आप सत्ता में लगातार चौथी बार वापसी कर इतिहास रचेगी या फिर कांग्रेस सियासी जमीन वापस हासिल करने में कामयाब होगी। दिल्ली में एक करोड़ 56 लाख 14 हजार मतदाता हैं। बुधवार सुबह सात बजे निर्धारित समय से मतदान शुरू हुआ और शाम छह बजे तक मतदान के लिए समय निर्धारित था। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शाम छह बजे के बाद भी करीब दो मतदान केंद्रों पर मतदान चल रहा था। ये मतदाता शाम छह बजे से पहले मतदान केंद्र में पहुंचकर लाइन में लग गए थे। इस वजह से मत प्रतिशत का वास्तविक अंतिम आंकड़ा आने में समय लगा।

वर्ष 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में 62.60 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके मुकाबले इस चुनाव में 2.15 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में वर्ष 2015 में सबसे अधिक 67.47 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्ष 2013 में 66.02 प्रतिशत मतदान हुआ था। तब पिछले तीनों चुनावों में आप की लहर थी। मतदान के दौरान उत्तर पूर्वी दिल्ली के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों, अनधिकृत कालोनियों में सुबह से ही उत्साह अधिक देखा गया।

न्यू अशोक नगर के मतदान केंद्र पर मतदान करने के लिए लाइन में लगे मतदाता। मनोज कुमार

699 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद, आठ फरवरी को 19 मतगणना केंद्रों पर होगी गिनती

70 क्षेत्रों में 13,666 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

जिलेवार मतदान प्रतिशत

जिला	मतदान प्रतिशत
मध्य	59.1
पूर्वी	62.4
नई दिल्ली	57.2
उत्तरी	59.6
उत्तर पूर्वी	66.0
उत्तर-पश्चिमी	60.6
शाहदरा	64.0
दक्षिणी	58.1
दक्षिण-पूर्वी	56.35
दक्षिण-पश्चिमी	61.2
पश्चिमी	60.9

केजरीवाल का दावा, पूर्ण बहुमत के साथ बन रही है उनकी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ ही पार्टी के सभी नेताओं ने स्वजन के साथ पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान किया और दावा किया कि पार्टी एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। केजरीवाल ने कहा कि आज पूरे परिवार के साथ मतदान किया। हर दिल्लीवासी की तरक्की और हर गरीब परिवार के सम्मानजनक जीवन के लिए वोट दिया। दिल्ली की तरक्की रुकनी नहीं चाहिए। गुंडागर्दी हारेगी, दिल्ली जीतेगी।

नई दिल्ली सीट से प्रत्याशी अरविंद केजरीवाल के वृद्ध माता-पिता व्हीलचेयर पर वोट डालने पहुंचे थे। केजरीवाल ने कहा कि मेरे माता-पिता की तबीयत बहुत खराब रहती है, लेकिन सुबह से वह वोट डालने के लिए काफी उत्साहित थे। इसलिए वह अपनी पूरी कोशिश कर वोट डालने के लिए आए हैं। इस दौरान केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने कहा कि दिल्ली के लोग बहुत समझदार हैं। हमें पूरा विश्वास है कि लोग सही चुनाव करेंगे। वे गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करते हैं।

जंगपुरा सीट से प्रत्याशी आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने भी अपने परिवार के साथ वोट डाला। कहा कि दिल्ली की खुशहाली, शांति और समृद्धि के लिए कालका माई के चरणों में शीश नवाया है। जनता के हक की नीतियों ने हर घर में रोशनी की, फ्री बिजली-पानी से राहत दी, बच्चों को बेहतर स्कूल, मरीजों को बेहतरीन इलाज और शिक्षा क्रांति से लाखों भविष्य को नई उड़ान दी। यही सेवा का संकल्प है, यही मेरी राजनीति का धर्म।

लेडी इर्विन स्कूल में सपरिवार मतदान करने के बाहर आते पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल साथ में व्हील चेयर पर माता-पिता। ध्रुव कुमार

मतदान के दौरान भी कांग्रेस नेताओं ने आप पर खूब साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए हुए बुधवार को मतदान के दौरान भी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने आम आदमी पार्टी और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल पर खूब निशाना साधा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि वोट देते समय यह याद रखना चाहिए दिल्ली के लोगों से स्वच्छ राजनीति की बात करते हुए किसने सबसे बड़ा घोटाला किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी को वोट देने से लोगों के अधिकार सुरक्षित होंगे, संविधान मजबूत होगा और दिल्ली फिर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगी। कांग्रेस नेता ने सुबह के समय नई दिल्ली सीट में निर्माण भवन मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के मेरे प्यारे भाइयों-बहनों। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि आज वोट देने अवश्य जाएं। कांग्रेस को दिया एक-एक वोट अधिकारों की रक्षा करेगा, संविधान को मजबूत करेगा और दिल्ली को प्रगति के पथ पर फिर से मोड़ेगा। याद रखें कि प्रदूषित हवा, गंदा पानी, टूटी सड़कों के लिए कौन जिम्मेदार है। स्वच्छ राजनीति करने की बात बोलकर दिल्ली का सबसे बड़ा घोटाला किसने किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को दिल्ली के मतदाताओं से कहा कि लोगों को उन्हें चुनना चाहिए, जिन्होंने दिल्ली के लिए असल में काम किया है, न कि झूठे वादे करके ठगा है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आपका एक वोट दिल्ली में बदलाव का प्रतीक सिद्ध होगा।

▶ **राहुल गांधी ने कहा, वोट देते समय याद रखें कि स्वच्छ राजनीति की बात कर किसने घोटाला किया**

दिग्गजों की सीट पर बदलता रहा माहौल, बढ़ती रहे धड़कनें

संजीव गुप्ता ● जागरण

नई दिल्ली : आप, भाजपा, कांग्रेस के दिग्गज प्रत्याशियों की सीटों पर भी मतदान के दौरान दिन भर में अनेक बार माहौल बदला। इससे प्रत्याशियों के पसीने भी छूटते रहे और उनके दिलों की धड़कनें भी बढ़ती रहीं। मुकाबला हर जगह दिलचस्प रहा है। शनिवार को मतगणना के बाद ही पता चलेगा कि किस दिग्गज के सिर जीत का सेहरा होगा और किसको हार का मुंह देखना पड़ेगा।

नई दिल्ली सीट पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित और प्रवेश वर्मा प्रत्याशी हैं। इस सीट पर झुग्गी बस्ती वाले मतदान केंद्रों पर जहां सुबह से ही भीड़ नजर आई, वहीं ऐसे मतदान केंद्र जहां सर्वेंट क्वार्टर हैं वहां पर मतदाताओं की लगातार आवाजाही बनी रही। दोपहर को पाश इलाके जैसे हनुमान लेन, लायंस विद्या मंदिर स्कूल कुशक रोड, पंडारा पार्क जैसे बूथों पर लोग ज्यादा संख्या में दिखे। मतदाता अपने वाहनों से पहुंचे थे। साथ ही कुछ लोग पैदल भी पहुंचे थे। परिवार और बच्चों को साथ लेकर भी लोगों ने मतदान किया।कालकाजी में आप से मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस से पूर्व विधायक अलका लांबा और भाजपा से पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी मैदान में हैं। इसी तरह जंगपुरा में आप से पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, कांग्रेस से पूर्व मेयर फरहाद सूरी और भाजपा से पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों ही सीटों पर सुबह के समय मतदाताओं की उपस्थिति ज्यादा नहीं थी। लेकिन दिन चढ़ने के साथ साथ मतदान प्रतिशत में सुधार होता गया। शाम के समय यहां लंबी कतार भी देखने को मिली। रोहिणी में भाजपा से नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता, आप से प्रदीप मित्तल और कांग्रेस से सुमेश गुप्ता लड़ रहे हैं। यहां मुख्य मुकाबला आप और भाजपा में ही है। ऐसे ही बादली में आप से निवर्तमान विधायक अजेश यादव, कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव और भाजपा से दीपक चौधरी मैदान में हैं। इन दोनों ही सीटों पर दिन भर कमोबेश एक जैसा माहौल देखने को मिला।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजेंद्र नगर स्थित मतदान केंद्र पर मतदान के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाता परिवार। ध्रुव कुमार

किस सीट पर कितना हुआ मतदान (प्रतिशत में / अनुमानित)

विस क्षेत्र	मत प्रतिशत
नई दिल्ली	54.27
बाबरपुर	63.64
रोहिणी	60.22
बादली	60.88
कालकाजी	51.81
जंगपुरा	55.23

कैनवास पर खुद का अक्स देख खिल उठे विशेष मतदाताओं के चेहरे

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

नई दिल्ली: लोकतंत्र के पर्व में निर्वाचन आयोग द्वारा यूं तो कई विशेष इंतजाम किए गए थे, लेकिन मतदान केंद्र पर किए गए इंतजाम विशेष मतदाताओं के लिए यादगार हो गए।

चित्रकारों ने मतदान करने पहुंचे नौकरशाह से लेकर न्यायाधीश और सैन्य अफसरों का ऐसा अक्स कैनवास पर उतारा कि खुद को देखकर उनके चेहरे खिल गए। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के कुशक रोड स्थित लायंस विद्या मंदिर में स्केच बनवाने वालों में पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, चीफ आफ आर्मी स्टाफ अनिल चौहान, प्रधानमंत्री निजी सचिव प्रमोद कुमार मित्रा और दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति रेखा पल्ली समेत अन्य रहे। स्केच बनाने वाले कालेज आफ आर्टस के द्वितीय वर्ष के छात्र देव ने बताया कि यह एक नए तरह का अनुभव था और लोकतंत्र के पर्व में अनूठी मुहिम का हिस्सा बनने से वह खुद हैं। देहरादून के निवासी देव ने बताया कि स्केच देखकर पूर्व सीजेआइ समेत अन्य मतदाताओं ने कला की सराहना की।

▶ **कालेज आफ आर्ट्स के छात्र ने बनाया पूर्व प्रधान न्यायाधीश, सीडीएस, प्रधानमंत्री के निजी सचिव समेत अन्य का स्केच**

▶ **निर्वाचन आयोग ने विशेष मतदाता वाले 20 बूथों पर की थी चित्रकारों की व्यवस्था**

कालेज आफ आर्टस के छात्र देव ने बनाया विशेष मतदाता सीजेआइ (सेवानिवृत्त) डीवाई चंद्रचूड़ का स्केच। जागरण

पूर्वांचलियों ने निजी लाभ से ज्यादा आस्था व विकास को दी तवज्जो

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली के राजनीतिक परिदृश्य में 25 सीटों पर निर्णायक भूमिका में रहने वाले पूर्वांचली मतदाताओं ने निजी लाभ से ज्यादा आस्था और विकास को तवज्जो देते हुए मतदान किया। पूर्वांचलियों का उत्साह सुबह से दिखाई दिया। इस वर्ग के मतदाताओं ने जाहिर किया कि कि देश की राजधानी की समृद्धि के लिए लाइफलाइन यमुना को पुनर्जीवित करने के साथ इसकी आबोहवा को स्वच्छ करने की दिशा में काम करना होगा।

वक्त के साथ राष्ट्रीय राजधानी में इनकी बढ़ती संख्या राजनीतिक समीकरणों पर गहरा प्रभाव डाल रही है। यही वजह है कि राजनीतिक दल इनको अपना बनाने में जुटे रहते हैं। भले ही यह मूल निवासी बिहार, झारखंड और पूर्वी उप्र के हों, लेकिन इनके दिल में दिल्ली बसती है।

आप व भाजपा का जीत का दावा, बदला माहौल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद इस बार आप और भाजपा में जीत के दावे वाला माहौल है।आप जीत को लेकर आश्वस्त है तो भाजपा 27 साल के बाद सत्ता में वापसी का दावा कर रही है, वहीं कांग्रेस इस बार मतदान से खुश है। मतदान के बाद इन सभी प्रमुख दलों में अपने अपने दावों वाला माहौल रहा। सभी प्रमुख दलों में बैठकें हुईं और मतदान को लेकर चर्चा हुई।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार पिछले दो चुनाव की अपेक्षा माहौल में बदलाव भले ही देखा गया हो मगर आप पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लिए अश्वस्त है। पार्टी नेताओं की अहम बैठक में भी दिल्ली की हर सीट के हिसाब से चर्चा की गई और उन सभी बिंदुओं पर बात की गई जो पार्टी के प्रत्याशियों के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव से जुड़े रहे थे। मतदान के बाद 50 से अधिक सीटों पर फिर से जीत हासिल करने वाली आप की सीटों पर चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों की मानें तो यह जीत इससे भी बड़ी हो सकती है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री आतिशी भारी मतों से चुनाव जीत रहे हैं। इन मुद्दों पर भी मतदान बाद बैठक में चर्चा हुई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुबह से ही प्रदेश कार्यालय में बनाए गए वार रूम से पूरी दिल्ली के मतदान प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा भी प्रदेश प्रदेश कार्यालय पहुंचकर मतदान की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मनीष सिसोदिया।

सांसद मनोज तिवारी

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी : सचदेवा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चुनाव में दिल्ली के मतदाताओं ने आप सरकार के भ्रष्टाचार और अराजकता को समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। केंद्रीय मंत्रियों, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष, सांसदों और पदाधिकारियों ने सुबह मतदान किया और कार्यकर्ताओं व नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित किया। मतदान को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ दिल्ली में सरकार बनाएगी।

विधानसभा चुनाव

मुस्लिम बहुल सीटों पर इस बार उत्साह के बीच बंटे दिखे मतदाता

मटिया महल, सीलमपुर, बल्लीमारान व ओखला समेत आठ सीटों पर बदलाव व विकास की धुरी पर मतदान, आप के गढ़ में कांग्रेस पार्टी के साथ एआइएमआइएम के प्रति भी दिलचस्पी

नेमिष हेमंत ● जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली में मुस्लिम बहुल सीटों पर उत्साह के साथ विकास व बदलाव के लिए मतदान हुआ। मतदाताओं में मुस्लिम क्षेत्रों में गंदे पानी की आपूर्ति, टूटी सड़कें, शिक्षा की बदहाल स्थिति और वायु प्रदूषण के साथ ही निश्शुल्क बिजली, पानी व बसों में महिलाओं की निश्शुल्क यात्रा तथा राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के लिए निश्चित धन देने का मुद्दा छाया रहा। जबकि, राजनीतिक पसंद के रूप में आप के साथ ही कांग्रेस पार्टी व एआइएमआइएम ने जगह बनाई है। मुस्लिम मतों के बंटवारे की इस स्थिति में उन सीटों पर भाजपा भी अपनी जीत की संभावनाएं टटोलती दिख रही है।

दिल्ली में 18 प्रतिशत की भागीदारी के साथ सरकार को बनाने में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका अहम है। राष्ट्रीय राजधानी में 70 में से आठ मुस्लिम बहुल सीटें हैं। जिस पर पिछले चुनाव में आप ने जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम बहुल सीटों पर ज्यादा जोर दिया है। राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैलियां व रोड शो किए हैं, तो आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) ने भी दो सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारकर चुनाव को दिलचस्प बनाया है। वैसे, दोपहर तक मुस्लिम बहुल मध्य दिल्ली की चार सीटों पर मतदान धीमा रहा। उसके बाद रफ्तार पकड़ी, तो देर शाम तक केंद्रों पर कतारें लगी रही। कुछ मुस्लिम इलाकों में मतदान के लिए मस्जिदों से ऐलान किया गया, जिसके बाद मतदान केंद्रों में भीड़ बढ़ी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्लिम बहुल सीटों के मुकाबले मध्य दिल्ली की सीटों बल्लीमारान, मटिया महल, चांदनी चौक व सदर बाजार तथा दक्षिण-पूर्व के ओखला सीट पर अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। राजनीतिक जानकार इसके पीछे सत्ता विरोधी रुझान को वजह बता रहे हैं। लोग सत्तापक्ष से तो नाराज हैं, लेकिन दूसरे दलों के पाले में जाने को लेकर भी उदासीन दिखे।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में सीलमपुर और मुस्तफाबाद व शाहदरा जिले के बाबरपुर में सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर तक कतारें लग गई थी। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, उत्तर-पूर्वी व बाबरपुर क्षेत्र में वर्ष 2020 के दंगे के असर के रूप में मुस्लिम मतों का ध्रुवीकरण हुआ। मुस्तफाबाद से तो एआइएमआइएम ने दिल्ली दंगे के आरोपी ताहिर हुसैन को चुनावी मैदान में उतारा है, जिसके प्रति मुस्लिम मतदाताओं में सहानुभूति देखी गई। फिर भी मुस्लिम सीटों पर मतदाताओं का उत्साह काफी रहा। कई बुजुर्ग व्हीलचेयर से मतदान करने पहुंचे तो मटिया महल में एक बीमार बुजुर्ग महिला मतदान के लिए सीधे एंबुलेंस से मतदान स्थल पहुंचीं और मत दिया। मुस्तफाबाद व ओखला में मुस्लिम मतदाताओं में आप व कांग्रेस के साथ ही एआइएमआइएम के प्रति भी उत्साह देखा गया।

18 प्रतिशत के साथ दिल्ली की सत्ता तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं मुस्लिम बहुल सीटें

दिल्ली विधानसभा चुनाव में ब्रह्मपुरी रोड पर मतदान के लिए लगी लाइन। पारस कुमार »

बूथ पर विशेष प्रबंध ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आसान किया मतदान

उदय जगताप ● जागरण

नई दिल्ली: चुनाव में वरिष्ठ नागरिकों उत्साह से मतदान किया। चुनाव आयोग की तरफ से किए गए विशेष प्रबंधों से उनके उत्साह को और बढ़ा दिया और सभी ने चुनाव आयोग को धन्यवाद कहा। सभी बूथों पर बुजुर्ग मतदाताओं को चलने में परेशानी होने पर वालंटियर वोटिंग मशीन तक ले जा रहे थे। जिन्हें जरूरत महसूस हो रही थी, उन्हें व्हीलचेयर उपलब्ध कराई जा रही थी।

बुजुर्ग मतदाताओं को छोड़ने के लिए पिक और ड्राप सेवा मतदान केंद्र के बाहर ही मौजूद रही। इन व्यवस्थाओं से वरिष्ठ नागरिक संतुष्ट नजर आए। दिल्ली में 60 वर्ष से अधिक उम्र के 18 लाख से अधिक मतदाता हैं। 90 और 100 से अधिक आयु के मतदाताओं ने भी लोकतंत्र के महापर्व में भाग लिया।

60 वर्ष से अधिक उम्र के 18 लाख से अधिक मतदाता हैं दिल्ली में

वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की बात

- पोती जयति के साथ पहुंचे 92 वर्षीय महेंद्र चावला उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, आयोग ने अच्छी व्यवस्था की हैं।
- करोलबाग स्थित केंद्र पर 71 वर्षीय करण ने कहा कि व्यवस्था अच्छी हैं। ऐसा सफाई और सुविधाओं पर भी काम होना चाहिए।
- तिमारपुर क्षेत्र के लांसर रोड में वोट डालने आए मुरारीलाल अरोड़ा ने बताया बूथ पर तो व्यवस्थाएं अच्छी हैं।
- बुराड़ी क्षेत्र में मतदान केंद्र में मतदान के लिए बेटे के साथ पहुंची सविता ने बताया कि चुनाव की तैयारियां बहुत अच्छी हुई हैं।

****

सत्र अब तक विघ्न रहित, विपक्ष उठा रहा अपने मुद्दे और सरकार निपटा रही काम

बजट सत्र ▸ सदन में घमासान के बजाय बहस में ही सरकार को घेरने की है विपक्ष की रणनीति

महाकुंभ, रोजगार जैसे मुद्दे विपक्ष ने धन्यवाद प्रस्ताव की बहस में उठाए

संजय मिश्र • जागरण

नई दिल्ली : संसद के बजट सत्र में विपक्ष की बदली रणनीति कार्यवाही के सुचारु संचालन में कारगर साबित होती दिख रही है। अब तक आक्रामक राजनीति के जरिये सरकार को घेरने की कोशिश करते रहे विपक्षी दलों ने इस सत्र में चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई है। इसका सकारात्मक नतीजा यह हुआ है कि बजट सत्र में फिलहाल एक दिन भी राजनीतिक घमासान की नौबत नहीं आई है। संसद बिना विघ्न बाधा के सुचारु रूप से चल रही है, जिसमें विपक्ष अपने सवालों-मुद्दों को उठाते हुए सत्तापक्ष पर वार का कोई मौका नहीं छोड़ रहा तो बिना किसी मशक्कत के सरकार भी अपने विधायी कामकाज के एजेंडे को पूरा कर रही है।

बजट सत्र का निर्विघ्न रहना इसलिए भी मायने रखता है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर रहने के बावजूद इसकी छाया संसद पर नहीं पड़ी। प्रयाग महाकुंभ में हुई भगदड़ से लेकर अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जा रहे भारतीयों के मामले समेत राजनीतिक गरमागरमी के कई मुद्दे होते हुए भी विपक्ष ने हंगामा करके सदन को ठप करने की रणनीति से परहेज किया। दोनों सदनों में कार्यस्थगन प्रस्ताव के नोटिसों के जरिये इन सवालों को उठाने की कोशिश की, मगर स्पीकर और सभापति द्वारा इन्हें खारिज किए जाने के बावजूद विपक्ष ने संग्राम के बजाय राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस में अपनी बातें मुखरता से रखने की रणनीति अपनाई।

संसद के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में चली कार्यवाही। फाइल/एएनआइ

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अर्थव्यवस्था की चुनौतियों, विकसित भारत के दृष्टिकोण, चुनावों की पारदर्शिता से लेकर रोजगार-युवाओं के समक्ष मौजूद चुनौतियों के मुद्दों को चर्चा के दौरान उठाते हुए सरकार को आईना दिखाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 10 वर्षों के कामों की फेहरिस्त के साथ कांग्रेस पर जवाबी वार किया और दिल्ली में वोटिंग से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल के यमुना में जहर मिलाने के आरोपों पर पलटवार किया। विपक्षी सांसदों ने महाकुंभ में भगदड़ से जुड़े ज्वलंत सवालों को उठाने में कोई नरमी नहीं दिखाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाते हुए तीखे सवाल उठाने से गुरेज नहीं किया। इसी तरह राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर 10 वर्ष में भी कई वादों को पूरा नहीं होने का आरोप लगाते हुए तंज कसा।

महाकुंभ भगदड़, वक्फ विधेयक विवाद, मणिपुर, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी के लिए किसानों के आंदोलन जैसे मसले होते हुए भी संसद में गतिरोध नहीं होने पर विपक्ष के एक प्रमुख नेता ने कहा कि पिछले कई सत्रों में सदन में सीधे चर्चा के लिए सरकार राजी नहीं हुई। इसलिए पहले धन्यवाद प्रस्ताव और अब बजट पर चर्चा के दौरान विपक्षी दल इन सभी मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे। साफ है कि 13 फरवरी तक चलने वाले बजट सत्र के पहले चरण को विपक्ष बाधित करने के मूड में नहीं, बल्कि चर्चा से अपनी सियासत साधने की कोशिश करेगा।

आइसीएमआर ने बर्ड फ्लू रोधी टीके के विकास की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली, प्रेट्र: आइसीएमआर ने एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) से बचाव में कारगर स्वदेशी टीके के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप है। यह भारत में पशु एवं मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने एच5एन1 संक्रमण से बचाव में कारगर टीके के निर्माण के लिए अनुसंधान एवं विकास में सहयोग के लिए पात्र संगठनों, कंपनियों, निर्माताओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

आमंत्रण से जुड़े दस्तावेज में कहा गया है कि 2021, 2023 और 2024 में कई राज्यों में एच5एन1 संक्रमण के प्रकोप की सूचना मिली है, जिससे मुख्य रूप से पोल्ट्री और जंगली पक्षी प्रभावित हुए हैं। इसमें कहा गया है कि एच5एन1 संक्रमण के प्रकोप से पोल्ट्री उद्योग को भारी नुकसान झेलना पड़ा है और वायरस के जूनोटिक पोटेंशियल यानी मानव आबादी को संक्रमित करने की क्षमता के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा हुई हैं।

दस्तावेज के अनुसार, एच5एन1 संक्रमण अपनी उच्च मृत्यु दर और वैश्विक महामारी को जन्म देने के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। इंसानों के बीच एच5एन1 संक्रमण की मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है।

ग्रीस और मिस्र के विदेश मंत्रियों के साथ होगी आइएमसीसी पर बात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जी-20 की बैठक में आइएमसीसी को लेकर भारत, अमेरिका, यूएई सहित अन्य देशों के बीच बनी थी सहमति
- चीन की वैश्विक कनेक्टिविटी योजना को चुनौती देने के लिए आइएमसीसी को बढ़ाया जाना है आगे

पश्चिम एशिया में शांति बहाली के संकेत मजबूत हुए हैं। ऐसे में अगले दो दिनों के भीतर मिस्र और ग्रीस के विदेश मंत्रियों की भारत यात्रा की अहमियत बढ़ गई है। मिस्र के विदेश मंत्री डा. अब्देलत्ती 6 से 7 फरवरी को नई दिल्ली में होंगे। जबकि, ग्रीस के विदेश मंत्री जार्ज गेरापेट्रिटिस नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। वह आठ फरवरी तक यहां रहेंगे। इन दोनों की भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से अलग-अलग बैठक होगी। इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकोनोमिक कारीडोर (आइएमसीसी) को आगे बढ़ाने के लिए भारत के पास यह अच्छा मौका होगा।भारत की अध्यक्षता में सितंबर, 2023 में हुई जी-20 की बैठक में आइएमसीसी को लेकर भारत, अमेरिका, यूएई, सउदी अरब, इटली, फ्रांस के बीच सहमति बनी थी। इसमें खाड़ी क्षेत्र और यूरोप के कई दूसरे देशों को शामिल करने की योजना है। तब बताया गया था कि भारत और अमेरिका की अगुआई में चीन की वैश्विक कनेक्टिविटी योजना की चुनौती के तौर पर आइएमसीसी को आगे बढ़ाया जाएगा। बीच में पश्चिम एशिया की अस्थिरता की वजह से इसे लेकर संदेह पैदा हो गए थे, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाने की तैयारी है।

एस जयशंकर। फाइल

मिस्र और ग्रीस दोनों ऐसे देश हैं, जिनके साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। लेकिन पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत सरकार ने इन दोनों देशों के साथ रिश्तों को नया आयाम देने की कोशिश की है। मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी 2023 में गणतंत्र दिवस पर भारत के राजकीय मेहमान थे। भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अल-सीसी ने एक विशेष कैबिनेट समिति का गठन किया है। इसी तरह से पीएम मोदी ने 2023 में ग्रीस की यात्रा कर द्विपक्षीय रिश्तों को गहराई दी थी। इसके बाद ग्रीस के पीएम ने भी भारत की यात्रा की। दोनों देशों ने आपसी रिश्ते को रणनीतिक रिश्ते का दर्जा दिया है। ग्रीस के साथ भारत सैन्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर खास जोर दे रहा है।

आयकर चुकाने वाले लोग नहीं ले पाएंगे सरकार से मुफ्त में राशन

- अपात्र लोगों के नाम लाभार्थियों की सूची से हटाया जाएगा
- खाद्य मंत्रालय के साथ आंकड़े साझा करेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, प्रेट्र: आयकर विभाग प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए खाद्य मंत्रालय के साथ आंकड़े साझा करेगा। असल में आयकर विभाग के सामने ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें इनकम टैक्स अदा करने वाले लोग भी पीएमजीकेएवाई के तहत राशन ले रहे हैं। बता दें कि पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। तमाम राज्यों से इस तरह की शिकायतें आती रही हैं कि ऐसे लोग भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जो अपात्र हैं और आयकर का भुगतान करते हैं।

सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किया है जो कि चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है। पीएमजीकेएवाई को देश में

प्रतीकात्मक

कोविड-19 महामारी से हुए पैदा हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक आदेश में कहा है कि आयकर महानिदेशक (सिस्टम) को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के संयुक्त सचिव को जानकारी देने का अधिकार होगा। डीजीआइटी (सिस्टम) को डीएफपीडी कर निर्धारण वर्ष के साथ आधार या पैन नंबर मुहैया कराएगा। यदि पैन दिया गया है या दिया गया आधार पैन से जुड़ा हुआ है, तो डीजीआइटी (सिस्टम) आयकर विभाग के डाटाबेस के अनुरूप निर्धारित आय के संबंध में डीएफपीडी को जवाब देगा।

यदि लाभार्थी का आधार नंबर आयकर डाटाबेस में किसी भी पैन से नहीं जुड़ा है, तो डीजीआइटी (सिस्टम) इसकी सूचना डीएफपीडी को देगा। सूचना पेश करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए डीजीआइटी (सिस्टम) डीएफपीडी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) करेगा।

ईवीएम की विश्वसनीयता को लेकर दावे बेतुके : जस्टिस चंद्रचूड़

नई दिल्ली, प्रेट्र: पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर विपक्षी दलों के दावों को खारिज करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार ईवीएम की वैधता की पुष्टि की है। एक सवाल के जवाब में चंद्रचूड़ ने कहा कि इस पर चर्चा करने का दिन नहीं है। शीर्ष न्यायालय संवैधानिक क्षेत्र में निर्णय लेने के मामले में अंतिम मंच है और इसने ईवीएम की वैधता की पुष्टि की है। मुझे लगता है कि हमें इसे स्वीकार करना चाहिए। वह दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

गौरतलब है कि हाल ही में महाराष्ट्र चुनाव के बाद एक बार फिर विपक्षी पार्टियों ने ईवीएम पर सवाल उठाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत तक ईवीएम की निष्पक्षता पर सवाल उठाया था। भाजपा नेताओं ने कहा था कि जब लोकसभा चुनाव में अच्छी खासी सीटों पर जीत हुई थी, तब ईवीएम की याद नहीं आई थी।

गृह मंत्री शाह ने ड्रग्स तस्करी से हो रही आतंकी फंडिंग से निपटने के दिए निर्देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- उच्च स्तरीय बैठक में की जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के हालात की समीक्षा
- आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से खत्म करने को बताया लक्ष्य

मोदी सरकार के प्रयासों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के इकोसिस्टम के कमजोर होने को रेखांकित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने ड्रग्स तस्करी से प्राप्त पैसे से हो रही आतंकी फंडिंग से तत्परता और सख्ती से निपटने को कहा है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के हालात की समीक्षा के लिए बुलाई उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने साफ किया कि हमारा लक्ष्य आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से खत्म करना है। बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय और जम्मू कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों ने राज्य में आतंकवाद और उसके इकोसिस्टम की स्थिति पर विस्तृत प्रजेंटेशन दिया। शाह

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर बुधवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जीरो घुसपैठ का लक्ष्य रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। साफ किया कि एजेंसियों को घुसपैठ और आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी मुरव्वत के कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

शाह ने कहा कि नार्को नेटवर्क जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स की तस्करी के साथ घुसपैठ और आतंकियों को गतिविधियां चलाने में भी मदद कर रहा है। ड्रग्स तस्करी से प्राप्त पैसे से हो रही टेरर फंडिंग रोकने के लिए तत्परता से कार्रवाई करनी होगी। मोदी सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के साथ जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद के पूर्ण खात्मे प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी एजेंसियों को इसके लिए बेहतर समन्वय के साथ काम करने को कहा।

विधेयकों को मंजूरी नहीं देना लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता होगी : तमिलनाडु

- सुप्रीम कोर्ट में कहा, दूसरी बार पारित विधेयक को मंजूरी देने के लिए राज्यपाल बाध्य
- शीर्ष अदालत की टिप्पणी, पार्टियों के बीच विवाद से प्रभावित हो रहे लोग और राज्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि राज्यपाल आरएन रवि का विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को दूसरी बार भी मंजूरी नहीं देना देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की विफलता होगी।

जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मुद्दे पर राज्यपाल के साथ चल रहे टकराव को लेकर दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। ये याचिकाएं तमिलनाडु सरकार ने दायर की हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पार्टियों के बीच विवाद के कारण जनता और राज्य को नुकसान हो रहा है।

राज्य सरकार की ओर से चार फरवरी को पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि कानून के तहत अगर राज्य विधानमंडल विधेयक पारित करता है तो राज्यपाल पुनर्विचार के लिए कह सकते हैं। हालांकि, अगर उसी विधेयक को फिर से पारित किया जाता है और राज्यपाल के समक्ष दूसरी बार पेश किया जाता है, तो राज्यपाल के पास स्वीकृति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है। यह हमारे संवैधानिक ढांचे में निर्धारित प्रक्रिया है। अगर राज्यपाल फिर भी अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं तो यह हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता है।'

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने का विकल्प पहली बार में ही तय किया जाना चाहिए था और इसे बाद में नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विधेयक के दोबारा पारित होने और राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद, उनके पास मंजूरी देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था और दूसरी बार में वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए नहीं रख सकते थे। पीठ ने सुनवाई छह फरवरी के लिए स्थगित कर दी।

चुनाव आयोग को मतदान बाद फार्म-17सी वेबसाइट पर डालने के आदेश की मांग

माला दीक्षित • जागरण

- सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा-पारदर्शिता आएगी व चुनावी अनियमितताओं पर रोक लगेगी
- अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा व प्रवक्ता आलोक शर्मा ने जनहित याचिका में की मांग

नई दिल्ली : अमेठी से कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने बुधवार पांच फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की है कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्येक मतदान केंद्र का फार्म-17सी वेबसाइट पर डाले। फार्म 17सी की सार्वजनिक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा किया जाना चाहिए। इससे पारदर्शिता आएगी और चुनावी अनियमितताओं पर रोक लगेगी। याचिका में कुल तीन याची हैं। किशोरी लाल शर्मा के अलावा कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा और प्रिया मिश्रा भी याचिकाकर्ता हैं। फार्म-17सी में एक मतदान केंद्र पर कितने वोट डाले गए इससे जुड़ी जानकारी होती है।

कांग्रेस नेताओं ने इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट से यह भी मांग की है कि कोर्ट चुनाव की सुचिता सुनिश्चित करने और पारदर्शिता के लिए आमजनता, मीडिया और राजनीतिक दलों को इन

फार्म 17सी की समान रूप से उपलब्धता होने के लिए उचित आदेश जारी करे। याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग को अंतरिम आदेश के तौर पर दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के साथ ही आने वाले किसी भी चुनाव के फार्म 17सी तत्काल प्रभाव से वेबसाइट पर डालने का आदेश दे।

याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के जिस तरह मतदान के आंकड़े पब्लिश होते हैं, उनमें अप्रत्याशित अंतर होता है और ऐसा विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव के मतदान के बाद होता है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पड़े कुल मतों का ब्योरा रखने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज, फार्म 17सी को वेबसाइट पर अपलोड करके इस प्रक्रिया को सुरक्षित किया जा सकता है। चुनाव की शुचिता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि यह सूचना सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध हो। ताकि संविधान के अनुच्छेद 14,19 और 21 में मिले मौलिक अधिकार व जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रविधान लागू होना सुनिश्चित हो। आयोग द्वारा फार्म 17सी की जानकारी सार्वजनिक नहीं करना चुनावी प्रक्रिया में पब्लिक ट्रस्ट को कम करता है और चुनावी प्रक्रिया के दूषित होने के बारे में चिंता उत्पन्न करता है। यह सूचना सार्वजनिक न करना आरटीआइ कानून का उल्लंघन है। मतदाता पोलिंग एजेंट या अन्य चीजों पर निर्भर रहते हैं।

छह राज्यों ने यूजीसी मसौदा नियमावली वापस लेने की मांग की

- कर्नाटक सरकार के निमंत्रण पर छह राज्यों के शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन
- कई राज्यों ने मसौदे में विभिन्न खामियों को किया है उजागर

बेंगलुरु, प्रेट्र : छह गैर-भाजपा शासित राज्यों के उच्च शिक्षा मंत्रियों ने यूजीसी मसौदा नियमों में खामियों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। कर्नाटक सरकार के निमंत्रण पर बुधवार को बेंगलुरु में छह गैर-भाजपा शासित राज्यों के एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें केरल (आर बिंदु), तमिलनाडु (गोवी चेजियान) और हिमाचल प्रदेश (रोहित ठाकुर) के शिक्षा मंत्रियों ने भाग लिया, जबकि तेलंगाना का प्रतिनिधित्व आइटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और झारखंड का प्रतिनिधित्व विधायक सुदिव्य कुमार ने किया। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि यूजीसी को इन नियमों को तैयार करते समय सभी राज्यों के साथ एक सहयोगी परामर्श प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए।

सुधाकर ने कहा कि भाजपा के सहयोगी दलों सहित कई राज्यों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2025 के मसौदे में विभिन्न खामियों की ओर इशारा किया है। उदाहरण के लिए कुलपति बनने के लिए 24 साल की सेवा और विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाने के बाद कोई व्यक्ति पात्र होता है। लेकिन इस मसौदे में कहा गया है कि केवल 10 वर्षों के प्रबंधकीय या उद्योग अनुभव वाले व्यक्ति को भी कुलपति बनाया जा सकता है, जो सही नहीं है।

तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री चेजियान ने कहा कि छात्रों को अपनी मर्जी से शामिल होने और वापस जाने की अनुमति देने वाला यह मसौदा शिक्षा के मूल विचार का अनादर करता है। शिक्षा बाजार नहीं है कि आप अपनी मर्जी से आएं और चले जाएं। सम्मेलन में 15 प्रमुख बिंदुओं की पहचान की गई है। इनमें यह महत्वपूर्ण बिंदु भी शामिल है कि राज्य सरकारों को कुलपतियों की नियुक्ति में निर्णायक भूमिका दी जानी चाहिए। इस पर मसौदा पारित होने से पहले पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

सिफारिश

शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति की सिफारिश, कहा-नापाक गठजोड़ चिंताजनक, समिति ने इस बुराई के खात्मे के लिए अध्ययन समूह गठित करने को कहा

कोचिंग संस्थानों से साठगांठ वाले कालेजों की रद हो मान्यता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण के साथ कालेज और कोचिंग संस्थानों के बीच बढ़ते गठजोड़ पर शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक संसदीय समिति ने गहरी चिंता जताई है। साथ ही केंद्र सरकार से दोनों के बीच तेजी से बढ़ रहे इस नापाक गठजोड़ को खत्म करने की सिफारिश की है। इस दौरान कोचिंग संस्थानों के साथ मिलकर काम करने वाले कालेजों की पहचान करके उनकी मान्यता को रद करने और उन्हें मिली वाली वित्तीय मदद पर भी तुरंत रोक लगाने की सिफारिश की है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुआई वाली संसदीय समिति ने देश की शिक्षा के लिए कालेजों और कोचिंग संस्थानों के बीच के गठजोड़ को खतरनाक बताया है। साथ ही केंद्र सरकार से अब तक इस दिशा में किसी तरह प्रयास नहीं किए जाने पर नाखुशी जताई है।

प्रतीकात्मक

समिति ने कहा कि उसने इस मुद्दे पर पहले ही सरकार को जरूरी कदम उठाने की सिफारिश की थी। बावजूद इसके अब तक इस दिशा में कोई काम नहीं किया है। समिति ने फिलहाल इस गठजोड़ का पता लगाने के लिए एक अध्ययन समूह गठित करने को कहा। साथ ही कहा कि उसकी जो रिपोर्ट आए उससे समिति को भी अवगत कराया जाए। समिति ने अपनी रिपोर्ट में किसी राज्य का नाम तो नहीं लिया। लेकिन यह कहा कि कई राज्यों व शहरों ने यह गठजोड़ काफी चरम स्थिति पर पहुंच गया है। इससे देश की नई पीढ़ी की सीखने की क्षमता खत्म होती जा रही है।

समिति ने प्रस्तावित डिजिटल विश्वविद्यालय को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। कहा कि डिजिटल विश्वविद्यालय के जरिये भले ही सस्ती और समावेशी शिक्षा देने का दावा किया जा रहा है लेकिन पहले से ही स्वयं प्लेटफार्म के जरिये जो डिजिटल शिक्षा उसकी स्थिति बेहद खराब है। अब तक स्वयं प्लेटफार्म के जरिये नामांकन करने वाले चार प्रतिशत से कम लोग ही अपना कोर्स पूरा कर पाए। इससे जुड़ी शिकायतों में पुरानी सामग्री, कठिन शिक्षण व खराब बुनियादी ढांचा शामिल है। आनलाइन माडल में छात्र-शिक्षक अनुपात भी बेहद खराब है। यह इसलिए भी अनुपुक्त है क्योंकि आक्सफैम इंडिया-2022 की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ चार प्रतिशत एससी व एसटी और सात प्रतिशत ओबीसी छात्रों के पास इंटरनेट सुविधा के साथ कंप्यूटर हैं। ऐसे में सभी को समावेशी शिक्षा कैसे मिल पाएगी।

पेपर लीक, गलत प्रश्नपत्र जैसी घटनाओं से तुरंत निपटने की जरूरत

समिति ने इसके साथ ही पेपर लीक, गलत प्रश्नपत्र जैसी घटनाओं पर भी सरकार से तुरंत जरूरी कदम उठाने के लिए कहा है। समिति ने कहा है कि परीक्षाओं के सुचारु और दोषरहित संचालन के बारे में शिक्षा मंत्रालय की ओर से जो जवाब दिए गए है, वह अपर्याप्त और अधूरा है। समिति ने इस विषय को संस्थानों की नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) रैंकिंग से जोड़ने की सलाह दी है।

****

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

2014 से 2024 तक अतिरिक्त 17.9 करोड़ नौकरियां सृजित की गईं, जबकि 2004 से 2014 तक सिर्फ 2.9 करोड़ नौकरियां सृजित की गई थीं। यह दावा भाजपा आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने की है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 6 फरवरी, 2025

बिना जातिवार गणना दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का विकास नहीं : राहुल

कहा– देश में दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों की आबादी कितनी है, सही जानकारी गणना से ही संभव

लगाया आरोप– सत्ता, न्यायपालिका, शिक्षा में इनकी नाममात्र भागीदारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि बिना जातिवार गणना दलितों, पिछड़ों एवं आदिवासियों का विकास संभव नहीं। इनकी आबादी कितनी है, इसकी सही जानकारी गणना से ही संभव है। यह समाज का एक्स-रे है। इसी से पता चलेगा कि दलितों, पिछड़ों एवं आदिवासियों की स्थिति क्या है। हम जातिवार गणना कराकर रहेंगे। बिहार की तरह हम महज खानापूर्ति नहीं करेंगे, बल्कि तेलंगाना सरकार की जातिवार गणना पर आगे बढ़ेंगे। मैं भारत के सभी संस्थानों में दलितों और पिछड़ों को नेतृत्वकर्ता के रूप में देखना चाहता हूं। राहुल बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को पटना में श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में आयोजित जगलाल चौधरी जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। एएनआइ

राहुल ने फिर दोहराया कि देश में आज दो विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ आरएसएस-भाजपा है तो दूसरी तरफ आंबेडकर, गांधी और जगलाल चौधरी जैसे लोग। आंबेडकर, जगलाल जो बात करते थे उसका आइडिया दलितों, पिछड़ों के दुख-दर्द से आता था लेकिन आंबेडकर ने जो संविधान दिया उसे आरएसएस-भाजपा के लोग समाप्त करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान ही लोगों को सच्ची भागीदारी दे सकता है। जब तक संविधान है तब तक दलितों और आदिवासियों को दबाया नहीं जा सकेगा। व्यवस्था पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत की सत्ता, न्यायपालिका, शिक्षा, स्वास्थ्य और कारपोरेट जगत में दलित समुदाय की भागीदारी नाममात्र है। किसी भी बड़े कारपोरेट, कंपनियों के बोर्ड रूम में दलितों का नाम तक नहीं होगा। कहा कि मैंने किताबों में दलितों के बारे में सिर्फ अछूत और दलित शब्द पढ़े। क्या उनका कोई इतिहास नहीं? सत्ता के संस्थानों में दलितों को प्रतिनिधित्व दिखावटी है।

मंच पर नहीं मिली जगलाल चौधरी के पुत्र को जगह

राहुल जब मंच पर संबोधन के लिए आए तो वे जगलाल चौधरी के नाम का उच्चारण जगत चौधरी करने लगे। लगातार तीन बार गलती होने के बाद हाल में बैठे लोगों ने उनका ध्यान आकृष्ट किया। तब राहुल ने खेद प्रकट किया, फिर सही नाम उच्चारित करने लगे। समारोह में मंच पर जगलाल चौधरी के पुत्र भूदेव चौधरी को जगह नहीं दी गई। बाद में भूदेव चौधरी ने कहा कि इस बात का दुख हमेशा रहेगा। मेरे पिता की जयंती मनाई गई, लेकिन मुझे ही महत्व नहीं दिया गया।

हर हाल में तेजस्वी को बनाएं मुख्यमंत्री : लालू

जागरण संवाददाता, इस्लामपुर (नालंदा) : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आपको कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना है, न मैंने किसी के सामने सिर झुकाया है। हम सभी को मिलकर काम करना है और हर हाल में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। वे बुधवार को पूर्व विधायक कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने इस्लामपुर पहुंचे थे।

उन्होंने खानकाह विद्यालय के खेल परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं व आमजन से अपील की कि देश की रक्षा के लिए सभी को एक साथ खड़ा रहना होगा। उनकी सरकार बनी तो बिहार के लोगों को फ्री बिजली मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे और सरकारी नौकरियां दी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। बिहार की जनता को कभी निराश नहीं होने देंगे। इससे पहले लालू ने जगदंबा स्थान के गर्भगृह में जाकर पूजा की। यहां से वे इस्लामपुर थाना परिसर स्थित दाता लोदी शाह दीवान रहमतुल्लाह की मजार पर पहुंचे और चादरपोशी की।

राजस्थान में अपनी ही सरकार को घेर रहे मंत्री और भाजपा नेता

जागरण संवाददाता, जयपुर

- सीएम शर्मा आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने में जुटे

राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार में मंत्री, विधायक और भाजपा के नेता विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। मंत्री, विधायक और नेता सरकार के फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं सीएम शर्मा जनता से जुड़े फैसले कर सीधा आम लोगों के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं। सीएम ने पिछले दिनों में कृषि, पशुपालन, युवाओं, चिकित्सा, शिक्षा और उद्योग से जुड़े कई बड़े फैसले कर हर वर्ग को राहत देने की कोशिश की है। राज्य सरकार कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा वरिष्ठता के बावजूद कम महत्व के विभाग मिलने से नाराज होकर मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि सीएम ने उनका इस्तीफा अब तक स्वीकार नहीं किया है। खुद को बीमार बताकर विधानसभा की बैठकों में शामिल नहीं होने वाले मीणा लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। मंत्रिमंडल की बैठकों में शामिल नहीं होकर अपने कभी सवाईमाधोपुर तो कभी दौसा में जनसुनवाई करते हैं। मीणा ने पिछले दिनों सार्वजनिक रूप से सरकार में खुद का अपमान होने की बात कही है। उन्होंने अवैध खनन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। किरोड़ी की पिछले कुछ दिनों से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से बढ़ती निकटता भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

भजनलाल शर्मा। फाइल

इस बीच, पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवीसिंह भाटी ने गुरुवार को जयपुर में विधानसभा के बाहर धरने पर बैठने की घोषणा की है। भाटी इस बात से नाराज हैं कि उनके द्वारा कई बार की गई शिकायतों के बावजूद आइपीएस अधिकारी प्यारेलाल शिवरान को बीकानेर जिले से बाहर नहीं भेजा गया। भाटी का कहना है कि उन्होंने करीब डेढ़ महीने पहले सीएम से मिलकर शिवरान की शिकायत की थी।

भाजपा के ही वरिष्ठ विधायक प्रताप सिंह सिंघवी बारां जिले में अवैध खनन को लेकर विधानसभा के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। आरोप है कि सरकारी अधिकारियों की अवैध खनन करने वालों से मिलीभगत है। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री सीएम पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लगाातार सम्पर्क स्थापित कर रहे हैं।

मेक इन इंडिया पर सवाल उठाने के लिए भाजपा ने राहुल गांधी को घेरा

- कहा मोदी के नेतृत्व में 'बर्बाद हुए दशक' से आगे बढ़ चुका है भारत
- राहुल ने कहा था, मोदी स्वीकारें कि 'मेक इन इंडिया' पहल विफल रही

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल पर टिप्पणियों के लिए भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने अंततः भले ही संप्रग सरकार की विफलताओं को स्वीकार कर लिया हो, लेकिन भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'बर्बाद हुए दशक' से आगे बढ़ चुका है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा था कि सदन में अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया का उल्लेख नहीं किया। प्रधानमंत्री को मान लेना चाहिए कि यह पहल विफल हो चुकी है। राहुल ने यह भी कहा कि हाल के समय में कोई भी सरकार, चाहे वह संप्रग सरकार रही हो या राजग की, नौकरियां देने की राष्ट्रीय चुनौती पर खरी नहीं उतर सकीं। हमें ऐसे विजन की जरूरत है जो हमारे विनिर्माण क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर कर सके और भविष्य की वैश्विक आर्थिकी में प्रतिस्पर्धी बनने के लिए तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि भारत को इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, आप्टिक्स और एआइ जैसी उभरती हुई तकनीकों पर खास फोकस करना चाहिए।

भाजपा के आइटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने मोदी सरकार के तहत विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को रेखांकित करने के लिए आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, 'आंकड़े खुद बोलते हैं– विनिर्माण बढ़ रहा है, नौकरियां सृजित की जा रही हैं और भारत उत्पादन का वैश्विक केंद्र बन रहा है।' भाजपा नेता ने कहा, 'यह अच्छा है कि राहुल गांधी ने आखिरकार वह तथ्य स्वीकार कर लिया है जो पूरा देश पहले से जानता था कि एक दशक तक सत्ता में रहने बाद भी संप्रग नौकरियां सृजित करने और भारत के विनिर्माण के आधार को मजबूत करने में विफल रहा।' कांग्रेस के विनाशकारी दृष्टिकोण का एक उदाहरण 2006 का है जब इंटेल भारत में चिप प्लांट लगाना चाहती थी और संप्रग सरकार नीतिगत फैसलों को विलंबित करती रही और इंटेल को अपना निवेश चीन और वियतनाम ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस एक विफलता ने सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत को दशकों पीछे कर दिया। मालवीय ने रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डाटा के हवाले से बताया कि 2014 से 2024 तक अतिरिक्त 17.9 करोड़ नौकरियां सृजित की गईं, जबकि 2004 से 2014 तक सिर्फ 2.9 करोड़ नौकरियां सृजित की गई थीं। पुराने पड़ चुके 1,550 कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालनों को खत्म कर दिया गया है। कांग्रेस का दृष्टिकोण समस्याओं पर आंसू बहाने का था, लेकिन मोदी सरकार उनका समाधान करती है।

सियासत के रंग ▶ छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस में सिर फुटौवल

नेतृत्व पर बघेल ने उठाया सवाल तो बयान से पलटे महंत

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● रायपुर

कांग्रेस के वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ने के बयान से नेता प्रतिपक्ष डा. चरण दास महंत पलट गए हैं। उन्होंने दावा किया है कि उनके बयान को तोड़ मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है। दरअसल डा. महंत का बयान आते ही भाजपा हमलावर हो गई थी और पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने भी सवाल उठाए थे। इधर, निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बीच बयानों के तीर से सिर फुटौवल की स्थिति बनती जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पूरे पांच साल के कार्यकाल में बघेल बनाम सिंहदेव की गुटबाजी हावी रही। राज्य में दस नगर निगम और सौ से ज्यादा स्थानीय निकायों में 11 फरवरी को मतदान है।

नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार के दौरान मंगलवार को अंबिकापुर की जनसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरण दास महंत ने कहा था कि अगला चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़कर छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। सिंहदेव हमेशा बेदाग रहे हैं। इस पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने चुटकी भी ली। उन्होंने कहा कि कि महंत का यह बयान कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता-संघर्ष और गुटीय घमासान का ही परिचायक है। एक तरह से बघेल के नेतृत्व को महंत ने ठुकरा दिया है, जबकि अगले विधानसभा चुनाव में अभी चार साल बचे हैं।

...तो क्या कहता कि उनके नेतृत्व में चुनाव हार गए : महंत

भाजपा के कटाक्ष की खबर संभवतः डा. महंत तक पहुंच चुकी थी। अंबिकापुर से मनेंद्रगढ़ पहुंचते ही महंत ने पलटी मार ली। उन्होंने कहा, अंबिकापुर में मैंने तो ऐसा नहीं कहा है, मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। प्रदेश में सामूहिक नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव विधानसभा का चुनाव लड़ेगी जिसमें चेहरा सभी का होगा। अंबिकापुर सिंहदेव का क्षेत्र है उनके क्षेत्र में उनको उत्साहित नहीं करूंगा तो क्या उनको कहूंगा कि उनके नेतृत्व में चुनाव हार गए, इसलिए चुनाव नहीं लड़ाएंगे।

डा. चरण दास महंत। फाइल

महंत की वरिष्ठ नेताओं से चर्चा हुई होगी तो मेरी जानकारी में नहीं : बघेल

महंत के बयान को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि महंत किसी घोषणा के लिए अधिकृत नहीं हैं। हाईकमान अधिकृत है। वे वरिष्ठ नेता हैं, दिल्ली में उनकी मुलाकात कांग्रेस वरिष्ठ नेताओं से होती रहती है। ऐसी कोई बात हुई होगी तो जानकारी नहीं है। लेकिन ऐसी घोषणा पार्टी हाइकमान से ही होती है।

भूपेश बघेल। फाइल

ऐसे बयानों पर विराम लगे : सिंहदेव

टीएस सिंहदेव। फाइल

राजनीतिक बयानबाजी के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि इस पर अब विराम लगना चाहिए, अन्यथा ये बातें दूषित नजरिए से देखी जाएंगी। सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा। डा. महंत के बयान में कोई सच्चाई नहीं है। ऐसे निर्णय पार्टी हाइकमान से आते हैं। उन्होंने (डा. चरण दास महंत) जो भी कहा होगा, स्थानीय स्तर को लेकर ही कहा होगा।

राष्ट्रीय फलक

राहुल द्रविड़ कार को टक्कर लगने पर आटो ड्राइवर से बहस करते दिखे

बेंगलुरु, प्रेट्र: अपने शांत स्वभाव के लिए प्रसिद्ध भारतीय टीम के पूर्व कोच और बल्लेबाज राहुल द्रविड़ बेंगलुरु की सड़क पर आटो ड्राइवर से बहस करते हुए नजर आए। इंटरनेट मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है। यह घटना कथित तौर पर मंगलवार शाम बेंगलुरु के कनिंघम रोड पर हुई। ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के अनुसार, पूर्व भारतीय टीम के कप्तान ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। माना जाता है कि घटना शाम 6.30 बजे के आसपास हुई थी। वीडियो में द्रविड़ को कन्नड़ में बहस करते हुए ड्राइवर से पूछते हुए देखा गया कि उसने ब्रेक क्यों नहीं लगाया। द्रविड़ इंडियन एक्सप्रेस सर्कल से मिलर्स रोड की ओर जा रहे थे।

गौरतलब है कि 2021 में राहुल द्रविड़ का इक एड वीडियो आया था, जिसमें राहुल गाड़ी से निकलकर खुद को इंदिरानगर का गुंडा कहा था। हाथ में बल्ला लेकर लोगों को डरा रहे थे। कुछ यूजर्स ने कहा कि द्रविड़ भी बेंगलुरु के ट्रैफिक और लोगों की लापरवाही देखकर अपना आपा खो बैठे थे।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में सेना का जवान गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- आधा किग्रा हेरोइन, 15 लाख ड्रग मनी, पिस्तौल और कार बरामद
- आरोपित जवान का साथी नासिक में तैनात, चारों के खिलाफ दर्ज केस दर्ज

पंजाब के अमृतसर में स्थित थाना घरिंडा की पुलिस ने सेना के जवान सहित तीन लोगों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अमृतपाल सिंह का एक अन्य साथी सेना में है और नासिक में तैनात है, जिसकी धरपकड़ के प्रयास जारी है। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एसएसपी (देहात) चरणजीत सिंह सोहल ने प्रेस कान्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। पकड़े गए आरोपित तरनतारन के गांव चंबा कला निवासी अमृतपाल सिंह (भारतीय सेना में जवान), पट्टी स्थित मकबरे वाली गली निवासी मंदीप सिंह और राजस्थान के गोसाइसर बड़ा निवासी माधव शर्मा हैं। वहीं, पट्टी के वार्ड नंबर नौ निवासी राजबीर सिंह की गिरफ्तारी होना अभी बाकी है।

एसएसपी ने बताया कि राजबीर और अमृतपाल भारतीय सेना में तैनात हैं और नासिक में ड्यूटी कर रहे हैं। दोनों पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने का आरोप है। सूचना यह भी थी कि दोनों विभिन्न भारतीय सैन्य ठिकानों के दस्तावेज और नक्शे पाकिस्तानी सेना को बेच चुके हैं। पुलिस को इनपुट मिले थे कि अमृतपाल छुट्टी लेकर घर आया है और अपने उक्त दो साथी माधव शर्मा और मंदीप सिंह के साथ वरना कार में हेरोइन सप्लाई करने जा रहा है। इसी आधार पर पुलिस ने रास्ते में नाकाबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। तलाशी में इनके कब्जे से आधा किलोग्राम हेरोइन, 15 लाख ड्रग मनी और एक पिस्तौल बरामद किया। एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि उक्त आरोपित अमृतपाल पिछले एक साल से पाकिस्तान के लिए काम कर रहा है। उधर, पुलिस ने राजबीर को गिरफ्तार करने के लिए नासिक एक टीम भेजी है। नासिक सेना मुख्यालय को भी इसकी जानकारी दी जा चुकी है।

बिहार में तोड़ी गई पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की प्रतिमा

जासं, दाउदनगर (औरंगाबाद) : बिहार के औरंगाबाद जिला अंतर्गत महावर गांव में स्थापित पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की प्रतिमा मंगलवार की रात कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़ दी। घटना से गांव के लोग आक्रोशित हैं।

घटना की सूचना मिलने पर लोजपा रामविलास के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. प्रकाश चंद्रा, जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू समेत पार्टी के अन्य नेता मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत किया। पार्टी के एससी-एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान ने प्राथमिकी के लिए थाने में आवेदन दिया है।

पार्टी के जिलाध्यक्ष सोनू ने प्रशासन को सात दिन के अंदर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। एसडीओ व एसडीपीओ ने कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया है। प्रतिमा का अनावरण 27 अगस्त 2021 को स्वर्गीय पासवान के पुत्र केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने किया था। डा. प्रकाशचंद्रा ने कहा कि 15 दिन के अंदर प्रतिमा दोबारा स्थापित की जाएगी।

बिहार में सात वर्ष बाद लापता महिला को कोसी नदी में खोज रही पुलिस

कोसी नदी में संजना के शव की तलाश में जुटी एसडीआरएफ टीम। जागरण

जागरण संवाददाता, महिषी (सहरसा)

- 12 जनवरी 2018 को अपनी ससुराल से नानी के घर जाने के लिए निकली थी संजना, अब तक पता नहीं

बिहार के सहरसा जिले के महिषी में बिहार पुलिस का एक अजीबोगरीब कारनामा सामने आया है। सात साल बाद पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम के साथ कोसी नदी में लापता महिला के शव की खोज की। जानकारी के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-24 पटुआहा निवासी गौरी शंकर की पत्नी संजना देवी उर्फ संजना तांती 12 जनवरी, 2018 को गायब हो गई थी। उसके शव की खोज में बुधवार को एसडीआरएफ की टीम के साथ सदर थाने की पुलिस ने महपुरा घाट के पास कोसी नदी में 10 किलोमीटर के दायरे में तलाशी अभियान चलाया। संजना अपनी ससुराल से नानी के घर के लिए निकली थी और लापता हो गई। बता दें कि संजना जन अधिकार पार्टी की प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। ग्रामीण इतने समय के बाद तलाशी अभियान चलाने से अचंभित हैं।

मामला पकड़ में आने पर एफसीआइ ने आर्डर रोका

प्रथम पृष्ठ से आगे

एफसीआइ ने नकली लेटर हेड को असली मानकर उक्त कंपनी को 20.65 रुपये प्रति किग्रा के हिसाब से 100 टन गेहूं और 22 रुपये प्रति किग्रा के हिसाब से 400 टन चावल दे दिए। मामला पकड़ में तब आया जब कंपनी ने 500 टन गेहूं का दोबारा आर्डर लेने की कोशिश की। एफसीआइ ने आर्डर तुरंत रोका इसके बाद एनसीसीएफ ने चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत की।

ऐसे पकड़ में आया मामला: 27 नवंबर 2024 को एनसीसीएफ की ब्रांच मैनेजर रेखा मिश्रा को एफसीआइ के पंचकूला स्थित रिजनल आफिस की एजीएम कामिनी नेगी ने फोन किया। कामिनी ने कहा कि उन्होंने 500 टन का जो आर्डर ई-मेल से भेजा है, उसमें कुछ कमियां हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई आर्डर उन्होंने भेजा ही नहीं। तब उन्हें पता चला कि ओम इंटरप्राइजेज नाम की कंपनी का एक प्रतिनिधि विकास कुमार उनके नाम पर पहले ही 500 टन गेहूं और चावल ले चुका है। रेखा को पता चला कि आरोपितों ने उनके नाम का इस्तेमाल कर गेहूं और चावल लिए थे।

योजना

संस्थान के विशेषज्ञ कानपुर कमिश्नरेट पुलिस को प्रशिक्षण देने के साथ ही तैयार करेंगे कोर्स, आनलाइन व आफलाइन रहेगा कोर्स, अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारी व स्टाफ ले सकेंगे ट्रेनिंग

पुलिसिंग बेहतर बनाने को आइआइटी कानपुर जल्द शुरू करेगा कोर्स

शशांक भारद्वाज ● जागरण

कानपुर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) में पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी जल्द ही तकनीक का इस्तेमाल करके अपराध थामने से संबंधित पढ़ाई करेंगे। इन्हें साइबर अपराध रोकने, केस सुलझाने, फोरेंसिक से संबंधित जटिल साक्ष्य संकलन, हत्या, लूट, ठगी के मामले नए तरीके से हल करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह शार्ट टर्म कोर्स के तहत होगा। यह कोर्स कानपुर कमिश्नरेट की पुलिसिंग को समझने और तकनीकी प्रशिक्षण से मिले अनुभव के आधार पर तैयार होगा। कोर्स तैयार होने पर पुलिसकर्मी आनलाइन और आफलाइन इसकी पढ़ाई कर सकेंगे। अन्य राज्यों की पुलिसकर्मी भी कोर्स पूरा करके तकनीकी तौर पर सक्षम हो सकेंगे। प्रशिक्षण के दौरान साइबर, फोरेंसिक, बैलेस्टिक, वायरोलाजी से जुड़े विशेषज्ञ भी गुरुमंत्र देंगे।

पिछले दिनों आइआइटी कानपुर और कमिश्नरेट पुलिस के बीच एमओयू साइन किया गया है। संस्थान के विशेषज्ञ पुलिस अधिकारियों को साइबर हमलों के साथ ऐसे केस, जिसमें प्रारंभिक जांच में मौत की वजह स्पष्ट न होना, अपराध सीन का दोहराव, डीएनए, रसायनिक हमले, ब्लास्ट से संबंधित प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कोर्स तीन माह का हो सकता है। यह घंटे के आधार पर रहेगा, जिसमें वीडियो और आडियो रहेगा। आनलाइन में अगर किसी को दिक्कत आती है तो चैटबाट का आप्शन भी आएगा। यह चैटबाट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रहेगा। इसमें कोर्स से संबंधित कुछ भी डालते ही जानकारियां आ जाएंगी।

कोर्स के अंतर्गत पुलिसकर्मी जटिल मामलों में फोरेंसिक साइंस और डेटाबेस विश्लेषण के जरिये अपराधी तक पहुंचने के नए तरीके जान समझ सकेंगे। साइबर अपराधियों की नई-नई चाल और उनसे बचाव के तरीके बताए जाएंगे। आइपी एड्रेस और कोड तोड़ना भी सिखाया जाएगा। इसमें ड्रोन और रोबोट का संचालन करना भी सिखाया जाएगा। यह ड्रोन और रोबोट आग लगने, सर्विलांस करने में मदद करेंगे। संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर ऐसे रोबोट विकसित कर रहे हैं, जिसका उपयोग जमीन पर अत्याधिक सूक्ष्म और संदिग्ध वस्तुओं की तलाश में किया जा सकता है।

आइआइटी कानपुर की नई पहल।

छह माह का चल रहा कोर्स

आइआइटी के सी3आइ हब में पुलिसकर्मियों के लिए साइबर संबंधित अपराध के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। यह छह माह का है। इसमें गृह मंत्रालय के निर्देश पर संबंधित राज्य के पुलिसकर्मी संस्थान आते हैं।

आइआइटी और कमिश्नरेट पुलिस मिलकर साइबर क्राइम, पीआरवी 112 की सटीक लोकेशन, सीसीटीवी कैमरों की मदद से अपराधियों के पकड़ने पर कार्य करेगी। पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। आइआइटी उनके लिए कोर्स डिजाइन कर सकता है।

–आशीष श्रीवास्तव, डीसीपी साउथ

आइआइटी साइबर अपराध, फोरेंसिक साक्ष्य लेने, वारदात के बाद भागने वाले अपराधियों की तलाश में पुलिस की मदद करेगा। कुछ स्टाफ को प्रशिक्षित कराने की बात चल रही है। इसके आधार पर शार्ट टर्म कोर्स भी बनाया जा सकता है।

– प्रो. ब्रजभूषण, उप निदेशक आइआइटी

नीट–यूजी पेपर लीक : 45 आरोपितों के विरुद्ध अदालत ने लिया संज्ञान

जागरण संवाददाता, पटना

- 05 मई 2024 को देशभर में हुई थी नीट-यूजी 2024 की परीक्षा
- 23 जून, 2024 को सीबीआइ की ओर से प्राथमिकी दर्ज की गई

बिहार में नीट-यूजी 2024 पेपर लीक मामले में सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश (द्वितीय) सुनील कुमार सिंह की अदालत ने बुधवार को सभी 45 आरोपितों के विरुद्ध संज्ञान लिया है। मालूम हो कि 05 मई, 2024 को पूरे देश में नीट-यूजी 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दौरान गड़बड़ी करने के आरोप में पटना के शास्त्रीनगर थाना प्रभारी अमर कुमार ने कुछ लोगों को गिरफ्तार कर प्राथमिकी की थी।

बाद में यह मामला आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को सौंप दिया गया। ईओयू की जांच में प्रश्न पत्र लीक होने का मामला उजागर हुआ। तब केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी। 23 जून, 2024 को सीबीआइ की ओर से प्राथमिकी की गई और कुल 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सीबीआइ ने मामले में 01 जुलाई, 2024 को 13 आरोपितों के विरुद्ध मूल आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद अलग-अलग तिथियों पर कुल 45 लोगों के खिलाफ सीबीआइ ने आरोपपत्र दाखिल किया था। पूर्व में मामला सीबीआइ के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में लंबित था। मामले में सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता पाए जाने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराएं जोड़ी गईं। बता दें पेपर लीक होने पर देशभर में बड़ा हंगामा हुआ था। उसके बाद सरकार ने कई सुधारात्मक कदम उठाए।

1.55 करोड़ से अधिक सक्रिय श्रमिकों के नाम हटा दिए गए हैं मनरेगा से वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच। 2022-23 में 86,17,887 और और वित्तीय वर्ष 2023-24 में 68,86,532 सक्रिय श्रमिकों के नाम हटाए गए।

भारत को होना चाहिए एआइ का अगुआ : अल्टमैन

ओपेनएआइ के कर्ताधर्ता ने कहा – एआइ सेक्टर की किसी भी कंपनी के लिए भारत एक अहम बाजार

गत एक वर्ष में भारत में एआइ का प्रयोग करने वाले लोगों की संख्या तीन गुना बढ़ी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में चीन व अमेरिका के बीच चल रही जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के बीच ओपेनएआइ के सैम अल्टमैन का कहना है कि भारत को इस सेक्टर का अगुआ होना चाहिए। अभी तक इस सेक्टर में भारत की उपलब्धियों और सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए अल्टमैन मानते हैं कि एआइ सेक्टर की किसी भी कंपनी के लिए भारत अहम बाजार है। उनकी कंपनी ओपेनएआइ भी भारतीय बाजार को बहुत तवज्जो देती है। अल्टमैन दो वर्षों बाद भारत तब आए हैं जब चीन की कंपनी डीपसीक ने एआइ में ओपेनएआइ के वर्चस्व को जबरदस्त चुनौती दी है। डीपसीक ने जिस स्तर की एआइ सेवा की शुरुआत की है, उसे अमेरिका व चीन के बीच प्रौद्योगिकी को लेकर छिड़ी जंग के तौर पर भी देखा जा रहा है। अल्टमैन मानते हैं कि भारत का एआइ परिदृश्य गत दो वर्षों में काफी बदल गया है। गत एक वर्ष में भारत में एआइ का प्रयोग करने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। एआइ स्टाक, चिप्स, माडल्स हर क्षेत्र में भारत में काफी उन्नत किस्म के एप्लीकेशंस बनाए जा रहे हैं। मेरा मत है भारत को एआइ क्रांति में एक अहम केंद्र होना चाहिए। अभी तक जो भारत ने किया है, वह जबरदस्त है। अल्टमैन ने भारत के संचार व प्रौद्योगिक क्षेत्र व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

नई दिल्ली में बुधवार को बैठक के दौरान ओपेनएआइ के सीईओ सैम अल्टमैन के साथ केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव। प्रेट्र

भारत के साथ सभी क्षेत्रों में सहयोग स्थापित करना चाहते हैं अल्टमैन : वैष्णव

इलेक्ट्रानिक्स और सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि उनकी अल्टमैन के साथ एआइ स्टैक से जुड़े जीपीयू, माडल्स, एप्लीकेशंस आदि में सहयोग पर बात हुई है। वह भारत के साथ इन सभी क्षेत्रों में सहयोग स्थापित करना चाहते हैं। वैष्णव ने बताया कि उन्होंने कि अल्टमैन को एआइ में भारत की मंशा भी बता दी है। यह मंशा है कि अभी जिस लागत पर एआइ से संबंधित सेवा उपलब्ध कराई जा रही है, उससे भी बेहद कम कीमत पर एआइ स्टैक को उपलब्ध कराना। सनद रहे कि चीन की कंपनी डीपसीक ने लागत के मामले में ओपेनएआइ को बहुत ही पीछे छोड़ दिया है। वैष्णव को भरोसा है कि भारतीय कंपनियां शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक में एआइ के एप्लीकेशन को बहुत ही कम कीमत पर उपलब्ध कराने की प्रौद्योगिकी विकसित कर सकते हैं। उन्होंने भारत की स्टार्टअप कंपनियों को कहा कि वह एआइ में प्रतिस्पर्धा को लेकर आगे आए।

आधे इंटरनेट यूजर कर रहे हैं एआइ का इस्तेमाल

भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले आधे यूजर एआइ का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमे से 30 प्रतिशत चीनी एआइ प्लेटफार्म डीपसीक पर स्विच हो चुके हैं या जल्द ही ऐसा कर सकते हैं। सर्वे फर्म लोकल सर्कल्स के अनुसार, चैटजीपीटी अब भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला एआइ प्लेटफार्म है लेकिन बहुत से लोग डीपसीक पर शिफ्ट हो गए हैं। सिर्फ18 प्रतिशत लोगों ने एआइ से मिली सूचना को गलत पाया है। एआइ का इस्तेमाल करने वाले 66 प्रतिशत लोग सूचना के लिए इसका उपयोग करते हैं, वहीं 25 प्रतिशत लोग दूसरे कामों के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

एआइ प्लेटफार्म से मिलने वाले जवाब आपको कितने सटीक लगे? 15,457 जवाब

कह नहीं सकते	5%
बेहद सटीक	8%
ज्यादातर गलत	9%
काफी गलत	9%
ज्यादातर सटीक	20%
कुछ हद तक सटीक	49%

एआइ प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हुए आपने सवालों के लिए किस मोड का इस्तेमाल किया? 14,836 जवाब

वाइस	10%
टेक्स्ट	90%

जानकारी के लिए आप इन दिनों किस एआइ प्लेटफार्म का सबसे ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं? 15,377 जवाब

92,000 लोगों ने जवाब दिए सर्वे के दौरान

309 जिलों में किया गया सर्वे देश के

को पायलट	6%
जेमिनी	3%
लामा	3%
क्लाउड	9%
परेप्लेक्सटी	9%
कोई नहीं	6%
चैटजीपीटी	28%
*अन्य	40%
पता नहीं	5%

*गूगल या दूसरे सर्च इंजन का इस्तेमाल करते हैं

चाइना मोबाइल से जुड़ा है डीपसीक का चैटबाट

▸ अमेरिका के सिक्योरिटी विश्लेषकों का दावा, जांच के बाद सामने आई है यह बात

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका के सिक्योरिटी विश्लेषकों का कहना है कि चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी डीपसीक की वेबसाइट में एक कंप्यूटर कोड है, जो कुछ यूजर की लागिन जानकारी को चीन की दूरसंचार कंपनी को भेज सकता है। खास बात यह है इस कंपनी को अमेरिका ने प्रतिबंधित कर रखा है। विश्लेषकों का कहना है कि डीपसीक के चैटबाट के वेब लागिन पेज को ध्यान से देखने पर इसमें अत्यधिक अस्पष्ट कंप्यूटर स्क्रिप्ट का पता चलता है, जिसको समझने पर पता चलता है कि इसका कनेक्शन सरकारी स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनी चाइना मोबाइल के स्वामित्व वाले कंप्यूटर इन्फ्रास्ट्रक्चर से है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह कोड डीपसीक के लिए अकाउंट खोलने और यूजर लागिन प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अपनी सिक्योरिटी पालिसी में डीपसीक ने पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना के अंदर सर्वर पर डाटा संग्रहित करने की बात स्वीकार की है। अमेरिका ने चाइना मोबाइल पर प्रतिबंध लगाते हुए दावा किया है कि चीनी दूरसंचार कंपनी और चीनी सेना के बीच घनिष्ट संबंध है।

एआइ टूल का प्रयोग नहीं करें अफसर

नई दिल्ली, प्रेट्र : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इस्तेमाल को लेकर तेज होती चर्चाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को कार्यालय के कंप्यूटर एवं अन्य उपकरणों में चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआइ टूल एवं एप को डाउनलोड नहीं करने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता से जुड़े जोखिम को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

मंत्रालय ने पिछले महीने अपने सभी विभागों को भेजे एक संदेश में कहा है कि कार्यालय के कंप्यूटर एवं फोन उपकरणों में एआइ टूल और एआइ एप के इस्तेमाल से सख्ती से परहेज किया जाना चाहिए। व्यय विभाग ने 29 जनवरी को एक वक्तव्य में कहा, 'यह तय किया गया है कि कार्यालय के कंप्यूटर और उपकरणों में एआइ टूल और चैटजीपीटी एवं डीपसीक जैसे एआइ एप का इस्तेमाल सरकार, डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।'

भारत सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब आस्ट्रेलिया और इटली जैसे देशों ने गोपनीयता और डाटा सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए अपने आधिकारिक सिस्टम को चीनी एआइ कंपनी डीपसीक से संरक्षित करने की घोषणा की है। डीपसीक ने पिछल हफ्ते अपने किफायती एआइ टूल आर1 को पेश कर समूची दुनिया को अचरज में डाल दिया था। इससे चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआइ और एआइ चिप बनाने वाली एनवीडिया को तगड़ा झटका लगा है।

नौ माह का बच्चा अगवा कर दो बार बेचा गया, तीन आरोपित गिरफ्तार

▸ सोमवार दोपहर बच्चे को खिलाने के बहाने आरोपित ने किया था अगवा

एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच की गोद में मासूम हर्षित साथ में बच्चे के माता-पिता। जागरण

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

नौ माह के बच्चे को अगवा कर उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में 80 हजार रुपये में बेच दिया। खरीदार ने भी उसे डेढ़ लाख रुपये में बेच दिया। 15 घंटे में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर बच्चे को बरामद कर लिया। बच्चा खरीदने वाले दंपती को शादी के 20 साल बाद भी बच्चा नहीं हुआ था। उन्होंने रिश्तेदार से बच्चे की व्यवस्था करने को कहा था।

पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद के दीनानाथपुर पूठी में रहने वाला मनोज प्लास्टिक फैक्ट्री में कामगार हैं। उसके तीन बच्चों में नौ माह का हर्षित सबसे छोटा है। मनोज के साथ ही बदायूं का मनोज कुमार भी काम करता है। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में काम करने के दौरान दोनों का परिचय हुआ था। यहीं पर महावीर भी काम करता था।

सोमवार दोपहर 12 बजे मनोज कुमार मनोज के घर आया। हर्षित को खिलाने के बहाने बाहर ले गया, पर वापस नहीं लौटा। उसे फोन लगाया गया जो बंद था। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आरोपित मनोज का नंबर सर्विलांस पर लगाया तो उसकी लोकेशन उत्तराखंड के उधमसिंह नगर की आई। आरोपित की फोन पर हुई बातचीत के आधार पर पुलिस ने रात में ही उधमसिंह नगर पहुंच कर महावीर को पकड़ लिया। महावीर ने कहा, मनोज 80 हजार में बच्चा बेचकर चला गया है, जिसे उसने डेढ़ लाख में बच्चा हरिवंश को बेच दिया था। महावीर की निशानदेही पर हरिवंश के पास से बच्चे को बरामद कर लिया गया। पुलिस ने महावीर और हरिवंश को भी गिरफ्तार कर लिया। बच्चा देकर और पैसे लेकर मनोज बदायूं आ गया। उसने शराब पी और रास्ते में पांच हजार रुपये खो दिए। 70 हजार रुपये रिश्तेदार को दे दिए। उससे पांच हजार रुपये भी बरामद हुए हैं। बदायूं से मनोज को भी गिरफ्तार कर लिया गया। शादी के बाद बच्चा नहीं होने पर हरिवंश ने ही महावीर को बच्चे का इंतजाम करने के लिए कहा था। महावीर ने बच्चे के लिए मनोज से संपर्क साधा था। एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच का कहना है कि पुलिस ने आरोपित को 15 घंटे में गिरफ्तार कर बच्चे को सकुशल बरामद किया है। बच्चे को उसके माता-पिता के सिपुर्द कर दिया गया है।

निजी बिल्डर को लाभ पहुंचाने के मामले में फंसे पंजाब के दो आइएएस अधिकारी

▸ पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने की थी मामले की जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

निजी बिल्डर को लाभ पहुंचाने के मामले में दो आइएएस अधिकारियों दिलराज सिंह संधावालिया और परमजीत सिंह पर लगाए गए आरोप मुख्य सचिव की जांच में सही पाए गए हैं। संधावालिया इस समय ग्रामीण विकास व पंचायत विभाग के सचिव हैं और परमजीत सिंह इसी विभाग के निदेशक हैं। दोनों अफसरों पर आरोप लगे थे कि इन्होंने न्यू चंडीगढ़ में एक निजी बिल्डर को गांव के रास्तों की अवैध बिक्री में मदद कर लाभ पहुंचाया है। इसकी जांच मुख्यमंत्री मान ने मुख्य सचिव केएपी सिन्हा को सौंपी थी। जांच रिपोर्ट में आरोप सही मिलने के बाद उन्हें चार्जशीट किया गया है।

जांच की आंच में फंसे इन अधिकारियों को लेकर अब विजिलेंस विभाग आगे जांच करेगा। विभाग के ही एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

न्यू चंडीगढ़ के ब्लाक माजरी में एक बिल्डर की ओर से अधिगृहीत की गई जमीन की ओर आने वाले रास्तों को नवंबर 2024 में दोनों अधिकारियों ने 'छोड़ी गई जमीन' घोषित किए बिना ही बिक्री को मंजूरी दे दी थी। जबकि रास्तों को कानूनी तौर पर तब तक बेचा नहीं जा सकता, जब तक कि निदेशक चकबंदी और निदेशक लैंड रिकार्डस की ओर इसे 'छोड़ी गई जमीन' घोषित नहीं किया जाता। इन रास्तों को बेचने पर रोक के लिए 2021 में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से आदेश भी जारी किया जा चुका है। पता चला है कि इन रास्तों की जमीन को बेचने की मंजूरी 2018 में दी गई थी। तब इसकी कीमत दो करोड़ रुपये थी। तब बिल्डर ने महंगा बताकर इस जमीन को नहीं खरीदा था। अब नए बढ़े हुए रेट के मुताबिक इस जमीन की कीमत पांच करोड़ रुपये है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है। अब विजिलेंस विभाग इस बात की जांच कर सकता है कि 2018 में मूल रूप से जमीन की बिक्री की अनुमति किसने दी थी।

हिंदू समाज एक रहने से ही फले-फूलेगा : मोहन भागवत

मोहन भागवत। फाइल

कहा, हिंदू धर्म में ऊंच-नीच व जाति का कोई महत्व नहीं, अस्पृश्यता का स्थान नहीं

पठनमतिता, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा, हिंदू समाज तभी फल-फूल सकता है जब वह एकजुट हो। हिंदू धर्म में कोई भी ऊंचा या नीचा नहीं है, जाति का कोई महत्व नहीं है। अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने सभी हिंदुओं को एक मानने का आह्वान किया, चाहे उनकी जाति, क्षेत्र या भाषा कुछ भी हो।

मोहन भागवत ने केरल में चेरुकोलपुझा हिंदू धार्मिक सम्मेलन के तहत आयोजित हिंदू एकता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा, एकजुट समाज फलता-फूलता है, जबकि विभाजित समाज नष्ट हो जाता है। उन्होंने हिंदू होने को एक 'स्वभाव' करार देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में लोग शिक्षा का उपयोग ज्ञानवर्धन के लिए, धन का उपयोग दान के लिए और शक्ति का उपयोग कमजोरों की सहायता के लिए करते हैं।

संघ प्रमुख ने स्पष्ट रूप से कहा कि हिंदू धर्म में कोई भी ऊंचा या नीचा नहीं है, जाति का कोई महत्व नहीं है और यहां अस्पृश्यता का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने सभी से एक-दूसरे का सम्मान करने का आग्रह किया और कहा कि यदि सभी हिंदू एकजुट होते हैं, तो इसका लाभ पूरे विश्व को मिलेगा।

पूर्व आरक्षक सौरभ के करीबी शरद से ईडी ने की जेल में पूछताछ

▸ कार से 54 किलो सोना, 10 करोड़ नकद और करोड़ों के लेनदेन का मामला

▸ अब सौरभ व चेतन से होगी पूछताछ, न्यायिक हिरासत में हैं तीनों आरोपित

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा व उसके करीबियों के यहां 93 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति मिलने के मामले में ईडी ने बुधवार से पूछताछ प्रारंभ कर दी है। ईडी के तीन अफसरों ने भोपाल सेंट्रल जेल में सौरभ के करीबी शरद जायसवाल से छह घंटे पूछताछ की। माना जा रहा है कि सौरभ की संपत्ति, कारोबार व नेता-अफसरों से रिश्ते की शरद को जानकारी रहती थी। शरद के बाद ईडी सौरभ से भी पूछताछ करेगी। सौरभ के अन्य नजदीकी चेतन सिंह गौर से एजेंसी अपने कार्यालय में पहले ही पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ में आए तथ्यों के सत्यापन के लिए तीनों को साथ बैठाकर भी पूछताछ की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि रिमांड पूरा होने पर लोकायुक्त पुलिस ने चार फरवरी को तीनों आरोपितों को भोपाल में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष न्यायालय में प्रस्तुत किया था। कोर्ट ने तीनों को 17 फरवरी तक लिए जेल भेज दिया है।

उल्लेखनीय है कि लोकायुक्त पुलिस ने 18 दिसंबर को सौरभ व चेतन के घर छापा मारा था। उसके अगले दिन भोपाल के मेंडोरी गांव में खड़ी कार में आयकर विभाग की टीम ने 54 किलो सोना, 10 करोड़ रुपये नकद और करोड़ों रुपये के लेनदेन के दस्तावेज जब्त किए थे।

अनुशासनात्मक जांच में सिर्फ संभावनाओं की अधिकता दिखाने की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

▸ कहा, इसके विपरीत आपराधिक मामलों में आरोप संदेह से परे साबित करना जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकारी नियोक्ताओं को दोषी कर्मी को बर्खास्त करने के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान कदाचार साबित करने के लिए सिर्फ संभावनाओं की अधिकता दिखाने की जरूरत है जो आपराधिक मुकदमों से कम कठोर पैमाना है। आपराधिक मुकदमों में आरोपों को संदेह से परे साबित करना होता है।

जस्टिस जेके माहेश्वरी व संदीप मेहता की पीठ ने चार फरवरी के आदेश में कलकत्ता हाई कोर्ट के मार्च, 2012 के फैसले को रद कर दिया, जिसमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पूर्व सहायक अभियंता प्रदीप कुमार बनर्जी की बर्खास्तगी के आदेश को पलट दिया गया था। शीर्ष अदालत ने प्रदीप की बर्खास्तगी को बरकरार रखा। जस्टिस मेहता द्वारा लिखे 28 पेज के फैसले में कहा गया है, 'कानून का स्थापित सिद्धांत है कि आपराधिक मुकदमे में अभियोजन पक्ष पर मामले को संदेह से परे साबित करने का दायित्व होता है। हालांकि, अनुशासनात्मक जांच में विभाग पर सीमित दायित्व होता है और उसे संभावनाओं की अधिकता के सिद्धांत पर मामला साबित करना होता है।' यह फैसला सरकारी नियोक्ताओं के लिए अहम हथियार साबित हो सकता है, जो अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत कदाचार के दोषी कर्मियों को बर्खास्त कर सकते हैं, फिर चाहे संबंधित आपराधिक मामलों में उन्हें बरी ही क्यों न कर दिया गया हो। शीर्ष अदालत ने कहा, प्रदीप कुमार के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई न्यायोचित थी। साथ ही कहा, हाई कोर्ट ने आपराधिक मुकदमे और अनुशासनात्मक जांच के मानकों को समान मानने की गंभीर त्रुटि की। प्रदीप कुमार को ठेकेदार के प्रतिनिधि से रिश्वत लेने के आरोप में उनके सहकर्मी के साथ गिरफ्तार किया गया था। एक विशेष अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था और कनिष्ठ अभियंता को बरी कर दिया था। दोषी ठहराए जाने पर अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने प्रदीप कुमार को 13 जुलाई, 2000 को बर्खास्त कर दिया था। एक मार्च, 2012 को कलकत्ता हाई कोर्ट ने बर्खास्तगी के फैसला पलट दिया था, जिसके खिलाफ एएआइ ने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

दर्द का सफर

सऊदी अरब, कतर और इंग्लैंड में 12 वर्ष गुजार कर अमेरिका पहुंचे

अमेरिका से वापस भेजे गए भारतीयों के परिवार का दर्द सामने आया, डंकी रूट से अमेरिका जाने के लिए एजेंटों ने वसूल डाले लाखों रुपये

जासं, फतेहगढ़ चूड़ियां (गुरदासपुर)

जसपाल सिंह अमेरिका से डिपोर्ट होकर अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने एक माह पहले ही डंकी रूट से अमेरिका की यात्रा की थी। जसपाल ने दो वर्ष पूर्व 30 लाख रुपये खर्च कर एजेंट के जरिये इंग्लैंड की यात्रा की थी। वहां से वह डंकी रूट से अमेरिका पहुंचे, पर बुधवार को उन्हें वापस भेज दिया गया। जसपाल इससे पहले आठ वर्ष सऊदी अरब और चार वर्ष कतर में भी रह चुके हैं।

अमेरिका में बसने की चाह में लोग अवैध तरीके से विदेश जाने के लिए जिस मार्ग का उपयोग करते हैं, उसे डंकी रूट कहा जाता है। 'डंकी' शब्द पंजाबी भाषा के 'डुंकी' से लिया गया है, जिसका अर्थ एक स्थान से दूसरे स्थान पर कूदना होता है। 36 वर्षीय जसपाल सिंह के परिवार में पत्नी गुरप्रीत कौर, बेटा दिलप्रीत सिंह और बेटी अर्शदीप सिंह हैं। उनके पिता नरिंदर सिंह का कुछ समय पहले निधन हो चुका है।

मामले की जानकारी देती जसपाल सिंह की मां शिंदरकौर। पास खड़ा भतीजा जसबीर सिंह (इनसेट में जसपाल) जागरण

जसपाल परिवार के बेहतर भविष्य के लिए अमेरिका गए थे। जसपाल के चाचा के बेटे जसबीर सिंह ने बताया कि जसपाल के पास तीन एकड़ जमीन थी, जिसमें से दो एकड़ बेचकर वह इंग्लैंड गए थे। उनका उद्देश्य परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारना था, लेकिन उनके सारे सपने चूर हो गए। परिवार को मीडिया के माध्यम से ही पता चला कि जसपाल को डिपोर्ट कर दिया गया है। बुधवार शाम तक वह घर नहीं पहुंचे थे। मां शिंदर कौर बेटे के सही सलामत लौट आने पर परमात्मा का शुक्रिया अदा कर रही हैं।

जमीन बेची, जंगल में रहे अब वापस लौटे

अमेरिका से लौटे युवकों में से चार पटियाला के हैं। विदेश जाने की चाह में किसी ने जमीन बेची तो किसी ने लाखों का कर्ज लिया। पांच माह पूर्व शुरू हुए इस सफर में दो माह तक जंगलों में रातें बिताईं। पटियाला के गांव ऐहरू खुर्द के 22 वर्षीय अमृत सिंह ने अमेरिका जाने की जिद में पिता की सात एकड़ जमीन बिकवा दी। उनकी बड़ी बहन कनाडा में सेटल है, जिससे प्रेरित होकर अमृत ने डंकी रूट से अमेरिका का सफर तय किया। अमृत को बार्डर पार करते ही पुलिस ने पकड़ लिया।

एजेंट ने 45 लाख लिए, 28 बाद हो अमेरिका से डिपोर्ट

जालंधर कैंट के रहमानपुर के मरीन एन्क्लेव निवासी 22 वर्षीय पलवीर सिंह ने इस वर्ष सात जनवरी को नवांशहर के एक ट्रैवल एजेंट को 45 लाख रुपये देकर अवैध रूप से अमेरिका जाने का प्रयास किया था। मैक्सिको बार्डर पार करते ही उसे पकड़ लिया गया। तब से वह एक कैंप में था। पिता राजवंत सिंह ने बताया कि पलवीर ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। वह खेती में उनका सहयोग करता था। अमेरिका जाने की जिद को देखते हुए उन्होंने इमिग्रेशन कंसल्टेंट से संपर्क किया, जिसने 45 लाख रुपये में अमेरिका भेजने का वादा किया था।

अमेरिका जाने के लिए लाखों किए खर्च, लेकिन वापस आना पड़ा

पंजाब के कई लोग अमेरिका जाने की चाह में लाखों रुपये खर्च कर चुके हैं, पर उन्हें वापस लौटना पड़ा। इन लोगों ने 35 से 60 लाख रुपये तक खर्च किए थे, ज्यादातर ने एजेंटों के जरिये प्रयास किया। अमृतसर के सलेमपुरा गांव के दिलेर सिंह ने अमेरिका पहुंचने के लिए 60 लाख रुपये खर्च किए। अटारी के आकाशदीप सिंह और जालंधर के पलवीर ने भी लाखों रुपये खर्चे थे। कपूरथला के बहबल बहादुर गांव के गुरप्रीत ने मक्के की फसल से कमाई कर 35 लाख रुपये एजेंट को दिए थे। जालंधर के लांडरा गांव के दविंदरजीत ने पहले अफ्रीका की अवैध यात्रा की थी और अब अमेरिका से लौटाया गया। कपूरथला के डोगरावाल गांव के विक्रमजीत ने 50 लाख रुपये खर्च कर अमेरिका की सीमा में प्रवेश किया, लेकिन पकड़े जाने पर वापस भेज दिया गया।

छग के लौह अयस्क खदान में नक्सलियों का आइईडी ब्लास्ट

नईदुनिया न्यूज, नारायणपुर : छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर थाना अंतर्गत आमदई लौह अयस्क खदान के जीरो प्वाइंट में बुधवार सुबह लगभग 11 बजे नक्सलियों ने आइईडी में विस्फोट किया। इसकी चपेट में आकर एक मजदूर घायल हो गया। मजदूर को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया है। उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस और बम निरोधक दस्ता घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की हालिया कार्रवाई से नक्सली बौखलाए हुए हैं। हाल के दिनों में राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दर्जनों नक्सली मारे गए हैं। जान बचाने के लिए कई ने आत्मसमर्पण भी किया है। केंद्र सरकार ने नक्सलियों का समूल नाश होने तक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

****

त्रिवेणी में मोदी की डुबकी, शिखर पर सनातन धर्मध्वजा

प्रधानमंत्री ने गुप्त नवरात्र की अष्टमी के पुण्य काल में किया संगम में पुण्य स्नान

मां गंगा की भक्ति, सनातन की शक्ति व विश्व कल्याण की आसक्ति में डूबे दिखे

जितेंद्र शर्मा ● जागरण

महाकुंभ नगर : गेरुआ वस्त्र, गले व हाथ में रुद्राक्ष की माला और अंजुलि भर-भर सूर्य को अर्घ्य। पावन गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गंगा पूजन किया तो वह सनातन के धर्मध्वजा वाहक के रूप में ही दिखाई दिए। संगम की धारा में डुबकी के तो कुछ ही क्षण थे, लेकिन तीर्थराज में पीएम मोदी पूरे समय मां गंगा की भक्ति, सनातन की शक्ति और विश्व कल्याण की आसक्ति में डूबे दिखे।

संगम तट पर पुण्य स्नान करते देश के विभिन्न राज्यों व परंपराओं के श्रद्धालु और कुछ ही दूरी पर उनके सामने प्रधानमंत्री जब वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्नान-पूजन कर रहे थे तो जैसे यह दृश्य 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव को ही साकार कर रहा हो। प्रशासन ने भी घाटों पर ऐसी व्यवस्था कर रखी थी कि श्रद्धालुओं को स्नान में परेशानी न हो। स्नान के बाद प्रधानमंत्री ने अपने भावों को एक्स पर पोस्ट लिखकर व्यक्त भी किया- 'प्रयागराज में महाकुंभ में आकर धन्य हुआ। संगम पर स्नान दिव्य जुड़ाव का क्षण है और इसमें भाग लेने वाले करोड़ों अन्य लोगों की तरह मैं भी भक्ति की भावना से भर गया।'

> प्रयागराज के दिव्य-भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है। महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!
> -नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

> त्वमेव मूल प्रकृतिस्त्वं हि नारायण : प्रभु :। गङ्गे त्वं परमात्मा च शिवस्तुभ्यं नमो नम :।।
> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत की जीवन रेखा, अध्यात्म और संस्कृति की सनातन स्रोत मां गंगा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर समस्त देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।
> -योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर बुधवार को दोपहर 11 बजे प्रधानमंत्री विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक-सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मोटर बोट में बैठकर त्रिवेणी की धारा पर बनी जेटी पर आए। संगम में डुबकी लगाने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना की। जल धारा में उतरने से पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया, सूर्य को अर्घ्य दिया और फिर तर्पण भी किया। उनके गले और हाथ में रुद्राक्ष की माला थी, जिसका जाप वह स्नान के समय करते दिखाई दिए। संगम में पांच डुबकियां लगाने के बाद उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन किया। काले कुर्ते, भगवा पटके व हिमाचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। माथे पर त्रिपुंड लगाए प्रधानमंत्री संगम नोज की ओर मोटर बोट से गए। तट पर स्नान पर कर रहे लाखों श्रद्धालुओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। प्रयागराज में लगभग दो घंटे तक रहे प्रधानमंत्री भक्ति भाव में तो थे ही, उनकी भाव-भंगिमा भी कुछ गंभीर थी। उन्होंने अपना कार्यक्रम इस तरह रखा कि आम श्रद्धालुओं को उनकी वजह से कोई भी परेशानी न हो। प्रशासन ने भी पूर्व के वीआइपी दौरों से सबक लेते हुए किलाघाट से संगम तक ऐसी व्यवस्था कर रखी थी कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

महाकुंभ के दौरान बुधवार को त्रिवेणी के तट पर पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

महाकुंभ में चमकी हिमाचली टोपी

जागरण संवाददाता, मंडी

▸ महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार बुलचश्म कुल्लू बार्डर डिजाइन की टोपी पहनकर की पूजा

दुनियाभर के आकर्षण का केंद्र बने प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार को हिमाचली टोपी भी चमकी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करने और पूजा के दौरान हिमाचली टोपी पहने दिखे। उन्होंने चार बुलचश्म कुल्लू बार्डर डिजाइन की टोपी पहनी थी। इससे उनका हिमाचल व हिमाचली उत्पादों के प्रति प्रेम झलका। प्रधानमंत्री हिमाचल के उत्पादों को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए ब्रांड अंबेसडर की भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

हिमाचली टोपी अलग-अलग रंग व डिजाइन की होती है। इन्हें हाथ व खड्डी (हथकरघा) पर बनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने जो चार बुलचश्म कुल्लू बार्डर डिजाइन की टोपी पहनी थी, उसे बनाने में एक दिन लगता है। इसमें हरे रंग के फूल व शाल जैसा डिजाइन बनाया जाता है। । विशेष रंगों और धागों के कारण इस टोपी की कीमत 10 से 15 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को कांगड़ा पेंटिंग और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज को करनाल (पारंपरिक वाद्ययंत्र) की जोड़ी भेंट की थी। साथ ही शाल व चंबा रुमाल भी सम्मेलन में उन्होंने कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भेंट किए थे। **तीन प्रकार की होती हैं टोपियां :** हिमाचल प्रदेश में तीन प्रकार की टोपियां होती हैं। इनमें कुल्लवी टोपी के बार्डर पर कढ़ाई की जाती है और डिजाइन बनाए जाते हैं। दूसरी है बुशैहरी टोपी। यह लाल और हरे रंग की होती है। इसके सामने वाले हिस्से पर मखमल का कपड़ा लगाया जाता है। इस पर डिजाइन अधिक नहीं होता है। तीसरी मलाणी टोपी होती है लेकिन इसका चलन अधिक नहीं है। इसे मलाणा के लोग बनाते हैं।

महाकुंभ में प्रधानमंत्री हिमाचली टोपी पहने हुए। सौजन्य : मोदी जी के एक्स एकाउंट से।

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में हिमाचली टोपी पहनकर प्रदेश के हथकरघा का मान बढ़ाया है। जो टोपी उन्होंने पहनी थी, उस पर चार बुलचश्म कुल्लू बार्डर डिजाइन है। हमारी चार पीढ़ियां इसी तरह के डिजाइन बनाती हैं। प्रधानमंत्री का हिमाचली लगाव हिमाचली उत्पादों के लिए वरदान है।
> – नरोत्तम राम, हथकरघा क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

महाकुंभ पहुंचीं साइना नेहवाल, कहा– अद्वितीय स्वरूप

‹‹ परमार्थ निकेतन शिविर में आयोजित कल्चर महाकुंभ में दीप प्रज्वलित करती सायना नेहवाल, स्वामी चिदानंद, साध्वी भगवती सरस्वती। सौ आयोजक

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

ओलिंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल बुधवार को पिता हरवीर सिंह नेहवाल के साथ महाकुंभ पहुंचीं। परमार्थ निकेतन शिविर में उन्होंने स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनिजी से आशीर्वाद लिया और वहां कल्चर महाकुंभ में भागीदारी की। कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति का अद्वितीय स्वरूप देख रहा है।

मेले के लिए सरकार के प्रबंध की प्रशंसा करते हुए साइना ने युवाओं को प्रेरित किया कि मेहनत ही उनका मेडिटेशन है। युवा स्वयं अपने दोस्त बनें, स्वयं का परीक्षण करें। कहा कि करोड़ों लोगों को एक जगह एकत्रित करना अद्भुत है। यह त्योहार है। मेरा सौभाग्य है कि मैं यहां आई। मुझे खुशी है कि सबने एक साथ एकजुट होकर दिखा दिया कि भारत की शक्ति क्या है? आस्था देखकर मैं मंत्रमुग्ध हूं। मैं त्रिवेणी संगम से यह प्रार्थना करूंगी कि भारत और आगे बढ़े।

मोदी सनातन धर्म के प्रति समर्पित, हादसे पर राजनीति अनुचित : रवींद्र

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी। जागरण

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष बोले- मक्का में भी भगदड़ से होती हैं मौतें, लेकिन मुद्दा नहीं बनता

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूसरे व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्राचीन मंदिरों की चिंता की, उनका जीर्णोद्धार करवाकर नया स्वरूप प्रदान कराया। वह सनातन धर्म की संस्कृति के प्रति समर्पित हैं। यही कारण है कि महाकुंभ के आरंभ और अंतिम दौर में संगम में स्नान करने आए। उन्होंने बुधवार को सादगी से स्नान किया। श्रद्धालुओं को समस्या न हो, उसके लिए मेला क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया।

श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा कि महाकुंभ के उत्कृष्ट आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्कृष्ट कार्य किया। संतों और श्रद्धालुओं को हर स्तर की सुविधा मुहैया कराने का प्रयास किया गया। मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ पीड़ादायक है, लेकिन श्रद्धालुओं की मृत्यु पर राजनीति अनुचित है। यह कष्टकारी है कि नेता श्रद्धालुओं की मृत्यु को राजनीति के चश्मे से देख रहे हैं। मक्का में भी भगदड़ होने पर सैकड़ों लोगों की मृत्यु होती है, लोगों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह कभी मुद्दा नहीं बनता। यहां सरकार को घेरने के चक्कर में विश्व के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ पर प्रश्नचिह्न लगाया जा रहा है। इससे सनातन धर्मावलंबियों की भावना आहत हो रही है।

कर्नाटक के श्रीखंड और चंदन से की पूजा, गंगा को चढ़ाई राजस्थानी चुनरी

ज्ञानेंद्र सिंह, जागरण

▸ मध्य प्रदेश के अक्षत, असम की सुपारी, महाराष्ट्र के सिंदूर, गुजरात की हल्दी से पीएम ने की पूजा

▸ महोबा का देशावरी पान, तमिलनाडु का नारियल चढ़ाया, नीलगिरि वुड चिप्स से बने कपूर से की आरती

महाकुंभ नगर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संगम पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना तो की ही, पूजा सामग्री में भी देश की एकता और अखंडता का संदेश निहित था। उन्होंने पूजा में कर्नाटक के श्रीखंड व रक्त चंदन का प्रयोग किया तो मां गंगा को राजस्थानी विशेष चुनरी चढ़ाई। श्रीखंड सफेद तो रक्त लाल चंदन होता है। पूजा में असम से मंगाई गई छोटी सुपारी और उत्तर प्रदेश के महोबा का देशावरी पान चढ़ाया।

महोबा के देशावरी पान को अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान पूजा के थाल में रखकर भगवान के श्रीचरणों में अर्पित किया गया था, जिसे अब जीआइ टैग भी मिल चुका है। शास्त्रों में सुपारी को देवताओं का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि सुपारी में देवताओं का वास होता है। कोई भी पूजा-पाठ या अनुष्ठान शुरू करने के पहले पूजा की सुपारी को पान के ऊपर विराजमान किया जाता है। संगम पर प्रधानमंत्री ने असम की सुपारी रखकर देवताओं का आह्वान किया। पूजा में चढ़ाने के लिए तमिलनाडु से नारियल मंगाया गया। मध्य प्रदेश के बालाघाट के सुगंधा चावल का अक्षत था। महाराष्ट्र का सिंदूर और गुजरात से मंगाई गई हल्दी देवी-देवताओं के चरणों में रखी गई। तमिलनाडु के नीलगिरि पर्वत के वुड चिप्स से बने कपूर से आरती की। प्रयागराज के कीडगंज से मंगाए गए दूध से अभिषेक किया। वाराणसी और मीरजापुर से बेला, गेंदा गुलाब, गुड़हल, कनैल के फूल मंगाए गए थे। धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत में देवी-देवताओं के प्रति भक्ति की प्रतीक रोली को गाजियाबाद की कंपनी से मंगाया गया। पूजा-पाठ में रोली दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करती है। जलाभिषेक के लिए तांबे की लुटिया पंजाब के अमृतसर से मंगाई गई थी। वहां ठठेरा समुदाय तांबे के बर्तन बनाने की पारंपरिक कला के लिए प्रसिद्ध हैं, इसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में भी शामिल किया गया है। अनुष्ठान से पूर्व मौजूद तीर्थ पुरोहित पं. राजेश कुमार ने प्रधानमंत्री का टीका लगाकर अभिनंदन किया। पुरोहित पं. गिरजेश मिश्र, पं.अभिषेक शुक्ल व पं.आलोक तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कराया।

राष्ट्रीय फलक

संभल में जिसे अमृत सरोवर बना रहे थे, वह निकला शंख माधव तीर्थ

जागरण संवाददाता, संभल

▸ संभल प्रशासन अब तक 41 तीर्थ और सभी 19 मंदिर खोज चुका

▸ कई थे विलुप्त होने के कगार पर, अब सुंदरीकरण करने की तैयारी

जिस तालाब को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जा रहा था, वह शंख माधव तीर्थ निकला। बुधवार को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डा. मणिभूषण तिवारी ने बताया कि तीर्थ की जानकारी इतिहास की पुस्तकों से मिली है। अमृत सरोवर के लिए मिले 38 लाख रुपये से कुंड में लाल पत्थर से सीढ़ियां बनाई जाएंगी।

बाहर भी प्रकाश, फर्श और बैठने की व्यवस्था कराई जाएगी। चामुंडा मंदिर के सामने स्थित इस तालाब को अभी तक आम माना जाता था। इसे सरोवर का दर्जा देने के लिए 2022 में बजट जारी किया गया था। संभल के 68 तीर्थ और 19 कूप में से प्रशासन 41 तीर्थ और सभी 19 कूप तलाश कर चुका है। इनमें कई विलुप्त होने के कगार पर थे।

पालिका प्रशासन के अनुसार पुस्तक शंभल दर्शन के अनुसार शंख माधव तीर्थ का दूसरा नाम श्वेत माधव तीर्थ है। इस कुंड में स्नान करने से मनुष्य धनी होता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए शंख का दान करना चाहिए। मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तती व पंचमी को स्नान होता है। यह चामुंडा मंदिर से पूर्व की ओर स्थित है।

तेजी से चल रहा बावड़ी ढकने का काम : चंदौसी में बावड़ी की खोदाई का काम बंद होने के बाद अब उसे बरसात से बचाने के लिए वाटरप्रूफ टेंट से ढकने का काम तेजी से चल रहा है। इसके लिए बांस-बल्लियों से चार सौ वर्गमीटर क्षेत्र में ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसमें आधा दर्जन से अधिक बरेली के कारीगर लगे हैं। 21 दिसंबर, 2024 को एक शिकायत पर डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया ने खाली प्लाट की खोदाई शुरू कराई थी। उसमें भूमिगत दो मंजिला बावड़ी मिली है।

रजपुरा में निकला शिवलिंग, पूजा करने को उमड़ी भीड़ : गांव मकसूदनपुर के पास महावा नदी किनारे मंगलवार को जमीन से पानी निकलने लगा। लोग पहुंचे तो वहां पत्थर दिखा। यह शिवलिंग की तरह था। इसके बाद यहां पूजा करने वालों की भीड़ लग गई।

संभल के शंख माधव तीर्थ पर इस तरह बनाई जाएंगी सीढ़ियां। सौ. नगरपालिका

सीओ के खिलाफ घायल के पिता ने कोर्ट की ली शरण

जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में गोली लगने से घायल शहर के आलम के पिता यामीन ने सीजेएम कोर्ट में सीओ अनुज चौधरी व 15-20 अन्य पुलिसकर्मियों पर गोली चलाने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना-पत्र दिया था। कोर्ट ने इस मामले में 17 फरवरी तक पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यामीन का कहना है कि बेटा दैनिक कार्य से बाजार गया था। वहां पुलिस की गोली से घायल हुआ है। अभी उसका उपचार कराया जा रहा है।

चार धाम यात्रा के लिए अगले हफ्ते से शुरू होंगे आनलाइन पंजीकरण

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश

▸ धामों में दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों के 60 प्रतिशत आनलाइन और 40 प्रतिशत आफलाइन रजिस्ट्रेशन होंगे

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए आनलाइन पंजीकरण अगले हफ्ते से शुरू हो जाएंगे। प्रतिदिन जाने वाले कुल यात्रियों के 60 प्रतिशत आनलाइन और 40 प्रतिशत आफलाइन पंजीकरण किए जाएंगे। आफलाइन पंजीकरण यात्रा शुरू होने के 10 दिन पहले शुरू किए जाएंगे। धामों में प्रतिदिन दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या का निर्धारण नये सिरे से किया जाएगा। धामों में भीड़ बढ़ने पर हरिद्वार से लेकर यात्रा रूट पर अलग-अलग स्थानों होल्डिंग प्वाइंट बनाये जाएंगे। यात्रियों को ऐसे स्थानों पर रोका जाएगा जहां रहने, खाने की सुविधा होगी। चारधाम यात्रा की शुरुआत अक्षय तृतीया पर्व पर यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ होती है। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर इन दोनों धामों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। खास बात यह है कि धामों में यात्रा के शुरूआती एक माह में वीआइपी प्रोटोकाल के अनुसार किसी को भी दर्शन नहीं कराए जाएंगे।

ऋषिकेश में मंडलायुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में बुधवार को चारधाम यात्रा से जुड़े सात जिलों के अधिकारियों और तीर्थपुरोहितों की बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। तय किया गया कि इस बार की यात्रा में आनलाइन और आफलाइन पंजीकरण के अनुसार ही व्यवस्था होगी। मंडलायुक्त ने कहा कि सहमति के आधार पर अगले सप्ताह से आनलाइन पंजीकरण खोल दिए जाएंगे। इससे यात्रा शुरू होने से पहले यह अंदाजा भी लग जाएगा कि कितने तीर्थयात्री इस बार धामों में आ रहे हैं। बता दें कि गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया से खुलेंगे।

दंतेवाड़ा में मुखबिरी के संदेह में हत्या

नईदुनिया न्यूज, दंतेवाड़ा: बस्तर संभाग में पंचायत चुनाव के पहले ग्रामीणों में भय पैदा करने के लिए नक्सलियों की कायराना करतूत जारी है। गत दो दिनों में तीन ग्रामीणों की हत्या की गई है। ताजा मामला दंतेवाड़ा के अरनपुर थाना क्षेत्र के ककाड़ी गांव का है, जहां मंगलवार की रात नक्सलियों ने ग्रामीण हेमला हडमा की मुखबिर बताकर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार 10-12 सशस्त्र नक्सली हेमला के घर पहुंचे उसे निकालकर हाथ-पैर बांध दिया और मुखबिरी का आरोप लगाते हुए बेदम पिटाई की। इसके बाद धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इससे पहले सोमवार की रात नक्सलियों ने बीजापुर के तर्रेम इलाके में दो ग्रामीणों की हत्या की थी।

उधर, कांकेर की अंतागढ़ पुलिस ने 15 दिसंबर 2024 को हेटारकसा के पास सुरक्षा बलों पर हुए आईईडी हमले में शामिल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

टीटीडी के 18 कर्मियों पर गैर हिंदू परंपराएं अपनाने पर होगी कार्रवाई

▸ मंदिर व उससे जुड़े संस्थानों में काम कर रहे इन कर्मियों का तबादला

तिरुपति, आइएएनएस : तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपने 18 कर्मचारियों को गैर हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों को अपनाने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला लिया है। श्री वेंकटेश्वरा मंदिर की व्यवस्था देखने वाले टीटीडी के कुछ ही हफ्ते पहले बने नए अध्यक्ष बीआर नायडु ने घोषणा की है कि सरकार नियंत्रित प्राधिकरण से संचालित मंदिर में केवल हिंदुओं को काम करना चाहिए। इसलिए मंदिर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कार्यरत छह शिक्षकों समेत गैर हिंदू धार्मिक परंपराओं का पालन करने वाले टीटीडी कर्मचारियों का तबादला किया जा रहा है। इन्हें अब मंदिर से जुड़े किसी संस्थान में कार्य करने नहीं दिया जाएगा।

बताया जाता है कि गैर हिंदू परंपराओं को मानने और उनका पालन करने वाले इन कर्मचारियों में डिप्टी एक्जीक्यूटिव अफसर (वेलफेयर), एसिस्टेंट एक्जीक्यूटिव अफसर, एसिस्टेंट टेक्नीकल अफसर (इलेक्ट्रिकल), हास्टल कर्मी, दो इलेक्ट्रिशियन व दो नर्सें शामिल हैं जिनका तबादला कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि टीटीडी के तहत अब किसी भी तिरुमाला मंदिर में काम नहीं कर सकेंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि इस तरह से अगर किसी और मंदिर परिसर में ऐसे कर्मचारी हैं तो उन्हें वहां से तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। टीटीडी के प्रतिबद्ध कर्मचारियों को हर हाल में मंदिर की शुद्धता और हिंदू धर्म के नियमों का पालन करना होगा। इस बीच, तेदेपा नेता और आंध्र के मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडु के बेटे नारा लोकेश ने कहा कि तिरुपति मंदिर बोर्ड में किसी गैर हिंदू के काम करने को प्रतिबंधित करने को लेकर कोई दोराय हो ही नहीं सकती है। आंध्र सरकार के सत्तारूढ़ दल का भी यह स्टैंड है।

इटली से लौटे जम्मू-कश्मीर के यात्रियों के पास मिले 10 किलो सोने के सिक्के

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इटली से लौटे जम्मू-कश्मीर के दो यात्रियों की तलाशी के दौरान 10 किलो सोने के सिक्के बरामद हुए हैं। इन सिक्कों की कीमत कस्टम अधिकारियों ने 7.8 करोड़ रुपये आंकी है। मामले की छानबीन जारी है।

कस्टम अधिकारी ने बताया कि दोनों यात्री एअर इंडिया के विमान से बुधवार को इटली के मिलान से दिल्ली लौटे थे। दोनों जब ग्रीन चैनल पार करने की कोशिश कर रहे थे, तब उनके हावभाव को देखकर संदेह हुआ। जब तलाशी ली गई तो आरोपितों के सामान की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद इनकी व्यक्तिगत तलाशी लेने का निर्णय अधिकारियों ने लिया। इसी दौरान अधिकारियों ने पाया कि उन्होंने अपनी कमर में जो बेल्ट बांधी है, उसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इसके बाद तलाशी में बेल्ट में छिपाकर रखे गये सोने का पता चला।

झारखंड में डेढ़ किलोमीटर तक गिट्टी पर दौड़ी ट्रेन

शक्ति सिंह ● जागरण

▸ रांची-सासाराम इंटरसिटी बेपटरी होने से बची, धूल से भरे कोच

रांची : झारखंड में बुधवार को रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। रांची से पिस्का स्टेशन के बीच करीब डेढ़ किलोमीटर तक बेतरतीब तरीके से पटरी पर गिट्टी पड़े होने से यह हादसा हुआ। शाम को जब ट्रेन एमिटी यूनिवर्सिटी के पास से गुजर रही थी, पहिये के संपर्क में आकर गिट्टी छिटकने लगी। इससे कुछ समय के लिए ऐसा लगा मानो, ट्रेन का संतुलन बिगड़ने ही वाला है और वह कभी भी बेपटरी हो जाएगी। इस दौरान कोच धूल से भर गए, वहीं घर्षण के कारण पहियों से चिंगारी निकलने लगी। इस पूरी अवधि में ट्रेन में सफर कर रहे लगभग 1200 यात्रियों की जान सांसत में पड़ी रही। लगभग डेढ़ किलोमीटर तक ऐसे ही चला। इसके बाद जैसे ही लोको पायलट को कुछ गड़बड़ी की आशंका हुई, उसने ब्रेक लगाई। चालक दल के सदस्यों ने स्थिति का जायजा लिया। यह सुनिश्चित होने पर कि ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ है तो मानकों का मूल्यांकन करने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इधर, रांची रेल मंडल के सीनियर डीसीएम निशांत कुमार के अनुसार ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। पूरे सेक्शन में गिट्टी डालने का काम चल रहा है।

****

बिहार में बहू के अस्पताल खर्च का नहीं हो सका इंतजाम, सास ने दी जान

34 हजार रुपये बना था अस्पताल का बिल, छह हजार ही कर पाई थी जमा

13 दिन पहले अस्पताल में गर्भवती बहू को कराया था भर्ती

पानी में पड़े शव को देखने के लिए लगी भीड़। जागरण

जागरण संवाददाता, पारू (मुजफ्फरपुर)

बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के देवरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी परमानंदपुर गांव की 60 वर्षीय वीणा देवी बहू अंजलि के उपचार के बाद अस्पताल संचालक को भुगतान करने के लिए पैसे का इंतजाम नहीं कर पाई। परेशान होकर उन्होंने बड़े गड्ढे में जमा पानी में डूबकर आत्महत्या कर ली। अंजलि अभी अस्पताल में ही है।

पारू थानाध्यक्ष राम विनय कुमार ने बताया कि वीणा देवी ने बहू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सा में अस्पताल के खर्च का भुगतान करने के लिए कहीं से कर्ज नहीं मिला। प्रथमदृष्टया इससे परेशान होकर आत्महत्या करने का मामला प्रतीत हो रहा है। बताते हैं कि डुमरी परमानंदपुर गांव निवासी दिवंगत राम एकबाल दास की पत्नी वीणा देवी ने 13 दिन पूर्व पहली बार गर्भवती बहू अंजलि को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। उस वक्त उनके पास मात्र 50 रुपये ही थे। उन्होंने अस्पताल संचालक के पास 50 रुपये जमाकर चिकित्सा शुरू करने की मिन्नत की। डाक्टर ने अंजलि का आपरेशन कर बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला।

30 जनवरी को पुंछ जिले के गुलपुर सेक्टर से आतंकियों ने भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने का प्रयास किया था, लेकिन जवानों ने दो को मार गिराया था

पुंछ में फिर घुसपैठ का बड़ा प्रयास विफल, दो आतंकी मारे गए, तीन वापस भागे

पाकिस्तान की तरफ से एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर में हुआ दुस्साहस

सेना के जवानों ने अन्य आतंकियों की तलाश में शुरु किया अभियान

जागरण संवाददाता, राजौरी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की तरफ से एक सप्ताह में दूसरी बार आतंकियों के घुसपैठ के प्रयास को भारतीय सेना ने विफल कर दिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट और मुठभेड़ में दो आतंकियों के मारे जाने व तीन अन्य के वापस भागने की सूचना है, हालांकि सेना की तरफ से अभी तक कोई बयान जारी नहीं हुआ है। फिलहाल, सेना ने पूरे क्षेत्र को घेरकर सघन तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात सेना के जवानों ने एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर में संदिग्ध हरकत देखी। कुछ देर बाद जवानों ने आतंकियों को देखते ही उन्हें हथियार डालने को कहा, लेकिन आतंकी भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान सीमा पर बिछाई गई बारूदी सुरंग के ऊपर आतंकियों का पांव पड़ गया और जोरदार धमाके के साथ विस्फोट हो गया। इसके बाद आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाल कर जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि इसमें दो आतंकी मारे गए हैं, लेकिन अभी तक न तो कोई हथियार बरामद हुआ है और ही किसी आतंकी का शव। सूत्रों का कहना है कि चार से पांच आतंकी भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने का प्रयास कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि 30 जनवरी को भी पुंछ के गुलपुर सेक्टर से आतंकियों ने भारतीय क्षेत्र में दाखिल होने का प्रयास किया था, जिसे सेना के जवानों ने विफल करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया था। मारे गए आतंकियों ने भारी मात्रा में गोलाबारूद भी बरामद हुआ था।

उड़ी में देवदार के पेड़ के तने में छिपाए थे हथियार, बरामद : सुरक्षाबलों ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे उड़ी सेक्टर में तलाशी अभियान में हथियार बरामद किए। यह हथियार पेड़ के खोखले तने में छिपाए गए थे। बताया जा रहा है कि यह साजो सामान कुछ दिन पहले एलओसी पार से कश्मीर में सक्रिय आतंकियों के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को अपने तंत्र से पता चला था कि कश्मीर में सक्रिय आतंकियों के लिए गुलाम जम्मू कश्मीर में बैठे आतंकी सरगनाओं ने हथियारों की एक खेप भेजी है। इसके बाद पुलिस और सेना के एक संयुक्त कार्यदल ने तलाशी अभियान चलाया। आंगनपथरी जंगल में तलाशी लेते हुए जवानों को देवदार के पेड़ के खोखले तने में कुछ अजीब सा महसूस हुआ। जवानों ने तने की जांच की तो उसमें कंबल में लिपटी तीन एसाल्ट राइफलें, 11 मैगजीन, 292 कारतूस, अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर (यूबीजीएल) व उसके तीन ग्रेनेड व दो हथगोले मिले। सुरक्षाबलों ने हथियारों की खेप को अपने कब्जे में ले लिया है।

आतंकी फंडिंग में कश्मीर में दो व्यापारियों के ठिकानों पर मारे छापे

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर की जांच एजेंसी (एसआइए) ने आतंकी फंडिंग और नशे व आतंक के गठजोड़ के एक मामले में बुधवार को कश्मीर घाटी में दो व्यापारियों के घर व कार्यालय की तलाशी ली। इस दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन जांच एजेंसी ने लगभग 55 हजार की नकदी के अलावा कुछ मोबाइल फोन, सिमकार्ड, वित्तीय लेन-देन के दस्तावेज और चेकबुक जब्त की है। बुधवार सुबह एसआइए की टीम ने श्रीनगर में पांपोश कालोनी स्थित कार डीलर मंजूर अहमद खान के घर की तलाशी ली। मंजूर खान के खिलाफ लगभग दो वर्ष पहले एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा एसआइए ने बड्गाम के ठोकरपोरा में एक स्थानीय कारोबारी जावेद अहमद राथर के घर और कार्यालय की तलाशी ली।

पटरी से उतरी मालगाड़ी, रेलवे यार्ड की दीवार तोड़ दो डिब्बे सड़क पर आए

जागरण संवाददाता, राउरकेला (ओडिशा)

- राउरकेला में सुबह 6.30 हुई दुर्घटना में सड़क पर खड़े वाहन डिब्बों की चपेट में आए
- चालक व लोको शंटर के बीच संपर्क नहीं होने से घटी घटना

राउरकेला रेलवे माल गोदाम यार्ड से शंटिंग के दौरान मालगाड़ी के पांच रैक बुधवार की सुबह बेपटरी हो गए। इनमें से दो रैक रेलवे की चाहरदीवारी को तोड़ते हुए माल गोदाम रोड पर आ गए। इसकी चपेट में आने से सड़क पर खड़े तीन आटो, एक कार व तीन ट्राली क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में कोई आहत नहीं हुआ। सीनियर डीसीएम, चक्रधरपुर, (दक्षिण-पूर्व रेलवे) आदित्य चौधरी के अनुसार प्रथम दृष्ट्या वाकी-टाकी में खराबी आ जाने के कारण सहायक चालक और लोको शंटर के बीच संपर्क नहीं होने से यह घटना घटी। मामले की विस्तृत जांच चल रही है। मालगाड़ी के रैक के सड़क पर आ जाने से बसंती कालोनी व रेलवे कालोनी से रेलवे फाटक होते हुए मेन रोड जाने वाले मार्ग पर आवागमन लगभग तीन-चार घंटे ठप रहा।

मरम्मत के काम में जुटे रेल कर्मी।

30 घंटे बाद डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर पर बहाल हुआ ट्रेनों का संचालन

जागरण संवाददाता, फतेहपुर : डेडीकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) पर मंगलवार तड़के 4:11 बजे खड़ी मालगाड़ी में पीछे से दूसरी मालगाड़ी की टक्कर होने के 30 घंटे बाद मालगाड़ियों का संचालन शुरू किया जा सका। बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे डाउन लाइन की ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) और सुबह 8:30 बजे अप ट्रैक की ओएचई चालू की गई। उसके बाद फतेहपुर से कानपुर की ओर अप ट्रैक पर पहली मालगाड़ी सुबह 10:35 बजे निकाली गई। मंगलवार को हुए हादसे में एक मालगाड़ी के दोनों इंजन, खड़ी मालगाड़ी का गार्ड वैगन व कोयला लदे वैगन क्षतिग्रस्त हो गए थे। अधिकारियों ने अप ट्रैक दुरुस्त करने के बाद पर बुधवार सुबह 10:35 बजे पहली मालगाड़ी काशन के साथ निकाली। अधिकारियों ने कहा, टक्कर के बाद दोनों ट्रैक पर मालगाड़ियों का संचालन रोक दिया गया था। अप ट्रैक पर खड़ी दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ियों को हटाने तथा मलबा उठाने के लिए क्रेन और दूसरी मशीनरी को डाउन ट्रैक पर खड़ा किया गया है।

आरजी कर मामला : नौ फरवरी को बेटी के जन्मदिन पर लोग सड़क पर उतरें

पीड़िता के स्वजन का आग्रह

- कहा-हमारी बेटी के लिए न्याय में देरी के विरोध में दीये जलाएं
- बेटी को फूल पसंद थे, घरों और कार्यस्थलों पर फूल का पौधा लगाएं

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बंगाल के आरजी कर मेडिकल कालेज और अस्पताल में हत्या व दुष्कर्म की शिकार हुई मृत महिला डाक्टर के माता-पिता ने बुधवार को लोगों से नौ फरवरी को उसके 32वें जन्मदिन पर न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर उतरने का आग्रह किया है। एक वीडियो बयान में पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि वह तब तक लड़ते रहेंगे जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता।

पीड़िता की मां ने कहा कि जब वह एमबीबीएस कर रही थी, तब उसका जन्मदिन मेडिकल कालेज में मनाया जाता था। स्नातक होने के बाद उसका जन्मदिन उसके कार्यस्थल, नर्सिंग होम और चैंबर में मनाया जाता था। फिर जब एमडी करने का मौका मिला, तो उसका जन्मदिन मेडिकल कालेज और अस्पताल में मनाया जाता था। इस साल, वह हमारे साथ नहीं है। हम सरकारी और निजी दोनों तरह के अस्पतालों में काम करने वाले सभी लोगों से अनुरोध करेंगे कि वे हमारी बेटी के लिए न्याय में देरी के विरोध में दीये जलाएं। मेरी बेटी को फूल बहुत पसंद थे इसलिए मैं लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अपने घरों और कार्यस्थलों पर एक फूल का पौधा लगाएं।

मालूम हो कि कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच सीबीआइ द्वारा की गई। 20 जनवरी को कोलकाता की अदालत ने मामले में दोषी संजय राय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पीड़िता के माता-पिता ने दावा किया कि जांच आधे-अधूरे मन से की गई और अपराध में शामिल कई अन्य दोषियों को बचाया गया।

दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता रेल मार्ग पर 'कवच' लगाने की समय सीमा बढ़ी

- कवच संस्करण 4.0 को लगाने की प्रक्रिया अब दिसंबर, 2025 तक हो जाएगी पूरी
- रेलवे ने स्वदेशी रूप से विकसित कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया है

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेलवे बोर्ड ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' लगाने की समय सीमा मार्च से बढ़ाकर दिसंबर 2025 कर दी है। बोर्ड द्वारा साझा किए गए बजट दस्तावेज के अनुसार, नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-कोलकाता के तीन हजार किलोमीटर मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 के लिए पटरी के किनारे उपकरण लगाने की प्रक्रिया दिसंबर, 2025 तक पूरी हो जाएगी।

रेल मंत्रालय ने पिछले साल सात अगस्त को कहा था कि इस मार्ग को कवच से लैस करने का कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। बजट दस्तावेज के अनुसार, भारतीय रेलवे ने 2020 में स्वदेशी रूप से विकसित कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया है। जुलाई 2024 में कवच संस्करण 4.0 के लिए स्वदेशी विकास विनिर्देश को मंजूरी दी गई थी। 10 हजार इंजन पर कवच लगाने का काम शुरू हो चुका है।

रेलवे के अनुसार, कवच एक जटिल

प्रौद्योगिकी है, जिसमें कई घटक शामिल हैं। जैसे कि पूरे रेलखंड पर लगाए जाने वाले आरएफआइडी टैग, पूरे सेक्शन में दूरसंचार टावर, पटरी के साथ आप्टिकल फाइबर केबल और प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच। सूत्रों ने कहा, कवच को लगाने का काम भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मिशन के आधार पर चल रहा है। कवच के नवीनतम संस्करण यानी 4.0 को जुलाई 2024 में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित किया गया था।

फ्रेट कारिडोर ने जनवरी में प्रतिदिन लगभग 391 ट्रेनों का किया संचालन

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेल मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) ने जनवरी माह के दौरान मालगाड़ी परिचालन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंत्रालय के अनुसार, 2025 के पहले महीने में डीएफसी ट्रैक पर प्रतिदिन औसतन कुल 391 ट्रेनें संचालित की गईं। कहा गया है कि जबकि ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (ईडीएफसी) ने प्रतिदिन लगभग 209 ट्रेनें चलाईं। वहीं वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) ने प्रति दिन 182 ट्रेनें चलाईं।

सीमा पर बांग्लादेशी बदमाशों ने बीएसएफ जवानों पर किया हमला

- भारत में घुसे बदमाशों को मंगलवार रात बीएसएफ ने खदेड़ा था
- बुधवार सुबह हथियारों से लैस बदमाशों ने जवानों पर बोला धावा

जागरण संवाददाता, किशनगंज: भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित गांव मलिकपुर के पास बांग्लादेशी बदमाशों ने बुधवार सुबह बीएसएफ के जवानों पर हमला कर दिया। इस घटना में एक जवान घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी बदमाश जख्मी हो गया जबकि उसके साथी भाग गए।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को कुछ बांग्लादेशी बदमाशों ने बाड़ के पास स्थित सीमांत गांव मलिकपुर में तस्करी व डकैती करने के इरादे से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की। गश्त कर रहे बीएसएफ जवानों ने उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया। बुधवार सुबह फिर हथियारों और लाठी डंडों से लैस बदमाशों का एक समूह सीमावर्ती क्षेत्र में घुस आया। जवानों ने उन्हें रोका तो उन्होंने हमला कर दिया। बदमाशों ने एक जवान का हथियार छीनने की कोशिश की। इस हाथापाई में जवान घायल हो गया। इसके बाद जवानों ने गोली चलाई तो सभी सीमा पार भाग गए। घटना के बाद सीमांत इलाके की तलाशी के दौरान एक बांग्लादेशी बदमाश घायल पाया गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मौके से धारदार हथियार, लाठियां और वायर कटर बरामद किए गए हैं। घायल बीएसएफ जवान का भी उपचार कराया जा रहा है।

उधर, बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश की 4,096 किमी लंबी सीमा पर तैनात क्षेत्रीय कमांडरों को सीमा पर 150 गज के भीतर बांग्लादेशियों की ओर से किए जा रहे अवैध निर्माण के मामलों में सख्त कार्रवाई करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, 2024 में सीमा पर 80 ऐसी घटनाएं दर्ज की गईं। भारत-बांग्लादेश सीमा बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, असम और मिजोरम में फैली हुई है। उत्तर बंगाल फ्रंटियर, जो कि इस सीमा के 932 किमी की रक्षा करता है, ने क्षेत्र में अवैध गतिविधियां बढ़ने की सूचना दी है।

बिलासपुर में हनुमान चालीसा बजाने पर पुजारी को धमकी, हिंदू संगठन नाराज

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित कोनी हनुमान मंदिर में लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाने पर मंदिर सेवक को धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आटो चालक इशहाक खान ने मंदिर पहुंच कर पुजारी को हनुमान चालीसा का पाठ बंद करने की धमकी दी। कहा, ऐसा नहीं करने पर लाउडस्पीकर उतार कर फेंक देगा। जब पुजारी के साथ हिंदू संगठन के लोग उसे समझाने की कोशिश कर रहे थे तो उसने यहां तक कहा कि हिंदू बनने का शौक है तो अयोध्या चले जाओ। 27 जनवरी को आइटीआइ परिसर स्थित हनुमान मंदिर में हुई इस घटना की पुलिस से शिकायत की गई, पर इशहाक पर कड़ी कार्रवाई नहीं किए जाने से हिंदू संगठन नाराज हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी नहीं कर हल्की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई ही की है, जबकि सीसीटीवी में उसकी धमकी रिकार्ड है। हिंदू संगठन से जुड़े धनंजय गोस्वामी ने कहा, यदि इशहाक की गिरफ्तारी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

27 वर्ष की नौकरी में 38 लाख वेतन मिला, संपत्ति बनाई 8.36 करोड़ की

नईदुनिया प्रतिनिधि, शिवपुरी

- मप्र में शिक्षक के यहां ईओडब्ल्यू की छापेमारी में राजफाश
- आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज, जांच शुरू

27 वर्ष के सेवाकाल में जिस शिक्षक ने वेतन के रूप में महज 38 लाख रुपये प्राप्त किए, उसके पास 8.36 करोड़ से अधिक की चल-अचल संपत्ति पकड़ी गई है। ईओडब्ल्यू ने शिक्षक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले का है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने बुधवार सुबह भौंती में प्राथमिक सहायक शिक्षक के निवास पर छापा मारा। टीम ने वहां बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन के साथ ही घर में मिले जमीन संबंधी दस्तावेज की जांच की और प्रकरण दर्ज किया। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में 65 हजार मासिक वेतन पाने वाला शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया 1998 से नौकरी में हैं। उनके पास कुल 8,36,32,340 रुपये की चल-अचल संपत्ति मिली है, जबकि उन्होंने अपने सेवाकाल में वेतन के रूप में लगभग 38.04 लाख रुपये प्राप्त किए। भू अधिकार पुस्तिका 44 व 12 बैंक खाता की पासबुक प्राप्त हुई हैं।

जांच में पता चला है कि मूलतः भिंड के रहने वाले सुरेश सिंह वर्ग तीन के शासकीय शिक्षक होने के साथ ही अन्य व्यवसाय से भी जुड़े रहे हैं। कुछ समय पहले तक वह एक शासकीय उचित मूल्य की दुकान का संचालन भी कर चुके हैं, साथ ही जमीनों के धंधे से भी जुड़े रहे हैं। कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री केपी सिंह के नजदीकी माने जाते हैं। ईओडब्ल्यू को जिन संपत्ति की जानकारी मिली है, उनमें कई दुकानें, भवन, 4.71 लाख रुपये नकद, 371 ग्राम सोना, दो किलो 826 ग्राम चांदी, ट्रक, स्कार्पियो आदि शामिल हैं।

परीक्षा में हिजाब मामले में बैठक करेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु, आइएएनएस : कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार राज्य में दसवीं की छात्राओं को हिजाब पहनने की अनुमति देने के संबंध में एक बैठक करेगी। इस बैठक में विचार किया जाएगा कि दसवीं की छात्राओं को परीक्षा में हिजाब पहनकर बैठने की इजाजत दी जाए या नहीं। इसके बाद प्रदेश सरकार इस संबंध में अपने रुख की जानकारी सुप्रीम कोर्ट को देगी।

कर्नाटक सरकार के गृह मंत्री जी.परमेश्वरा ने बुधवार को बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई बैठक नहीं हुई है, लेकिन जल्द एक बैठक होगी। सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन हिजाब पहनने की अनुमति के मामले पर परमेश्वरा ने कहा कि वह इस संबंध में कोई फैसला नहीं ले रहे हैं, बल्कि सर्वोच्च अदालत को मौजूदा स्थिति और सरकार का रुख स्पष्ट करेंगे। कांग्रेस नीत राज्य सरकार इस मामले में हरेक कदम सोच-समझकर रखना चाहती है क्योंकि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में हिजाब पहनने की अनुमति नहीं देने की खबर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बन गई थीं।

देश में जन्मे तीन शावकों सहित पांच चीते कूनो नेशनल पार्क से खुले जंगल में छोड़े गए

नईदुनिया प्रतिनिधि, श्योपुर

- शावकों के साथ मां आशा और एक अन्य मादा चीता धीरा को छोड़ा गया
- दो नर चीते अग्नि और वायु करीब दो माह से घूम रहे हैं खुले जंगल में

कूनो नेशनल पार्क में चीतों की पुनर्स्थापना के इतिहास में बुधवार को नया अध्याय जुड़ा। भारत में जन्म लेने वाले तीन शावकों को बाड़े से मुक्त कर जंगल में छोड़ दिया गया। तीनों शावकों की मां आशा और एक अन्य मादा चीता धीरा को भी छोड़ा गया है। शावकों की उम्र एक वर्ष से अधिक है। अब कूनो के जंगल में चार वयस्क चीते और तीन शावक विचरण कर रहे हैं। नर चीते अग्नि और वायु को दो महीने पहले जंगल में छोड़ा गया था।

17 सितंबर, 2022 को आठ चीते नामीबिया से लाने के बाद से सभी को इसका इंतजार था कि भारत में जन्म लेने वाले चीते खुले में घूमते नजर आएं। प्रोजेक्ट की शुरुआत के बाद शावकों को पहली बार जंगल में छोड़ा गया है। आशा और तीनों शावकों की निगरानी के लिए दो टीमें तैनात की गई हैं। संभावना है कि पर्यटकों को चीते जंगल में एक साथ दिखाई दें। इससे पहले प्रबंधन आधा दर्जन चीतों को बारी-बारी जंगल में छोड़ चुका है।

श्योपुर में बुधवार को कूनो नेशनल पार्क में चीते को खुले जंगल में छोड़े जाने के दौरान सीएम मोहन यादव। एएनआइ

चीता प्रोजेक्ट	अब तक की स्थिति
17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए चीते	आठ
18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते	12
कुल 20 चीतों में वर्तमान में जीवित	12
भारत की धरती पर जन्म लेने वालों में कुल जीवित शावक	14

यह हैं भारत की धरती पर जन्मे चीते

- ज्वाला की मादा शावक मुखी (उम्र लगभग एक साल 11 माह)
- आशा के तीन शावक (उम्र लगभग एक साल एक माह)
- ज्वाला के चार शावक (उम्र लगभग एक साल)
- गामिनी के चार शावक (उम्र लगभग 11 माह)
- वीरा के दो शावक (इसी माह जन्मे हैं)

जागरण विशेष

विदर्भ के किसानों को राह दिखा रही 'आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली'

मुजफ्फर हुसैन के प्रयास से विदर्भ की सूखाग्रस्त जमीन बनी उपजाऊ, कई फसलों की हो रही खेती

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

मुंबई: बदलते मौसम की मार पर तो किसी का वश नहीं चल सकता, लेकिन मौसम के साथ तालमेल बिठाकर तो चला ही जा सकता है। किसानों की सर्वाधिक आत्महत्या वाले महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्र विदर्भ में इसी फार्मूले पर चलने की शुरुआत कर चुके सैयद मुजफ्फर हुसैन महाराष्ट्र के किसानों का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। उनके 150 एकड़ खेतों में विदर्भ की परंपरागत फसलों से इतर मसालों एवं चुनिंदा फलों की खेती पूरी तरह से प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक तरीकों से की जा रही है।

महाराष्ट्र में दो बार विधान परिषद के सदस्य रहे सैयद मुजफ्फर हुसैन पेशे से भवननिर्माता हैं, लेकिन महाराष्ट्र के किसानों की आत्महत्याओं के समाचार उन्हें लगातार परेशान करते रहते थे। इसलिए उन्होंने कुछ दशक पहले नागपुर से 50 किमी. दूर रामटेक के छात्रापुर गांव में धीरे-धीरे 150 एकड़ ऊबड़-खाबड़ भूमि खरीदी और उसे अपनी 'प्रयोगभूमि' बनाया। नागपुर संतरों के लिए जाना जाता है, वहीं विदर्भ के किसान कपास, सोयाबीन जैसी फसलों की खेती करते हैं। परंतु मौसम की मार से ऐसी एकल फसलें उन्हें अक्सर मुश्किल में डाल देती हैं।

मुजफ्फर हुसैन ने इसका हल निकालने के लिए कम लागत में आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली विकसित करने का निर्णय लिया, जिससे पूरे साल कुछ न कुछ आमदनी होती रहे और किसानों को भी इसका लाभ हो।

पहले सुधारी मिट्टी की सेहत: मुजफ्फर हुसैन ने इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च के सेवानिवृत हुए वैज्ञानिक एम.एन. वेणुगोपाल की मदद लेनी शुरू की। वेणुगोपाल की विशेषज्ञता मसालों की खेती में है। मुजफ्फर हुसैन बताते हैं कि वेणुगोपाल उनके खेत पर आए और मिट्टी की जांच कर खेत की सेहत का अनुमान लगाया ताकि सही फसलें उगाई जा सकें।

हमने रासायनिक खाद का प्रयोग न करने का निर्णय लिया। खेत को सुधारने के लिए गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, बेसन और छाछ से तैयार होने वाले 'जीवन अमृत', 'घन जीवन अमृत' एवं 'गौकृपा अमृत' जैसी जैविक खादों का प्रयोग शुरू किया। खाद बनाने के लिए गोबर एवं गोमूत्र की व्यवस्था की गई। इससे जमीन की उत्पादकता में वृद्धि हुई और अच्छी पैदावार होने लगी।

छात्रापुर गांव में मुजफ्फर हुसैन अपने खेत में फसल का निरीक्षण करते हुए • स्वयं

फल और मसालों के साथ 50 तरह के बांस भी उगा रहे

मिट्टी की सेहत सही कर यहां अदरक, काली अदरक, दालचीनी, तेजपत्ता, काजू, हल्दी, इमली, शरीफा, मौसंबी, केला और कई प्रकार के बांस की खेती शुरू की गई। मुजफ्फर हुसैन बताते हैं कि भारत में 150 किस्म के बांस पाए जाते हैं। उनमें से 50 तरह के बांस उनके खेतों में उपलब्ध हैं। मछली पकड़ने वाली छड़ी से लेकर ओलंपिक के भालों में लगने वाले बांस तक शामिल हैं। खेत में पानी की समस्या दूर करने के लिए यहां बने तीन तालाबों को आपस में जोड़ने के साथ ड्रिप इरीगेशन की व्यवस्था की गई है। जैविक खाद बनाने के लिए दर्जन भर गाय भी पाली हैं। इससे बंजर दिखने वाला खेत आंखों को सुकून देने वाली हरियाली से भर गया है, अलग-अलग मौसम में होने वाले कई फलों से भी आच्छादित रहता है। उनका यह प्रयोग अब उन किसानों के लिए आकर्षण और प्रेरणा का केंद्र बन चुका है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

धोखाधड़ी केस में राजस्थान के पूर्व मंत्री के विरुद्ध होगी सीबीआइ जांच

जागरण संवाददाता, उदयपुर

- माइनिंग कारोबारी से रिश्तेदारों के नाम खरीदवाए थे शेयर

राजस्थान के पूर्व राजस्व मंत्री कांग्रेस नेता रामलाल जाट के खिलाफ पांच करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में सीबीआइ जांच के आदेश दिए गए हैं। जोधपुर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति फरजंद अली ने यह आदेश दिए। इसके पहले 17 सितंबर 2022 को भीलवाड़ा जिले के करेड़ा थाने में धोखाधड़ी और चोरी के आरोप में रामलाल जाट समेत पांच लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी।

मामला राजसमंद के माइनिंग व्यवसायी परमेश्वर जोशी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि रामलाल जाट ने उनके रिश्तेदारों के नाम पर ग्रेनाइट माइंस के 50 प्रतिशत शेयर खरीदवा दिए थे। जाट ने इसके बदले पांच करोड़ रुपये देने का वादा किया था, लेकिन दस्तावेज ट्रांसफर होने के बावजूद पैसे नहीं दिए। पुलिस से मदद न मिलने पर परमेश्वर ने कोर्ट का सहारा लिया। इस मामले में सीबीआइ जांच की मांग की गई थी। परमेश्वर का कहना था कि इसमें प्रभावशाली लोग शामिल हैं। जांच के बाद कोर्ट ने सीबीआइ जांच के आदेश दिए हैं।

रामलाल जाट। फाइल

****

दैनिक जागरण
अच्छा विचार व्यवहार में आकर ही उपयोगी बनता है

जाति गिनने पर जोर

पटना पहुंचे राहुल गांधी ने जातिगत गणना पर जोर देते हुए जिस तरह यह कहा कि बिना इसके दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का विकास नहीं होगा, वह इसलिए परेशान करने वाला है, क्योंकि यदि ऐसा है तो फिर जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते जातिवार गणना क्यों नहीं हुई? क्या राहुल गांधी यह कहना चाहते हैं कि कांग्रेस के शासनकाल में जातिगत गणना न कराकर दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को विकास से जानबूझकर वंचित किया गया? क्या इस तथ्य से मुंह मोड़ना सही होगा कि स्वतंत्रता के बाद जातिगत गणना न होने के बाद भी इन वर्गों का न केवल उल्लेखनीय विकास हुआ है, बल्कि जातीय विभाजन भी कम हुआ है। राहुल गांधी जातिगत गणना की जिद पकड़ने के साथ जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी पर भी जोर दे रहे हैं। आखिर वंचितों, पिछड़ों के उत्थान और कल्याण के कार्यक्रम उनकी सामाजिक-आर्थिक हैसियत देखकर चलाए जाने चाहिए या फिर उनकी संख्या के हिसाब से? यह ठीक नहीं कि राहुल गांधी जातिगत गणना की मांग करते हुए जातीय वैमनस्य पैदा करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह कोशिश उसी खतरे को रेखांकित करती है, जिसके उभरने की आशंका है। खतरा केवल इसका नहीं है कि जातिगत गणना के आंकड़ों के सहारे जातियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश हो सकती है। खतरा इसका भी है कि जातिवादी राजनीति को नए सिरे से बल मिल सकता है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अतीत में किस तरह कुछ राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से चुनिंदा जातियों को गोलबंद करके राजनीति करते रहे हैं, भले ही इसके नतीजे में समाज में जातीय वैमनस्य बढ़ा हो। देश में कई राजनीतिक दल तो ऐसे हैं, जो जाति विशेष की राजनीति करते हैं। इससे इन्कार नहीं कि जातिगत गणना से यह पता चलेगा कि विभिन्न जाति समूहों की कितनी संख्या है, लेकिन यह माहौल बनाना ठीक नहीं कि देश की समस्त समस्याओं के समाधान की कुंजी जाति गिनने में ही है। यह माहौल तो भारतीय समाज में उस विभेदकारी जाति व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा, जिसे टूटना चाहिए और जो हाल के दशकों में एक बड़ी हद तक टूटी भी है। अच्छा होता कि बिहार यात्रा पर गए राहुल गांधी इससे अवगत होते कि एक समय इस राज्य में जातीय हिंसा किस तरह चरम पर थी। राहुल गांधी की मानें तो शासन तंत्र के साथ निजी क्षेत्र में सभी जातियों के समुचित प्रतिनिधित्व के अभाव-असंतुलन का कारण जातिगत जनगणना न होना है। अच्छा होता कि वह यह बताते कि यह अभाव अथवा असंतुलन जाति गिनने से कैसे दूर हो जाएगा? राहुल गांधी यह कहते हैं कि अमुक-अमुक क्षेत्रों में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की हिस्सेदारी कम है, लेकिन क्या कांग्रेस के प्रकोष्ठों में उनकी समुचित भागीदारी है?

शिक्षा की गुणवत्ता

किसी प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक ही न हो तो उस विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता का सहज अनुमान लगाया जा सकता है, लेकिन जब हाई कोर्ट के संज्ञान के बाद भी स्पष्ट कार्रवाई न की जाए तो इससे शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर संदेह पैदा होता है। ऐसे में उच्च न्यायालय की यह चिंता उचित है कि प्रधानाचार्यों और सहायक अध्यापकों की अनुपलब्धता के कारण छात्र परेशान हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के बीच कई बैठकों के बावजूद कोई निर्णय नहीं लिया गया। उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में बांदा के अतर्रा स्थित विद्यालय में ढाई वर्ष से प्रधानाध्यापक व दो सहायक शिक्षकों के रिक्त चल रहे पदों को लेकर है, जिस पर शिक्षा अधिकारियों की अनदेखी के बाद विद्यालय प्रबंधन समिति ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की है। बांदा के विद्यालय का प्रकरण संदर्भ भर है, वास्तविकता यह है कि प्रदेश में अनेक ऐसे विद्यालय हैं, जहां निर्धारित अनुपात में शिक्षक नहीं हैं। यह इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा प्राप्त है और किसी भी स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा अनिवार्यता भी है। शिक्षकों की कमी एक समस्या है, लेकिन इस पर लंबे समय तक ध्यान न दिया जाना अधिकारियों की लापरवाही है। यह शिक्षा की गुणवत्ता से भी समझौता है, जिस पर अविलंब ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे में हमें उच्च न्यायालय की ही एक संबंधित टिप्पणी को भी संज्ञान में लेना चाहिए जिसमें अदालत ने कहा था कि यदि शीर्ष अधिकारी भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाएंगे तो इनमें पढ़ाई व्यवस्था बदल सकती है।

> शिक्षकों की कमी एक समस्या है और इस पर ध्यान न दिया जाना अधिकारियों की लापरवाही है

राजनीति की बिगड़ती तस्वीर

डा. एके वर्मा

यदि राजनीति में धन कुबेरों और अपराधियों का बोलबाला बढ़ रहा है तो इस स्थिति को बदलेगा कौन?

अवधेश राजपूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ समय से राजनीति में युवाओं को लाने की आवश्यकता को रेखांकित कर रहे हैं। गत वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से अपने संबोधन में उन्होंने एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में आने का आह्वान किया था, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। इसी 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस पर उन्होंने देश का भविष्य संवारने हेतु युवाओं को राजनीति में आने का पुनः आह्वान किया। इसका कारण क्या है? स्वतंत्रता के बाद देश की राजनीतिक संस्कृति में ऐसी गिरावट आई कि लोग राजनीति को अवांछित तत्वों की शरणस्थली समझने लगे। अच्छे लोगों ने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली, जिससे अपराधी और अति धनाढ्य लोग राजनीतिक परिदृश्य पर हावी होते गए। इसका पता इससे चलता है कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाग्य आजमा रहे उम्मीदवारों में से 132 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लोकसभा की वेबसाइट के अनुसार 46 प्रतिशत सांसद आपराधिक मुकदमों में लिप्त हैं। इसकी कल्पना संविधान बनाने वालों ने की थी? क्या जनता को ऐसे जनप्रतिनिधियों से कोई उम्मीद हो सकती है? इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो जनता का लोकतंत्र से विश्वास हट सकता है।

लोकतांत्रिक राजनीतिक-व्यवस्था में सामंतवादी सामाजिक व्यवस्था एक विरोधाभास है। संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने इसे संवैधानिक नैतिकता के विरुद्ध बताया था। आज कुछ नेता जो संविधान की प्रति लहराते हैं, वे सामंतवादी दलीय-व्यवस्था जीते हैं। वे परिवारवाद से ग्रस्त हैं और अपने दल एवं सरकार का नेतृत्व परिवार के अलावा किसी और को देना नहीं चाहते। परिणामस्वरूप, पार्टियों में नए नेतृत्व, नई ऊर्जा का समावेश नहीं हो पा रहा है। अधिकतर दलों में सामंतवादी नेतृत्व है, जो अपने-अपने दलों को 'कारपोरेट प्रतिष्ठानों' के 'सीईओ' की तरह चलाते हैं। इससे राजनीतिक दलों में दूसरी पंक्ति के प्रभावशाली नेताओं का अभाव हो गया है। सामूहिक नेतृत्व की अवधारणा खत्म होती जा रही है।

यदि लोगों का राजनीति के प्रति दृष्टिकोण नहीं सुधरा, राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना नहीं हुई, अच्छे नागरिकों का राजनीति में प्रवेश नहीं हुआ और नेताओं की नई पौध में अच्छे लोग नहीं आए तो फिर लोकतांत्रिक राजनीति के भविष्य पर सवाल उठेंगे। आखिर राजनीति के प्रति लोगों का दृष्टिकोण कैसे बदले? राजनीतिक दलों का चरित्र कैसे बदले? नेताओं की फसल कैसे बदले? ये ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर देश को गंभीरता से विचार करना चाहिए। ये प्रश्न न केवल वर्तमान समाज, अपितु भावी-पीढ़ी और देश के भविष्य से भी जुड़े हैं। इन प्रश्नों के उत्तर हमें स्वयं तलाशने होंगे कि क्यों हम राजनीति को बुरा समझते हैं?

राजनीति के दो प्रमुख उद्देश्य होते हैं। एक समाज की सुरक्षा एवं उसमें संघर्षों का समाधान और दूसरा लोककल्याण एवं विकास। यदि किसी समाज को इन लक्ष्यों को हासिल करना है तो उसे सुविचारित, बौद्धिक और जनहितकारी निर्णय लेने होंगे। क्या ऐसे निर्णय धनाढ्य और दागी जनप्रतिनिधियों द्वारा लिए जा सकते हैं? इसके लिए तो समाज के सर्वश्रेष्ठ लोग चाहिए, लेकिन ऐसे लोग 'नौकरी' को लक्ष्य बना लेते हैं और निर्णयन के सर्वोच्च स्तर अर्थात राजनीतिक निर्णयन के उत्तरदायित्व से बचते हैं। बचपन से ही उनके मन में रच-बस जाता है कि राजनीति बुरी है व यह उनके लिए नहीं है।

राजनीतिक दल तो लोकतंत्र के संवाहक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष लोकतांत्रिक राजनीति के दो पहिये हैं। वे हमेशा रहेंगे, अलग रहेंगे, फिर भी एक-दूसरे से जुड़े रहेंगे। अगर दलीय-पहिये खराब हो गए तो लोकतांत्रिक राजनीति की रेलगाड़ी चलेगी कैसे? राजनीतिक दलों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु मजबूत संगठन, स्पष्ट विचारधारा, योग्य नेतृत्व और लोकतांत्रिक-संस्कृति जरूर है। इनके अभाव में योग्य और श्रेष्ठ युवा राजनीतिक दलों में नहीं आते। फलतः दलों का चारित्रिक ह्रास होता है। उनमें नव-ऊर्जा का संचार नहीं होता। स्वस्थ और बौद्धिक विमर्श, जनाकांक्षा और जनहित के अनुरूप नीति-निर्धारण तथा दलीय-प्रदर्शन की निष्पक्ष समीक्षा नहीं होती। दल के सदस्य अपने नेतृत्व के उचित-अनुचित पर स्वतंत्र प्रतिक्रिया से बचते हैं और अपने नेता, दल और लोकतंत्र को क्षति पहुंचाते हैं। ऐसे में परिवारवादी और जातिवादी पार्टियों को अस्मितामूलक, संकुचित एवं बहिर्वेशी राजनीति छोड़कर विचारधारामूलक, समावेशी एवं आंतरिक-दलीय लोकतंत्र पर आधारित राजनीति की ओर अग्रसर होना चाहिए।

यदि राजनीति में धन कुबेरों और अपराधियों का बोलबाला है तो उसे बदलेगा कौन? क्या देश की राजनीति में आमजन का कोई स्थान बचेगा? पंचायत से लेकर संसद तक एकसमान दृश्य है। कभी नेताओं के निर्माण के दो प्रमुख स्थल हुआ करते थे-छात्रसंघ और विभिन्न सामाजिक आंदोलन। समय के साथ ये दोनों मंच अप्रासंगिक होते गए। छात्रसंघ एक तरह से उपद्रव संघ बन गए और उनकी प्रासंगिकता एवं गंभीरता समाप्त हो गई। सामाजिक आंदोलनों से उपजे नेताओं ने क्षुद्र राजनीति कर अपनी जनस्वीकार्यता समाप्त कर दी। सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों के नेता अपने जीवनकाल में ही अप्रासंगिक हो गए। हाल में अन्ना हजारे अप्रासंगिक हो गए, लेकिन राजनीति को शुचितापूर्ण बनाए रखने के प्रयास की प्रासंगिकता आज और अधिक बढ़ गई है।

ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गैर-राजनीतिक परिवेश वाले युवाओं को राजनीति से जोड़ने का आह्वान महत्वपूर्ण है। पार्टियां तो अपना प्रयास करेंगी ही, लेकिन शैक्षणिक संस्थानों को भी इसमें पहल करनी चाहिए। राजनीति से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू किए जाएं, जो न केवल नई पीढ़ी से नेतृत्व तैयार करें, बल्कि राजनीति से जुड़ने वाले युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए द्वार भी खोलें।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं सेंटर फार द स्टडी आफ सोसायटी एंड पालिटिक्स के निदेशक हैं)
response@jagran.com

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से खिलवाड़ रुके

प्रो. रसाल सिंह

अगर उच्च शिक्षा को बचाना है तो संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर भारतीय उच्च शिक्षा सेवा शुरू की जानी चाहिए

यूजीसी के नए ड्राफ्ट रेगुलेशन पर उठते सवाल। फाइल

पिछले दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार की उपस्थिति में ड्राफ्ट रेगुलेशन-2025 जारी किया। यह उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मियों की नियुक्ति एवं प्रोन्नति संबंधी न्यूनतम अर्हता सुनिश्चित करने और उनकी सेवा शर्तों, शिक्षण एवं शोध कार्यभार, पेशेवर आचार-संहिता आदि से संबंधित है। इस मसौदे पर प्रतिक्रिया के लिए शिक्षकों, शैक्षणिक प्रशासकों और छात्रों आदि हितधारकों को एक माह की समयसीमा दी गई है। देश में अभी तक रेगुलेशन-2018 को ही लागू करने की कवायद जारी है। इसलिए यह अवसर यूजीसी रेगुलेशन-2018 की विसंगतियों को दुरुस्त करने का था। उच्च शिक्षा क्षेत्र में दूरगामी दृष्टि और नीतिगत निरंतरता अत्यंत आवश्यक है। रेगुलेशन-2018 की विसंगतियों/समस्याओं पर विचार करने और उनका समाधान करने के लिए कई साल पहले एक समिति बनाई गई थी, लेकिन आज तक उस दिशा में कोई प्रगति न होना निराशाजनक है।

उक्त मसौदे में प्रतिभाओं के संरक्षण और प्रोत्साहन का दावा तो है, लेकिन उसका कोई विश्वसनीय रोडमैप नहीं दिखता। ड्राफ्ट रेगुलेशन में शिक्षकों की नियुक्ति में स्नातक और स्नातकोत्तर के विषय की महत्ता घटाते हुए पीएचडी वाले विषयों में नियुक्ति की छूट दी गई है। यह निर्णय अकादमिक जगत में अराजकता बढ़ाएगा। यह विषय विशेष से पढ़े हुए अभ्यर्थियों को अन्य विषय में शिक्षक बनने का रास्ता खोलेगा। चार वर्षीय स्नातक करने वाले छात्रों को भी कालेजों/विश्वविद्यालयों में शिक्षक बनने का अवसर देने से भी अकादमिक गुणवत्ता घटेगी।

रेगुलेशन-2018 में विश्वविद्यालय में शिक्षक बनने के लिए पीएचडी की अनिवार्यता का प्रविधान किया गया था, क्योंकि ऐसे शिक्षकों को अध्यापन से अधिक शोध-कार्य करना होता है। अब पुस्तक के अध्यायों को शोध-पत्रों के समकक्ष दर्जा दे दिया गया है। यह चिंताजनक है। अभ्यर्थी की विभिन्न अकादमिक परीक्षाओं के अकादमिक परिणाम, शोध-कार्य और प्रकाशन आदि को महत्व देने और साक्षात्कार की भूमिका सीमित करने के संबंध में भी कोई पारदर्शी, वस्तुपरक और न्यायसंगत नीति नहीं बनाई गई है। चयन समिति केंद्रित नियुक्ति-प्रक्रिया को तो तोड़ा-मरोड़ा जाता रहा है। अभ्यर्थी की अकादमिक उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हुए अस्पष्ट और अमूर्त मानकों के आधार पर उसके मूल्यांकन का अधिकार चयन समिति को दिया गया है। अकादमिक उपलब्धियों संबंधी वस्तुपरक एवं सुपरिभाषित मानदंडों के स्थान पर नियुक्ति-प्रक्रिया को चयन समिति केंद्रित बना दिया गया है। प्रकाशन की गुणवत्ता के निर्धारण से लेकर अंतिम चयन तक वही सर्वशक्तिमान होगी।

अकादमिक दुनिया जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद और परिवारवाद से ग्रस्त है। संपर्कों-संबंधों और लेन-देन के अभाव में योग्यतम अभ्यर्थी अनदेखी के शिकार होते हैं। यह स्थिति बदलनी होगी। अगर उच्च शिक्षा को बचाना है तो संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर भारतीय उच्च शिक्षा सेवा शुरू की जानी चाहिए। केंद्रीय अनुदान प्राप्त सभी संस्थानों को इसके दायरे में लाया जाना चाहिए। इन सभी संस्थानों से रिक्तियों का विवरण मांगकर साल में एक बार विज्ञापन आना चाहिए और एक साथ लिखित परीक्षा और साक्षात्कार होना चाहिए। नियुक्ति में 50 प्रतिशत अधिभार लिखित परीक्षा, 30 प्रतिशत अधिभार समस्त अकादमिक उपलब्धियों और 20 प्रतिशत अधिभार साक्षात्कार को दिया जाना चाहिए। सफल अभ्यर्थियों को मेरिट सूची में उनके स्थान, कालेज/विश्वविद्यालय को दी गई वरीयता और उसके स्थायी निवास-स्थान आदि के समेकित अधिभार के आधार पर नियुक्ति दी जानी चाहिए। सत्र के बीच में कोई रिक्ति आने पर प्रतीक्षा सूची में से नियुक्ति की जानी चाहिए। यूजीसी से अनुदान प्राप्त सभी कालेजों के प्राचार्यों और सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति की नियुक्ति-प्रक्रिया को भी केंद्रीकृत करने की आवश्यकता है। इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय के प्रविधानों का भी अनुपालन किया जाए।

ड्राफ्ट रेगुलेशन में कुलपति के रूप में शिक्षाविदों के अलावा उद्यमियों, प्रशासन/पुलिस/सेना के अधिकारियों, कंपनियों के प्रबंधकों आदि को चुनने की भी गुंजाइश है। इनके बजाय अकादमिक प्रशासन में अनुभवी संस्थान-निर्माताओं को ही कुलपति के रूप में चुना जाना चाहिए। संस्थान को विकसित करने वाले दृष्टिसंपन्न कुलपतियों के लिए भी कार्य-समीक्षा के आधार पर दूसरे कार्यकाल का प्रविधान किया जाना चाहिए। उच्च शिक्षा क्षेत्र में तीन आयाम (वर्टिकल) बनाए जाने चाहिए-अध्यापन/शिक्षण, शोध/अनुसंधान और अकादमिक प्रशासन। शिक्षकों को करियर प्रारंभ करते ही प्रतिभा, योग्यता और अभिरुचि के आधार पर धीरे-धीरे इन तीन में से एक में प्रशिक्षित और विकसित किया जाना चाहिए। हमारे देश में अकादमिक प्रशासन को अत्यधिक हल्के में लिया जाता है और किसी भी आचार्य को प्राचार्य या कुलपति बनाने की रवायत है, जबकि अकादमिक प्रशासन अत्यंत चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। यह विशेषज्ञता, अनुभव और प्रशिक्षण की मांग करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के घोषित लक्ष्य के अनुरूप अगर भारत में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के शिक्षण संस्थान विकसित करने हैं तो इस दिशा में दूरदर्शी नीति-निर्माण करना होगा।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कालेज में प्राचार्य हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

सच्ची पूंजी

बल तीन प्रकार के होते हैं-शारीरिक, मानसिक और आत्मिक बल। इन तीनों प्रकार के बलों में समृद्ध व्यक्ति उत्साह से भरा होता है, जिससे वह जीवन में कोई भी अनुष्ठान साध सकता है। श्रम किए बिना शारीरिक बल प्राप्त नहीं किया जा सकता। आज जब हम अपने अधिकांश कार्यों के लिए मशीनों पर निर्भर हैं, तब नियमित व्यायाम, दैनिक जीवन के छोटे-छोटे काम स्वयं करना शरीर को सक्रिय रखने के लिए आवश्यक हैं।

अच्छे विचारों से, अच्छे साहित्य से, कर्म में एकाग्रता से, सफल व्यक्तियों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने से, ध्यान-साधना करने से, नियमित रूप से छोटे-छोटे संकल्पों को सिद्ध करने से मानसिक बल में वृद्धि होती है। आत्मिक बल के लिए अपने भीतर गुरुत्व का होना आवश्यक है। यदि कथनी और करनी में भेद रहेगा तो आत्मिक बल का कोटर सदा रिक्त रहेगा। अनीतिपूर्ण आचरण और असत्य वचन, ये सब आत्मिक बल को क्षीण करते हैं। काया से स्वस्थ होने पर भी ऐसा व्यक्ति स्वयं मलिनता में धंसा हुआ अनुभव करता है।

वस्तुतः, ये तीनों ही बल एक दूसरे के पूरक हैं। स्वास्थ्य-शरीर, मन और आत्मा के पूर्ण एकीकरण का परिणाम है। आत्मा को ग्रसने वाली वस्तु शरीर और मन को खोखला करने लगती है। शरीर को हानि पहुंचने से मन और आत्मा को ऊर्जावान रखना कठिन होने लगता है। अंदर से उपजने वाले रोग प्रायः मन में पड़ी ग्रंथियों का परिणाम होते हैं। एक बल दूसरे बलों को नकारात्मक रूप में प्रभावित करता है तो सकारात्मक रूप में भी प्रभावित कर सकता है। शरीर से निर्बल होने पर मानसिक बल बढ़ा लेने वाले व्यक्ति आत्मिक बल में संपन्नता की ओर अग्रसर होते हैं। स्वयं को स्वस्थ रखना ब्रह्मांड के प्रति आभार व्यक्त करने का सबसे सरलतम उपाय है। ईश्वरीय कार्यों के लिए हमारा चयन हो जाए तो इससे बड़ी जीवन में कोई सफलता नहीं।

ट्विंकल तोमर सिंह

केंद्र की पहल से समृद्ध होगी हल्दी

डा. रमेश ठाकुर

राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का गठन देश में हल्दी उत्पादन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा

हल्दी की आवश्यकता केवल सब्जी में उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि औषधियों एवं परंपरागत रीति-रिवाजों में भी इसका उपयोग किया जाता है। हल्दी की खेती आधुनिक तकनीकों से हो एवं इसकी कीमतें अधिक हों, इस प्रकार की मांग किसानों की ओर से लंबे समय से की जाती रही है। लिहाजा भारत में हल्दी की खेती को और पंख लगें, उत्पादक में वृद्धि हो, इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह एक ऐतिहासिक निर्णय लेकर 'राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड' की स्थापना को हरी झंडी दिखाई है। भारत की जीडीपी में संपूर्ण कृषि क्षेत्र का जितना योगदान रहता है, उसमें हल्दी की भूमिका अग्रणी होती है।

हल्दी पर वैज्ञानिक शोध का बड़ा हब तेलंगाना के निजामाबाद में बन रहा है। हल्दी आयोग भी वहीं स्थापित होगा। वैसे हल्दी की समृद्धि के लिए यह निर्णय बहुत पहले लिया जाना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो हल्दी उत्पादन की दृष्टि से भारत केवल दक्षिण के राज्यों पर ही निर्भर नहीं रहता, बल्कि पूरे देश में इसका विस्तार हो चुका होता। वस्तुतः हल्दी उत्पादन में आधुनिक शोध की आवश्यकता बहुत पहले से महसूस हो रही है। आयोग अब नई-नई प्रजातियों की खोज करेगा। बदलती परिस्थितियों में हम अब इस सच्चाई से भलीभांति परिचित होते जा रहे हैं कि कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए हमारे पास असीम संभवानाएं हैं।

इस मामले में सबसे अच्छी बात यह हुई है कि हल्दी के किसानों की मांग को जब पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड' बनाकर पूरा किया। देखा जाए तो भारतीय हल्दी का बड़े वैश्विक बाजार पर बीते कई दशकों से एकाधिकार है। यह कब्जा भविष्य में भी कायम रहे, इसके लिए केंद्रीय स्तर पर नई रणनीति बनी है। वैश्विक मांग को देखते हुए अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देश भी हल्दी के उत्पादन को तेजी से बढ़ाने में जुटे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों से इन देशों ने भी हल्दी का निर्यात अफ्रीकी देशों में थोड़ा बहुत करना आरंभ किया है। ऐसे में हल्दी व्यवसाय पर केंद्र सरकार इसलिए भी ज्यादा फोकस कर रही है, क्योंकि हल्दी का जितना विस्तार होगा, उतना ही विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा।

मोटे तौर पर देखा जाए तो भारत में सालाना करीब 165 लाख टन हल्दी का उत्पादन होता है। अब इस क्षेत्र में गठित किए जा रहे 'राष्ट्रीय हल्दी आयोग' के बाद और बढ़ोतरी होने की उम्मीद जगी है। कृषि विज्ञानियों को भी हल्दी अनुसंधान के लिए नए रिसर्च प्रोजेक्ट दिए गए हैं।

अधिक गुणवत्तायुक्त हल्दी की खेती कैसे की जाए, खाद एवं कीटनाशकों का प्रयोग किसान कैसे हो, इन सबके लिए भी नई रिसर्च पर विज्ञानी जोर देंगे। आयोग की कोशिश रहेगी कि भारत में हल्दी का अधिक से अधिक उत्पादन हो, ताकि अन्य देशों को इसे निर्यात किया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मेलबाक्स

गलत परंपरा को बढ़ावा

'राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ावा' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में राजीव सचान ने हत्या और दंगों के गंभीर आरोपों से घिरे लोगों को चुनाव प्रचार की सशर्त अनुमति देने पर सही प्रश्न उठाए हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान न्यायपालिका के रवैये ने लोगों को सवाल उठाने का मौका दिया है। दिल्ली दंगों के आरोपितों को हिरासती जमानत देकर चुनाव प्रचार का अवसर देना भी ऐसा ही फैसला है। उच्चतम न्यायालय भले ही ऐसे कुछ फैसलों को नजीर न बनाने की सलाह दे, मगर निचली अदालतें उसका तुरंत अनुसरण करने लगती हैं। इससे एक गलत परंपरा की नींव पड़ जाती है। वहीं, जांच एजेंसियों और न्यायपालिका को नेताओं पर चल रहे मुकदमों के जल्द निपटारे को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि वे न्यायिक शिथिलता का लाभ न उठा सकें।

पीयूष शंकर गर्ग, शिप्रा सन सिटी, गाजियाबाद

भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार

हाल ही में प्रकाशित एजुकेशन टेस्टिंग सर्विसेज की ताजा ह्यूमन प्रोग्रेस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारतीय शिक्षा से सबसे अधिक उम्मीद रखते हैं। यह रिपोर्ट भारतीय शिक्षा प्रणाली की वर्तमान स्थिति और इसके भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई खामियां हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। इन खामियों में शिक्षा की गुणवत्ता में कमी, शिक्षकों की कमी और शिक्षा के अवसरों में असमानता शामिल हैं। हालांकि, एजुकेशन टेस्टिंग सर्विसेज रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई अच्छी बातें भी हैं। इनमें शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता, शिक्षा के अवसरों में वृद्धि और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार शामिल हैं। भारत सरकार शिक्षा के लिए निरंतर सुधार के लिए प्रयासरत है। सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें शिक्षा के अवसरों में वृद्धि, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों के प्रशिक्षण में वृद्धि शामिल हैं। इसके अलावा, सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नई पहलें भी शुरू की हैं, जिनमें आनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म, शिक्षा के लिए मोबाइल एप और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास शामिल हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई खामियां हैं, लेकिन सरकार और अन्य हितधारकों के प्रयासों से इन खामियों को दूर किया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार और नवाचार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तर पर एक माडल बनाया जा सकता है। इसके लिए हमें देश की शिक्षा को रोजगार से भी जोड़ना होगा। यह कार्य बहुत मुश्किल भी नहीं है।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम, मध्य प्रदेश

जमानत का अनोखा निर्णय

'राजनीति के अपराधीकरण को बढ़ावा' शीर्षक से लिखे लेख में राजीव सचान ने हिरासती जमानत को विधि की विडंबना बताया है। दरअसल जेल में बंद किसी व्यक्ति का वोट नहीं डालना, लेकिन चुनाव लड़ने की यह कोई अनोखी घटना नहीं है। बाकायदा इसका उल्लेख उन्होंने किया भी है। परंतु हिरासती जमानत का फैसला जरूर अनोखा है, जिसमें आरोपी को दिन में चुनाव प्रचार की अनुमति दी गई थी, जबकि रात में वह जेल चला जाता था। सबसे महत्वपूर्ण यह कि स्थानीय अदालत के निर्णय में यह मामला इसी दौरान उदाहरण भी बना। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट को विधि की समीक्षा का भी अधिकार है। ऐसे में इस मामले में विधि की विडंबना के बजाय हमारी न्यायिक प्रक्रिया की विडंबना कहना अधिक उपयुक्त है? इसमें अपराध मिटाने की संपूर्ण प्रक्रिया पर किस प्रकार का आघात पहुंचता है एवं निर्णय के माध्यम से राजनीति के अपराधीकरण को रोकने में कितनी मदद मिलेगी? यक्ष प्रश्न यह है। दिल्ली चुनाव तो बीत गया। आठ फरवरी को जब चुनाव परिणाम आएगा। सभी दल इस प्रकरण को भूल जाएंगे। तब किसी न किसी दल की जीत होगी। वे जीत हार की समीक्षा में जुट जाएंगे। मगर भारत की विशालता और विविधता को देखते हुए इसके दूरगामी परिणामों की भी समीक्षा अपरिहार्य है।

मुकेश कुमार मनन, पटना

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है भारतीय एमएसएमई सेक्टर जिसकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है। देश के कुल उत्पादन में इनका योगदान 36 प्रतिशत तक है।

विजय कपूर
वरिष्ठ पत्रकार

टैरिफ युद्ध

कहीं अमेरिका को ही न भारी पड़ जाए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को सुरक्षित रखने के लिए टैरिफ की आवश्यकता है। इस 'व्यापार युद्ध' के पहले चरण में ट्रंप ने अपने ही तीन बड़े व्यापार साझेदार–मेक्सिको, कनाडा व चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ में जबरदस्त वृद्धि की है और अनुमान यह है कि वह भारत के पीछे भी पड़ेंगे। इसलिए भारत को अभी से अन्य देशों के साथ व्यापार समझौते आरंभ कर देने चाहिए

ट्रंप की नीतियों से वैश्विक व्यापार के समीकरण बिगड़ने के साथ ही आपूर्ति श्रृंखला के प्रभावित होने की बढ़ रही आशंका। प्रतीकात्मक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि टैरिफ युद्ध का उनका अगला निशाना यूरोपीय संघ हो सकता है। यह सब ऐसे समय हो रहा है जब आर्थिक शक्ति शिफ्ट हो रही है–चीन अब बहुत बड़ा खिलाड़ी है और भारत की हैसियत भी बढ़ती जा रही है। वैसे ट्रंप के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ में इजाफा कर दिया है। उसने भी 155 अरब डालर की अमेरिकी वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिसमें से 30 अरब डालर की वस्तुओं पर यह टैरिफ लागू हो गया है और शेष 125 अरब डालर की वस्तुओं पर भी लागू होगा। उधर मैक्सिको की राष्ट्रपति ने भी अपने वित्त मंत्री को जवाबी कार्रवाई करने के लिए कहा है, जिसके बाद अमेरिका ने मैक्सिको पर टैरिफ अभी रोक दिया है।

व्यापार में ट्रंप को खुश करना कठिन है। साल 2018 में उन्होंने भारत को 'टैरिफ किंग' कहा था। जब भारत ने ट्रंप की एक प्रिय बाइक पर आयात ड्यूटी घटाकर 50 प्रतिशत कर दी थी।' इसलिए नई दिल्ली ट्रंप से शुक्रिया की उम्मीद न करे कि उसने अपने एक फरवरी 2025 के बजट में बाइक पर कस्टम ड्यूटी में अतिरिक्त कटौती करते हुए उसे 40 प्रतिशत कर दिया है, खासकर जब ट्रंप के दाहिने हाथ एलन मस्क को कुछ नहीं मिला है। हालांकि भारत सरकार ने महंगी आयातित कारों पर कस्टम ड्यूटी में इस बार कटौती की है, मसलन, मस्क की टेस्ला पर 70 प्रतिशत कटौती की गई है।

समीक्षकों का कहना है कि टैरिफ में हर प्रतिशत प्वाइंट वृद्धि पर उपभोक्ता वस्तुओं के दामों में 0.1 प्रतिशत का इजाफा हो जाएगा। इसके बावजूद ट्रंप ने मैक्सिको व कनाडा से आयात होने वाली गुड्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ थोपा और चीन की गुड्स पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया। एक तरह से ट्रंप महंगाई कम करने के अपने चुनावी वादे से मुकर रहे हैं। ट्रंप को जैसे-को-तैसा की भी परवाह नहीं है। ध्यान रहे कि एक बार ट्रंप ने कहा था, 'व्यापार युद्ध अच्छे होते हैं और उन्हें आसानी से जीता जा सकता है।' यह अलग बात है कि जब 2018 में उन्होंने यूरोपीयन स्टील व एल्युमीनियम पर टैरिफ में वृद्धि की थी तो जवाबी कार्रवाई में यूरोपीय संघ ने अमेरिका की बाइक्स पर टैरिफ बढ़ा दिया था और मजबूरन हार्ले को अपना उत्पादन थाइलैंड में शुरू करना पड़ा था। अमेरिका, व्यापार घाटे से जूझ रहा है, जो 2022 में 951 अरब डालर था व 2023 में 773 अरब डालर था। भारत के साथ यह घाटा वित्त वर्ष 2023-24 में मात्र 35 अरब डालर था।

शायद यही कारण है कि एक फरवरी को ट्रंप ने भारत के खिलाफ व्यापार युद्ध नहीं छेड़ा। लेकिन 'भारत बहुत चार्ज करता है' उसका रोना रोने के बाद ट्रंप नई दिल्ली को फ्री पास देने वाले नहीं हैं। सवाल यह है कि भारत ट्रंप के दबाव में झुक जाए या मुकाबला करे? हालांकि भारत चीन या यूरोपीय संघ की तरह आर्थिक रूप से मजबूत नहीं है, लेकिन जब मैक्सिको व कनाडा भी ट्रंप को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं तो भारत को भी पीछे नहीं रहना चाहिए। हालांकि भारत को इस समय अधिक व्यापार की जरूरत है, लेकिन उसे किसी भी सूरत में ट्रंप के सामने झुकना नहीं चाहिए। समय निकालना अच्छी योजना हो सकती है और इस समय का सदुपयोग अन्य देशों व ब्लाक से बेहतर व्यापार समझौते करने में किया जाना चाहिए। वर्ष 2017 से ही यूरोपीय संघ, चीन व अन्य व्यापार समझौते करने की दौड़ में शामिल रहे हैं। भारत ने ऐसा नहीं किया। लेकिन शुरुआत करने के लिए अब भी देरी नहीं हुई है।

ट्रंप द्वारा ग्लोबल व्यापार युद्ध छेड़ने का नतीजा यह हुआ है कि अनेक देश, जिनमें अमेरिका के करीबी सहयोगी भी शामिल हैं, बिना अमेरिका के अपने आर्थिक समझौते कर रहे हैं। वाशिंगटन अपने व्यापार के इर्द-गिर्द ऊंची दीवार खड़ी कर रहा है, तो बाकी देश अपनी दीवारों को छोटा कर रहे हैं। अपने पुराने साथियों को टैरिफ सजा देकर ट्रंप अन्य देशों को प्रोत्साहित कर रहे हैं कि वह अमेरिका के बिना ट्रेडिंग ब्लाक न बनाएं।

पिछले दो माह के दौरान यूरोपीय संघ ने तीन नए व्यापार समझौते किए हैं। दिसंबर 2024 में यूरोपीय संघ ने दक्षिण अमेरिका के चार देशों से व्यापार समझौता करके विश्व का सबसे बड़ा व्यापार जोन बनाया, जो 85 करोड़ से अधिक लोगों वाले बाजारों को जोड़ता है। इस समझौते के लिए पिछले 25 वर्ष से वार्ता चल रही थी। इसके दो सप्ताह बाद यूरोपीय संघ ने स्विट्जरलैंड से व्यापार समझौता किया और जनवरी 2025 में उसका मैक्सिको से भी समझौता हुआ था। इंडोनेशिया ब्रिक्स में शामिल होने वाला 10वां देश बन गया है। ब्रिक्स में अब आधी दुनिया की जनसंख्या शामिल है और कुल आर्थिक आउटपुट का 40 प्रतिशत से भी अधिक इसके पास है। थाइलैंड व युगांडा सहित अन्य आठ देश ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बनने जा रहे हैं।

मई 2025 में 10 देशों वाले आसियान की बैठक पश्चिम एशिया के छह देशों से होगी जो मिलकर गल्फ कोआपरेशन काउंसिल बनाते हैं। इस बैठक में चीन को भी आमंत्रित किया गया है। साथ ही, आसियान व भारत के बीच भी व्यापार व निवेश गहरा होता चला जा रहा है। इस किस्म के अन्य अनेक व्यापार समझौते हैं, जिनमें अमेरिका को एक किनारे कर दिया गया है। अमेरिका ने जो रूस पर पाबंदियां लगाई थीं, उनका भी अनेक देशों ने पालन नहीं किया था और भारत व चीन ने रूस से सस्ता तेल खरीदा। कह सकते हैं कि नई विश्व व्यवस्था में अमेरिका की दादागीरी कमजोर पड़ती जा रही है, वह अलग थलग पड़ रहा है या उसे किया जा रहा है और ट्रंप के बेतुके फैसले उसे अतिरिक्त अकेला कर रहे हैं। इसलिए यह सोचने की बात है कि ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बना रहे हैं या हाशिये पर डाल रहे हैं? (ईआरसी)

आठ प्रतिशत से अधिक विकास दर का प्रयास

प्रह्लाद सबनानी
आर्थिक मामलों के जानकार

वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत अपने आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वैसे वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत के आसपास रही है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को आठ प्रतिशत से ऊपर रखना होगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट के माध्यम से ऐसे कई निर्णय लिए गए हैं जिससे देश की आर्थिक विकास दर पुनः एक बार आठ प्रतिशत से ऊपर निकल जाए। दरअसल, आज देश में उत्पादों की मांग को बढ़ाना अति आवश्यक है जो पिछले कुछ समय से लगातार कम होती दिखाई दे रही है। इसके लिए आम नागरिकों के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध रहे, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

विनिर्माण के क्षेत्र को गति देना भी आज की आवश्यकता है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन भी चलाए जाने का प्रस्ताव है। आज देश में एक करोड़ से अधिक सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग हैं जो 7.5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कर रहे हैं एवं भारत के कुल उत्पादन में 36 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं तथा देश से होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी 45 प्रतिशत की भागीदारी इन उद्योगों की रहती है। कुल मिलाकर भारत आज अपनी इन कंपनियों को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहता है। भारत में आज निर्यात प्रोत्साहन मिशन को चालू किया जा रहा है, ताकि भारत की कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। देश में अधोसंरचना को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पूंजीगत खर्चों को भी 11.20 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर रखा गया है।

इसके साथ ही, सरकारी उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां भी अपने पूंजी निवेश को बढ़ाने का प्रयास यदि करती हैं एवं विदेशी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले विदेशी निवेश को मिलाकर पूंजीगत मदों पर खर्चे को 15 लाख करोड़ रुपये की राशि तक ले जाया जा सकता है। इसके लिए देश में 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' को अधिक आसान बनाना होगा एवं पुराने कानूनों को हटाकर उद्योग मित्र कानून बनाए जाने की आवश्यकता है।

चूंकि विश्व के कई देशों, विशेष रूप से विकसित देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अतः इन देशों में युवाओं की संख्या में कमी के चलते विभिन्न संस्थानों में कार्य करने वाले नागरिकों की कमी हो रही है। अतः भारत को पूरे विश्व में कौशल से परिपूर्ण युवाओं के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। जापान, ताइवान, वियतनाम सहित कई विकसित देशों ने तो भारत से कौशल से परिपूर्ण इंजीनियर्स, डाक्टर एवं नर्सों की मांग भी की है। आज भारत पूरे विश्व को कौशल से परिपूर्ण युवाओं को उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। रोजगार के अधिकतम अवसर निर्मित हों, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। रोजगार उन्मुख क्षेत्रों, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों एवं सेवा क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

देश में हाल ही के समय में सरकारी कंपनियों की कार्यप्रणाली में बहुत सुधार हुआ है एवं अब इन कंपनियों की लाभप्रदता में अतुलनीय सुधार दिखाई दिया है और आज ये कंपनियां केंद्र सरकार को लाभांश की मद में भारी भरकम राशि प्रदान करने लगी हैं। वरना, एक समय था जब प्रतिवर्ष केंद्र सरकार को इन कंपनियों को चलायमान रखने के उद्देश्य से भारी भरकम राशि का निवेश करना होता था। उम्मीद की जानी चाहिए कि तमाम प्रयासों के कारण विकास दर में वृद्धि होगी।

खरी-खरी

किताबें इंतजार में, छोले-भटूरे बाजार में

नृपेंद्र अभिषेक नृप

दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला लगा है, मगर माहौल कुछ ऐसा कि स्वाद की गंगा बह रही हो। अंदर घुसते ही एक महानुभाव से टकरा गया, जो दोस्त से कह रहे थे- ''कितने वर्षों बाद मिले हो! पहले एक-एक पाव भटूरे हो जाएं, फिर किताबें देखेंगे।''

किताबों के स्टाल पर चहल-पहल कम थी, लेकिन चाय और छोले-भटूरे के स्टाल पर कतारें लगी थीं। लोग किताबों के पन्ने कम, समोसे के स्वाद ज्यादा चख रहे थे। पुस्तक मेले में एक नया ट्रेंड देखने को मिला। एक मशहूर लेखक की नई किताब का विमोचन होना था, लेकिन 90 प्रतिशत लोग वहां इस इंतजार में थे कि कार्यक्रम खत्म होते ही पास वाले समोसे के ठेले पर जगह मिल जाए।

जैसे ही लेखक ने किताब उठाकर कहा, ''मेरा यह उपन्यास आधुनिक समाज के यथार्थ को दर्शाता है...''

पीछे से आवाज आई, ''छोले में एक्स्ट्रा मिर्च डालना मत भूलना!''

बेचारे लेखक ने मन ही मन सोचा कि अगली किताब साहित्य नहीं, ''फास्ट फूड संस्कृति'' पर लिखनी चाहिए।

यहां कुछ लोग किताबों के बहाने रिश्तों की नई किताबें लिख रहे थे। एक सज्जन को मैंने सुना, ''अरे! तुम भी यहां? कितनी अच्छी बात है! चलो, पहले काफी पीते हैं, फिर साहित्य पर चर्चा करेंगे।'' मैंने उन दोनों को तीन घंटे तक मेले में घूमते देखा, लेकिन उनके हाथ में किताबों के बजाय बर्गर और कोल्ड ड्रिंक ही नजर आए। अंत में जब मेले से निकल रहे थे, तो बोले, ''वाह, क्या शानदार मेला था!'' पता नहीं, वे पुस्तकों की बात कर रहे थे या छोले-भटूरे की दुकान की।

एक दंपत्ति को देखा। पति किताबों की दुकान की तरफ जाना चाहता था, पत्नी गोलगप्पों की ओर। निर्णय हुआ कि गोलगप्पे खाकर किताबें देखी जाएंगी। गोलगप्पे खत्म होते ही पत्नी बोली, ''अब क्या करना किताब खरीदकर? घर में पहले से ही ढेरों रखी हैं। वैसे भी पढ़ने का टाइम किसके पास है?''

पति ने जेब में रखे पैसे टटोले। कुछ ही बचे थे। उन्होंने भी हार मान ली और बोले, ''चलो, एक-एक चाय और हो जाए!''

X पोस्ट

अवैध बांग्लादेशियों को भी भारत से भगाओ। इनकी संख्या करोड़ों में है। ये बोझ जैसे हैं।
चंदन शर्मा@ChandanSharmaG

जानते हैं कि भारत क्यों नहीं बदलता, क्योंकि यहां सिर्फ सरकारें बदलती हैं। भ्रष्ट प्रशासन और मंत्रियों की अनहद लोलुपता नहीं। वर्षा पांडेय@vashi1999

राजनीति में कुछ भी संभव है। 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सोमनाथ भारती का समर्थन किया, वहीं अरविंद केजरीवाल ने चांदनी चौक से कांग्रेस के उम्मीदवार जेपी अग्रवाल का।
आदेश रावल@AadeshRawal

महासागर केवल अपार आक्सीजन का स्रोत ही नहीं, बल्कि वे बड़ी मात्रा में कार्बन डाई आक्साइड को भी सोखते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में वे इंसान के बड़े सहयोगी हैं। हालांकि ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती रफ्तार अब उन पर भारी पड़ रही है। महासागरों का बढ़ता तापमान खतरे की घंटी है।
हृदयेश जोशी@hridayeshjoshi

मध्य प्रदेश डायरी

धनंजय प्रताप सिंह
राज्य ब्यूरो प्रमुख, नईदुनिया, मध्य प्रदेश

निवेशकों का वैश्विक समागम

औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पर अनेक प्रयास हो रहे हैं। क्षेत्रीय स्तर पर निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रदेश के उज्जैन, नर्मदापुरम, सागर, ग्वालियर, शहडोल, रीवा और जबलपुर संभागों में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव आयोजित की गईं। इनका परिणाम भी सकारात्मक आया है। अब अगली कड़ी में 24-25 फरवरी को भोपाल में निवेशकों का वैश्विक समागम 'ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025' होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में देश-दुनिया के 10 हजार से अधिक उद्योगपति शामिल हो रहे हैं। जापान, इंग्लैंड और जर्मनी जैसे देश इसके साझेदार हैं। अदाणी-अंबानी, टाटा संस, कुमारमंगलम बिरला जैसे कई उद्योगपतियों को जीआइएस में शामिल होने के लिए न्यौता भेजा गया है। संभावना जताई जा रही है कि 25 देशों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

दरअसल, 'जीआइएस 2025' के पीछे मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का सोच है कि जिस तरह जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है, उससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर औद्योगिक क्रांति लाए बगैर पूरे नहीं किए जा सकते हैं। यही वजह है कि मोहन यादव ने देश के बड़े शहरों में जाकर उद्योगपतियों से बातचीत की, प्रदेश में उपलब्ध भूमि, सड़क, पानी, बेहतर पर्यावरण, अनुकूल परिवहन और तमाम नैसर्गिक संसाधनों से अवगत कराया। मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां मैगनीज, बाक्साइट, हीरा और सोना से लेकर प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन मौजूद हैं। जीवनदायिनी मां नर्मदा का जल और जगह-जगह बनाए गए बांधों के कारण पर्याप्त मात्रा में यहां पानी उपलब्ध है। बिजली इन दिनों सरप्लस है। सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन बढ़ रहा है। परिवहन के लिए जल्द ही दिल्ली-मुंबई कारिडोर तैयार हो रहा है। देश का दिल होने के कारण समूचे प्रदेश में ट्रेन सुविधाओं के साथ कई जगह एयर कार्गो की सुविधाएं उपलब्ध होने लगी हैं। कानून व्यवस्था के नजरिए से देखा जाए तो प्रदेश शांतिप्रिय है। डकैत से लेकर नक्सली समस्या पर अंकुश लगाया जा चुका है। मजदूर से लेकर अच्छा मानव संसाधन भी यहां आसानी से मिल जाता है। निवेश बढ़ाने के लिए मोहन सरकार कई वर्षों के लिए टैक्स में राहत, मानव संसाधन पर अनुदान, दो रुपये प्रति यूनिट बिजली सहित सारा इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवा रही है।

विगत दिनों जापान के दौरे पर डा. मोहन यादव (दाएं) ने मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर वहां के उद्यमियों एवं निवेशकों से चर्चा की। फाइल

कुल मिलाकर देखा जाए तो डा. मोहन यादव का पूरा फोकस औद्योगिक विकास पर है, ताकि मध्य प्रदेश में अर्थव्यवस्था को गति मिल सके। रीजनल इन्वेस्टर्स कान्क्लेव के बाद 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआइएस) की जा रही है। इसमें मोहन सरकार निवेशकों को सुशासन की तस्वीर दिखाएगी। निवेश के महासम्मेलन के तहत शहरी विकास, पर्यटन, खनन, रिन्यूएबल एनर्जी, आइटी और एमएसएमई के शिखर सम्मेलन अलग-अलग आयोजित होंगे, जिसमें विभाग इन क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाओं से उद्योग जगत को परिचित कराएंगे। निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए तमाम नीतियों में संशोधन किए जा रहे हैं, ताकि निवेशकों को निवेश करने में कोई परेशानी न हो। निवेशकों को किसी तरह की परेशानी न आए, इससे बचाने के लिए पिछले 15 दिन में सरकार चार नीतियों को मंजूरी दे चुकी है। एक दर्जन नीतियां और तैयार हैं, जिन्हें भी जल्द ही स्वीकृति देकर लागू कर दिया जाएगा।

डा. मोहन यादव का फोकस इस बात पर सर्वाधिक है कि रोजगार के अवसर अधिक से अधिक बनें। मध्य प्रदेश के युवा रोजगार पाने की कतार में खड़ा होने के बजाय अन्य युवाओं को रोजगार देने वाला बनें। उद्योगपतियों को सुविधा देने के लिए नई नीतियां बनाई जा रही हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर नीति, एमपी एवीजीएस- एक्सआर नीति, सेमीकंडक्टर नीति और एमपी ड्रोन प्रमोशन नीति को कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। फिल्म से लेकर पर्यटन क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। वन और वन्यजीवों से भरे प्रदेश में उद्योगपतियों को यहां के राष्ट्रीय उद्यान से लेकर भोजपुर, सांची और भीमबैठका भ्रमण कराने की भी तैयारी है। मुख्यमंत्री यादव कहते हैं कि हम जीआइएस-2025 का आयोजन ऐसा भव्य बना रहे हैं कि मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विशेषताओं को भी उद्योपगति सदैव अपनी समृति में रखें। वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है, ताकि हर महीने किसी न किसी सेक्टर में कान्क्लेव का आयोजन होता रहे। ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, खनिज, पर्यटन, आटोमोबाइल, एग्रो, स्वास्थ्य, शिक्षा और आइटी जैसे सेक्टर की कान्क्लेव की जाएंगी। मोहन सरकार ने इसका वार्षिक कैलेंडर तैयार कर लिया है। सरकार का दावा है कि निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयास जब जमीन पर उतरेंगे, तो न केवल विकसित प्रदेश से विकसित भारत का संकल्प साकार होगा, बल्कि पूरे देश में मध्य प्रदेश आर्थिक प्रदेश के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या अमेरिका की तरह भारत को भी अवैध तरीके से आए विदेशियों को वाहर निकालना चाहिए?

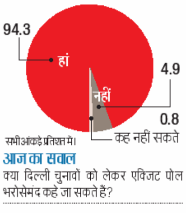

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या दिल्ली चुनावों को लेकर एक्जिट पोल भरोसेमंद कहे जा सकते हैं?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

फुर्सत मिली चुनाव से अब कर लो स्नान,
चार दिनों का कुंभ है रख लो इसका मान।
रख लो इसका मान पुण्य भी तनिक कमा लो,
बिगड़ चुका यह लोक जरा परलोक संभालो!
बहुत कर लिया काम करी दिल्ली की दुर्गत,
आठ फरवरी बाद 'आप' की समझो फुर्सत!!
– ओमप्रकाश तिवारी

हिमाचल प्रदेश डायरी

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

निकलना ही होगा इस भाषाई बीहड़ से

'आप यह बताइए कि जिस समय दुर्घटना हुई, उस समय तो आपको अपने स्कूल में इतिहास की कक्षा में होना चाहिए था। यही स्कूल का रिकार्ड भी है। फिर आप समोसे की दुकान पर कैसे खड़े थे?' गवाह से यह प्रश्न था बचाव पक्ष के वकील का। मामला था सड़क दुर्घटना का। जब बार-बार पूछा गया तो गवाह से रहा नहीं गया और वह बोला, 'सर, मैं वास्तव में उस समय स्कूल में था, कक्षा में था। मैंने यह सब पुलिस को बताया था, पर पुलिस का कहना था कि आपका बयान लिख दिया है। आप बस हस्ताक्षर कर दें और मैंने कर दिया।'

फिर हुआ यह कि जिस बस चालक पर किसी को टक्कर मारने का आरोप था, वह बच गया। यह इसलिए हुआ क्योंकि इतिहास के अध्यापक से उसके ही जिस बयान पर हस्ताक्षर करवाए गए, वह पुलिस कर्मचारी ने हाथ से लिखा था और दूसरा यह कि उसकी भाषा फारसी की कड़ाही में पकी थी, जिसमें उर्दू का तड़का लगा था। तड़का ही लगा था, पूरी उर्दू भी नहीं थी। कुछ सबसे अलग, सबसे जुदा वाला स्वाद था... यानी एक बड़ा भाग न समझ आने वाला था। इसी सब में 'स्कूल में क्लास ले रहा था' से बात 'समोसे की दुकान पर खड़ा था' तक चली गई।

हिमाचल प्रदेश में चिट्टा यानी खतरनाक केमिकल ड्रग का आतंक है। आए दिन कई रपटें दर्ज होती हैं। कुछ अंग्रेजी में, कुछ हिंदी में, लेकिन अधिसंख्य ऐसी, जिन्हें समझने की परीक्षा में दो ही पक्ष उत्तीर्ण हो सकते हैं। लिखने वाला स्वयं या फिर सर्वज्ञाता ईश्वर। उदाहरण के लिए, 'मन हेड कांस्टेबल मय मुलाजमानों के करने गस्त व सुराग ईलाका हदूद का रवाना था...' इसके आगे उन्होंने बताया है कि कैसे स्कूटी से चिट्टा बरामद हुआ। प्रश्न यह नहीं कि यह कौन सी भाषा है। भाषा सरल या कठिन नहीं होती, उसका प्रयोग शुद्ध या अशुद्ध होता है। उपरोक्त पंक्ति में इलाका, गश्त, बराय आदि शब्द गलत हैं। न हिंदी है, न उर्दू है। ब और व, स और श का भेद सिरे से नदारद है। बरामद की गई वस्तु को बरामदा वस्तु लिखा जाता है। जिस प्रदेश में अंग्रेजों के पुलिस अधिनियम से 2007 में अपना पुलिस एक्ट बनाकर मुक्ति पा ली गई हो, जिस देश में भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा अधिनियम या साक्ष्य अधिनियम से स्वदेशी की गंध आती हो, वहां कभी न्यायालय की भाषा रही अभिव्यक्ति से इतना मोह क्यों? जिन्हें हिंदी क्लिष्ट और संश्लिष्ट लगती है, क्या उन्हें जा-ए-बकूआ यानी आपराधिक घटनास्थल का पता है?

हिमाचल पुलिस के एक अधिकारी मानते हैं कि पहले सारी रपट हाथ से लिखी जाती थी और उर्दू में चंद शब्दों से काम चल जाता था, इसलिए यह बनी बनाई भाषा अपनाई जाती रही। वह मानते हैं कि इसमें सुधार होना चाहिए। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने इस दिशा में अच्छा काम किया है। पुलिस महानिरीक्षक रहे हिमांशु मिश्रा कहते हैं, 'ऐसा नहीं है कि भाषा के सरलीकरण के प्रयास नहीं किए गए, लेकिन ये फलीभूत न हो पाए। थाना स्तर पर अभी भी उर्दू शब्दों का प्रचलन है जिन्हें समझने में आम आदमी को परेशानी होती है। एक साधारण सी रिपोर्ट लिखवाने में ही ढेर सारे ऐसे शब्दों का प्रयोग कर दिया जाता है जो शिकायतकर्ता की समझ से परे होते हैं। यथास्थिति कायम रखने की इच्छा काफी प्रबल है, इसलिए परिवर्तन और सुधार का विरोध है।'

दोष पुलिस कर्मचारियों का नहीं, वे ढर्रे में ढाल दिए गए हैं। यही हाल राजस्व और न्यायालय की भाषा का भी है। इंटरनेट मीडिया पर न्यायालयों में सुनवाई के कई वीडियो आते हैं। अच्छी हिंदी या अंग्रेजी गूंजे तो अच्छी लगती है। लेकिन किसी भूमि देने वाले को प्रदाता कहने के स्थान पर अब भी 'दहिंदागण' ही लिखना है तो बात अलग है। भाषा को बोलचाल की भाषा बनाने और दिखाने में ऐसा ही मिश्रण भ्रम उत्पन्न करता है। यदि 'स्कूल' लिखे हुए को 'समोसा' लिखा जा सकता है तो 'दहिंदा' के 'दरिंदा' बनने में कितना समय लगेगा। यह सब उस प्रदेश में है जिसने हिंदीभाषी होने में गर्व अनुभव किया है। शहरों के नाम बदलने के अभ्यास के बीच लोगों और कचहरियों, थानों के मध्य डरावना पर्दा खींचती आ रही भाषा को भी बदलने में इतना समय?

जहां तक पुलिस की बात है, यह कार्य पुलिस ट्रेनिंग कालेज डरोह कर सकता है। यदि यह कालेज अपनी दक्षता के बल पर पंजाब पुलिस के अन्वेषण अधिकारियों को प्रशिक्षण दे सकता है तो भाषा का प्रशिक्षण अपने लोगों को भी दे सकता है, ताकि बयान समझ आने वाली भाषा में लिखे जाएं। राजस्व और न्यायालय का तो पता नहीं, पुलिस यह अभियान भाषा के जानकारों की सहायता लेकर शुरू कर सकती है। समस्या यह है कि यदि उर्दू शब्दों का आधिक्य है तो उर्दू भी शुद्ध नहीं लिखा जा रहा। ऐसे में भाषा के स्थान पर उसके अवशेष मिलते हैं। हम इस अभिव्यक्ति के बीहड़ में उन अवशेषों को कब तक ढोएंगे?

एफआइआर की भाषा हो सुगम। प्रतीकात्मक

रिलायंस पावर को 42 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली: अनिल अंबानी की अगुआई वाले रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस पावर का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 41.95 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,136.75 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 2,159.44 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,998.79 करोड़ रुपये थी। (प्रेट्र)

कौशल विकास के लिए पांच सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना और एआइ संचालित शिक्षा में 500 करोड़ रुपये के निवेश से भविष्य के लिए कार्यबल की तैयारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
— अजय केला, प्रेसिडेंट और सीईओ, वाधवानी फाउंडेशन

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
78,271.28 ▼312.53	23,696.30 ▼42.95	₹85,800 बदलाव नहीं	₹95,500 बदलाव नहीं	₹87.43 ▲₹0.36	$75.56

एक नजर में

ई-मोटरसाइकिल बाजार में उतरी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली: ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टर एक्स सीरीज के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में उतर गई है। रोडस्टर एक्स सीरीज के 2.5 केडब्ल्यूएच, 3.5 केडब्ल्यूएच और 4.5 केडब्ल्यूएच संस्करण पेश किए गए। इनकी कीमत क्रमशः 74,999 रुपये, 84,999 रुपये और 94,999 रुपये है। रोडस्टर सीरीज तीन साल/50,000 किलोमीटर की मानक वारंटी के साथ आती है। (प्रेट्र)

स्विगी का घाटा बढ़कर 799 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली: आनलाइन आर्डर लेकर खाने का सामान पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी का तीसरी तिमाही में शुद्ध घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 574.38 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि कुल व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के 3,700 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,898.27 करोड़ हो गया है। (प्रेट्र)

रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद

आरबीआइ के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

मुंबई, प्रेट्र: आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की दो महीने पर होने वाली बैठक बुधवार को शुरू हो गई। उम्मीद है कि इस बार एमपीसी शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो कर्ज सस्ता होने का दौर एक बार फिर शुरू हो सकता है।

आरबीआइ ने इससे पहले मई, 2020 में रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया था। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अर्थव्यवस्था को कोरोना महामारी और उसके बाद के लाकडाउन के संकट से निपटने में मदद मिल सके। आरबीआइ ने मई, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला शुरू किया था और मई, 2023 में वृद्धि पर रोक लगी। अभी रेपो रेट 6.5 प्रतिशत है।

आरबीआइ के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के फैसले की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी। मौजूदा स्थिति नीतिगत दर में कटौती के लिए अनुकूल है क्योंकि यह खपत आधारित मांग वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में घोषित उपायों के पूरक के रूप में काम करेगा। एसबीआइ की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा मुद्रास्फीति चौथी तिमाही में घटकर 4.5 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष में औसतन 4.8 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। इसमें यह भी कहा गया है कि जनवरी के मुद्रास्फीति आंकड़े 4.5 प्रतिशत के आसपास बने हुए हैं।

6.5 प्रतिशत है अभी रेपो रेट

- इससे पहले मई, 2020 में रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया गया था
- मई, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला शुरू हुआ था

गोल्डमैन सैक्स को 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद

गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि आरबीआइ रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। उसका मानना है कि बढ़ती अनिश्चितताओं के चलते कटौती आवश्यक है। वैश्विक वित्तीय फर्म ने भारत के अर्थशास्त्री शांतनु सेनगुप्ता के मुताबिक, भविष्य अनिश्चित बना हुआ है और नीति निर्माताओं को विभिन्न आर्थिक कारकों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट को उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक परिवर्तन और टैरिफ समायोजन से मुद्रास्फीति में वृद्धि हो सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में भारत पर इसका प्रभाव कम होगा।

> हमें फरवरी, 2025 की मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की उम्मीद है। फरवरी और अप्रैल में दो बार कटौती के साथ नीतिगत दर में कुल 0.75 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है। उसके बाद यथास्थिति रहने के बाद नीतिगत दर में कटौती का दूसरा दौर अक्टूबर, 2025 से शुरू हो सकता है।
> —एसबीआइ की आर्थिक विभाग की शोध रिपोर्ट

> हमें नहीं लगता कि केंद्रीय बजट में किए गए राजकोषीय प्रोत्साहन का मुद्रास्फीति पर महत्वपूर्ण असर होगा। ऐसे में हमें लगता है कि स्थितियां फरवरी, 2025 की मौद्रिक नीति समीक्षा में दर में कटौती के पक्ष में है। हालांकि, अगर वैश्विक कारक इस सप्ताह के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में और अधिक कमजोरी का कारण बनते हैं, तो नीतिगत दर में कटौती अप्रैल, 2025 तक टल सकती है।
> —अदिति नायर, मुख्य अर्थशास्त्री, इक्रा

रुपया 36 पैसे गिरकर 87.43 प्रति डालर के रिकार्ड निचले स्तर पर

मुंबई, प्रेट्र: वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका गहराने से निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति हावी होने से बुधवार को डालर के मुकाबले रुपया 36 पैसे गिरकर 87.43 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ने से रुपये में नकारात्मक धारणा के साथ कारोबार हुआ। इसकी वजह यह है कि बाजार प्रतिभागी अमेरिका और चीन द्वारा एक-दूसरे पर लगाए जा रहे शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं।

इसके अलावा, आरबीआइ की तरफ से नीतिगत ब्याज दर में कटौती की चिंताओं और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.13 पर कमजोरी के साथ खुला और सत्र के दौरान 87.49 प्रति डालर के निचले स्तर पर गया। हालांकि, कारोबार के अंत में रुपया 87.43 के रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 36 पैसे की गिरावट है।

- वैश्विक ट्रेड वार की आशंका बढ़ने से रुपये में नकारात्मक धारणा के साथ कारोबार हुआ
- विनिमय बाजार में रुपया 87.13 पर खुला और 87.49 प्रति डालर के निचले स्तर तक गया

मंगलवार को रुपया चार पैसे बढ़कर 87.07 प्रति डालर पर बंद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन से सामान आयात करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने पर जोर दे रहे हैं। मंगलवार को चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए कुछ अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाने और गूगल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-रोधी जांच की घोषणा की। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 प्रतिशत गिरकर 107.58 पर कारोबार कर रहा था।

दो साल में सबसे धीमी रही सर्विस सेक्टर की वृद्धि दर

नई दिल्ली, प्रेट्र: बिक्री और उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में दो वर्षों में सबसे धीमी गति से बढ़ी। एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक दिसंबर के 59.3 से घटकर जनवरी में 56.5 पर आ गया, जो नवंबर के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है।

सर्वे में कहा गया कि नए व्यवसाय में सुधार और बढ़ती क्षमता दबाव ने सेवा प्रदाताओं को पिछले वित्तीय तिमाही के प्रारंभ में अतिरिक्त कर्मचारियों को भर्ती करने के लिए प्रेरित किया।

पूर्णकालिक तथा अंशकालिक पदों पर नियुक्तियां हुईं। दिसंबर से रोजगार सृजन की दर में तेजी आई और यह दिसंबर 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे तेजी से बढ़ी। मूल्य के मोर्चे पर, सेवा कंपनियों ने अपने खर्चों में उछाल देखा, जिसकी मुख्य वजह कर्मचारियों की बढ़ती लागत के साथ खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें रहीं। बढ़ती लागत के बोझ व मांग के लचीलेपन के चलते 2025 की शुरुआत में भारतीय सेवाओं के प्रविधान के लिए लगाए गए मूल्य और भी बढ़ गए। इस बीच, भारत की निजी क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में धीमी हुई।

सर्विसेज इंडेक्स जनवरी में 56.5 पर आया, कंपोजिट सूचकांक दिसंबर के 59.2 से गिरकर 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा

देश में सोने की मांग 2024 में 802 टन रही

मुंबई, प्रेट्र: आयात शुल्क में कमी और शादी-ब्याह व त्योहारों से संबंधित खरीदारी के चलते देश में सोने की मांग 2024 में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 802.8 टन हो गई। 2025 में इसके 700-800 टन के बीच रहने का अनुमान है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही, जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में यह 3,92,000 करोड़ रुपये था।

डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान, 2024 रिपोर्ट में कहा गया कि चौथी तिमाही में मांग 265.8 टन पर स्थिर रही, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है। आभूषणों की मांग 2024 में दो प्रतिशत घटकर 563.4 टन रह गई जो 2023 में 575.8 टन थी। वहीं 2024 में सोने का आयात चार प्रतिशत घटकर 712.1 टन रह गया। यह 2023 में 744 टन था। डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय सीईओ सचिन जैन ने बताया कि इसके अलावा आरबीआइ 2024 में 73 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 16 टन सोने की खरीद से चार गुना अधिक है। विश्व स्तर पर 2023 में कुल सोने की मांग 4,945.9 टन रही थी, जो 2024 में 4,974 टन हो गई।

- विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक, 2025 में मांग 700 से 800 टन के बीच रहने का अनुमान
- सोने की मांग का मूल्य 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया

> 2025 के लिए हमारा अनुमान है कि सोने की मांग 700-800 टन के बीच रहेगी। उम्मीद है कि शादी-ब्याह से जुड़ी खरीदारी से सोने के आभूषणों की मांग में सुधार होगा बशर्ते कीमतों में कुछ हद तक स्थिरता आए।
> —सचिन जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (भारत), डब्ल्यूजीसी

लाजिस्टिक्स रैंकिंग में शीर्ष 25 देशों में आ सकता है भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री गति शक्ति और राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स नीति जैसी पहल के जरिये मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास से भारत को 2030 तक विश्व बैंक लाजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष 25 देशों में जगह बनाने में मदद मिलेगी। विश्व बैंक लाजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआइ) में भारत 139 देशों में 38वें स्थान पर है और इसका लक्ष्य 2030 तक शीर्ष 25 में आना है।

वैश्विक प्रदर्शनी कंपनी मेस्से फ्रैंकफर्ट इंडिया द्वारा ईवाई इंटरनेशनल कंसल्टिंग के साथ साझेदारी में किए गए अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय लाजिस्टिक्स प्रदर्शनी लोगीमैट इंडिया-2025 से पहले मंगलवार को जारी किया गया। यह प्रदर्शनी 13-15 फरवरी को बंबई एक्जिबिशन सेंटर में आयोजित होने वाली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 2030 तक विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में 25 देशों में जगह बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना और राष्ट्रीय लाजिस्टिक्स नीति जैसी पहल के तहत बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। माल ढुलाई और लाजिस्टिक्स बाजार के 2029 तक 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़कर 484.43 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 में 317.26 अरब डालर था।

माल ढुलाई और लाजिस्टिक्स बाजार के 2029 तक सालाना 8.8% की दर से बढ़कर 484 अरब डालर पहुंचने का अनुमान

केनरा बैंक ने शुरू किया 'केनरा क्रेस्ट' कार्यक्रम

बेंगलुरु, (वि): उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बदलती मांगों को ध्यान में रखते हुए केनरा बैंक ने 'केनरा क्रेस्ट' नाम से सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। इसे दो श्रेणियों क्रेस्ट और क्रेस्ट प्लस में बांटा गया है।

खाते में 10 लाख से 50 लाख की शेष राशि बनाए रखने वाले ग्राहकों को क्रेस्ट के तहत जबकि 50 लाख या उससे अधिक की शेष राशि बनाए रखने वालों को क्रेस्ट प्लस श्रेणी में वर्गीकृत किया जाएगा। यह शून्य लागत सदस्यता पात्र मौजूदा ग्राहकों को आमंत्रण द्वारा या केनरा क्रेस्ट उत्पाद के तहत नया बचत खाता खोलने के माध्यम से उपलब्ध होगा। पात्र ग्राहक डिजिटल इंटरफेस के माध्यम के जरिये इससे जुड़ सकते हैं। इसमें ग्राहक को एक समर्पित रिलेशनशिप मैनेजर मिलेगा, जो रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सुलभ और परेशानी मुक्त बनाता है।

राष्ट्रीय फलक

रिश्वत मामले में सेंसर बोर्ड के पूर्व सीईओ की बरी करने की याचिका खारिज

मुंबई, प्रेट्र: सीबीआइ की एक विशेष अदालत ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राकेश कुमार सिंह की याचिका को खारिज कर दिया है। सिंह ने भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में याचिका दाखिल कर स्वयं को बरी करने का अनुरोध किया था। भ्रष्टाचार का यह मामला 2014 का है। अदालत ने कहा कि सिंह के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

पूर्व सीईओ पर छत्तीसगढ़ी फिल्म 'मोर डौकी के बिहाव' के जल्द प्रदर्शन के लिए सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने के बदले में साथी श्रीपति मिश्र के माध्यम से 70 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप है। सीबीआइ अदालत के विशेष न्यायाधीश एसएम मेनजोगे ने कहा कि सिंह की ओर से रिश्वत की मांग प्रथम दृष्टया स्पष्ट है। सिंह एजेंट के माध्यम से रिश्वत की रकम लेता था। राशि की मांग और स्वीकृति को परिस्थितिजन्य साक्ष्य से भी साबित किया जा सकता है, कई बार प्रत्यक्ष साक्ष्य उपलब्ध नहीं होता।

माल्या का दावा-मुझसे कर्ज से ज्यादा राशि वसूली गई

बेंगलुरु, प्रेट्र: भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार को कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि बैंकों की ओर से वसूली गई राशि उनके द्वारा लिए गए कर्ज से कहीं अधिक है। माल्या ने कहा, बैंकों का उस पर 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज है, पर इससे कई गुना अधिक वसूल किया जा चुका है। माल्या ने बैंकों से यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल, जो अब परिसमापन में है) और अन्य देनदारों से वसूल की गई राशि का ब्योरा देने संबंधी खातों का विवरण मांगा है। न्यायाधीश आर देवदास ने माल्या द्वारा दायर याचिका के जवाब में बुधवार को बैंकों को नोटिस जारी कर 13 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया। अंतरिम राहत के रूप में याचिका में संशोधित वसूली प्रमाणपत्र के तहत बैंकों द्वारा परिसंपत्ति की बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग की गई।

माल्या के अधिवक्ता साजन पूवैया ने दलील दी कि किंगफिशर एयरलाइंस और उसकी होल्डिंग कंपनी यूबीएचएल के खिलाफ परिसमापन आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। ऋण पहले ही वसूल लिया गया है, फिर भी अतिरिक्त वसूली की कार्रवाई जारी है। पूवैया ने कहा, ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने किंगफिशर एयरलाइंस और गारंटीकर्ता के रूप में यूबीएचएल को 6,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था। 2017 से अब तक 6,200 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं। वसूली अधिकारी ने पुष्टि की है कि 10,200 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। वित्त मंत्री ने संसद को सूचित किया था कि 14,000 करोड़ रुपये वसूल किए गए हैं।

हाई कोर्ट ने कारोबारी की याचिका पर बैंकों को नोटिस जारी किया

विजय माल्या। फाइल

माल्या ने कहा, ऋण वसूल लिया गया, फिर भी वसूली की कार्रवाई जारी है

ईडी ने एनएसईएल से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में दाखिल किया आरोप पत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र: ईडी ने नेशनल स्पाट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में नया आरोपपत्र दाखिल किया है। ईडी ने जारी एक बयान में कहा है कि अभियोजन पक्ष की शिकायत 28 जनवरी को मुंबई में मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष 19 ब्रोकिंग इकाइयों और उनके निदेशकों के खिलाफ दायर की गई थी। इन पर एनएसईएल के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर निवेशकों को इस मंच पर व्यापार करने के लिए प्रलोभन देने का आरोप है। जांच एजेंसी के अनुसार, अदालत ने तीन फरवरी को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। ईडी ने बताया कि उसने पहले ही इस जांच के तहत 94 आरोपितों के खिलाफ छह आरोपपत्र दायर कर 3,288 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। जांच में सामने आया कि ब्रोकिंग कंपनियों ने एनएसईएल में पंजीकरण कराने के बाद एक्सचेंज के बारे में झूठे आश्वासन देकर अपने ग्राहकों को गुमराह किया और अवैध व्यापार अनुबंधों को बढ़ावा दिया।

पुणे में जीबीएस रोगियों के घरों में पीने के पानी में क्लोरीन की कमी

पुणे, प्रेट्र: महाराष्ट्र के पुणे और उसके आसपास के क्षेत्र में गुलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का बढ़ता प्रकोप बड़े संकट की ओर इशारा कर रहा है। प्रतिदिन सामने आ रहे आकड़े राज्य सरकार के लिए चुनौती बन रहा है। मंगलवार को भी तीन नए मामले सामने आने के बाद अब शहर में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 166 हो गई है, जिसमें नांदेड़ गांव में सबसे ज्यादा मरीज सामने आए हैं। इसी बीच, पुणे शहर के नांदेड़ गांव के आसपास कराए गए एक जल गुणवत्ता सर्वेक्षण में सामने आया है कि सिंड्रोम से प्रभावित 26 मरीजों के घरों में पीने के पानी में क्लोरीन की कमी थी।

नांदेड़ और आसपास के इलाकों में जीबीएस के प्रकोप की जांच के लिए गठित की गई रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) के अधिकारियों ने बताया कि नांदेड़ में 77 जीबीएस मरीज हैं। इनमें से 62 मरीजों के घरों का दौरा किया गया और पेयजल के नमूने लिए गए, घर-घर किए गए सर्वेक्षण में यह पाया गया कि पेयजल में क्लोरीन की कमी थी। विशेषज्ञों ने अब पुणे नगर निगम (पीएमसी) के जल आपूर्ति विभाग से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है ताकि घरेलू जल आपूर्ति में 0.2 पीपीएम (पार्ट्स पर मिलियन) क्लोरीन का स्तर बनाए रखा जा सके। पिछले हफ्ते, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबिटकर ने कहा था कि पुणे में संदिग्ध जीबीएस मामलों में से 80 प्रतिशत मामले नांदेड़ के आसपास के इलाकों से आए हैं। उन्होंने बताया था कि ये मामले पानी की गंदगी से जुड़े हो सकते हैं।

गुलियन बैरे सिंड्रोम एक आटोइम्यून न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर है। इस बीमारी में इम्यून सिस्टम अपनी ही नर्व्स पर हमला करता है। इसके कारण लोगों को उठने-बैठने और चलने तक में समस्या होती है। यहां तक की लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है।

- नांदेड़ में जल गुणवत्ता सर्वेक्षण में सामने आई जानकारी
- पुणे में तीन नए मामले आने से मरीजों की संख्या 166 हुई

आइआइटी रुड़की में फांसी के फंदे पर लटकता मिला बीटेक छात्रा का शव

जागरण संवाददाता, रुड़की : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की के कस्तूरबा गांधी हास्टल में बीटेक द्वितीय वर्ष की छात्रा अंशु मलैया का शव मंगलवार रात उसके कमरे में पंखे से लटकता मिला। मौत की वजह का अब तक पता नहीं चल सकी है। डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बीटेक कर रही अंशु की मौत को पुलिस आत्महत्या मान रही है। हालांकि अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इस घटना से स्वजन भी हैरान हैं। उनका कहना है कि बेटी मेधावी छात्रा थी। आत्महत्या जैसा इरादा न जाने उसके मन में कैसे आ गया।

मध्य प्रदेश के इटारसी जिले के मेहरा गांव निवासी मुकेश मलैया की 19 वर्षीय बेटी अंशु मलैया मंगलवार को इवनिंग कक्षा में नहीं गई थी। उसकी सहेली जब शाम को लौटी तो हास्टल के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाने के बाद भी जब प्रतिक्रिया नहीं हुई तो उसने धक्का मारकर दरवाजा खोल दिया। अंशु का शव पंखे से लटका हुआ था।

रतन टाटा के मित्र शांतनु नायडू ने संभाली टाटा मोटर्स में जिम्मेदारी, मिली नई भूमिका

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर

टाटा संस के पूर्व मानद चेयरमैन रतन टाटा के घनिष्ठ मित्र शांतनु नायडू ने टाटा मोटर्स में महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर) और रणनीतिक पहल प्रमुख (हेड, स्ट्रेटजिक इनिसिएटिव) के रूप में नया पदभार ग्रहण किया है। नायडू ने लिंक्डइन पर इस खबर को साझा करते हुए लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में महाप्रबंधक और रणनीतिक पहल प्रमुख के रूप में अपनी नई भूमिका शुरू कर रहा हूं। मुझे याद है जब मेरे पिता टाटा मोटर्स के कारखाने से सफेद कमीज और नीली पैंट में घर लौटते थे और मैं खिड़की पर उनका इंतजार करता था। आज जीवन चक्र पूरा होता प्रतीत हो रहा है।' अपने पोस्ट के साथ, नायडू ने टाटा नैनो कार के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की, जो रतन टाटा के सस्ती गतिशीलता के स्वप्न का प्रतीक है। इस तस्वीर में भी वे हल्के नीले रंग की कमीज और नीली पैंट पहने नजर आ रहे हैं, मानो अपने बचपन की यादों को ताजा कर रहे हों।

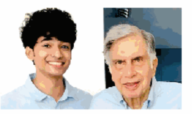

रतन टाटा के साथ शांतनु नायडू। फाइल फोटो

रतन टाटा और नायडू का रिश्ता पेशेवर सीमाओं से परे था, एक गहरी दोस्ती का बंधन जो उनके बीच था। रतन टाटा ने अपनी वसीयत में नायडू का नाम भी शामिल किया था, जो उनके असाधारण संबंधों को दर्शाता है। टाटा ने नायडू के स्टार्टअप 'गुडफेलोज' में अपनी हिस्सेदारी भी छोड़ दी थी और उनके शिक्षा ऋण को भी माफ कर दिया था। नौ अक्टूबर 2024 को रतन टाटा के निधन के बाद, नायडू ने उन्हें एक मार्मिक श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने लिखा था, 'इस दोस्ती ने मेरे जीवन में जो रिक्तता छोड़ दी है, उसे भरने की कोशिश में जीवन भर करता रहूंगा। प्रेम की कीमत दुख है। अलविदा, मेरे प्रिय प्रकाशस्तंभ।' इसके साथ ही उन्होंने टैनों की एक यादगार तस्वीर भी साझा की थी। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय और कार्नेल विश्वविद्यालय से स्नातक नायडू 2018 में रतन टाटा के सहायक के रूप में टाटा समूह से जुड़े थे। उन्होंने टाटा टेक्नोलाजीज में इंजीनियरिंग इंटर्न के रूप में भी काम किया है।

व्रत संकल्प के चलते थूकी दवा, हार्ट अटैक से व्यापारी की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : बैडमिंटन खेलने के दौरान बुधवार सुबह इंदौर के दवा व्यापारी को हार्ट अटैक आ गया। साथियों ने सीपीआर दी तो उठकर बैठ गए। इसके बाद साथियों ने खून पतला करने की दवा देकर उन्हें अस्पताल ले जाना चाहा, लेकिन व्यापारी ने व्रत संकल्प की बात कहते दवा नहीं ली।

जबरन दवा खिलाई गई तो उन्होंने थूक दी। उन्हें फिर हार्ट अटैक आ गया। साथी अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे, तब तक व्यापारी की धड़कनें थम चुकी थीं। चिकित्सकों के मुताबिक, यदि खून पतला करने की दवा खा लेते तो जान बचाई जा सकती थी। अभय प्रशाल इंदौर सभागार में दवा व्यापारी अमित चेलावत की तरह साथियों के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। वह बैठे तो अचानक दिल का दौरा पड़ गया और वह बेसुध हो गए।

55 दिन से प्रतीक्षा में शव, पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट ने दिया अंतिम संस्कार का आदेश

जागरण संवाददाता, नारनौल (कनीना)

गांव बाघोत के रहने वाले 26 वर्षीय मोहित के शव का 55 दिन बाद भी अंतिम संस्कार नहीं किए जाने पर पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने कड़ा संज्ञान लिया है। बुधवार को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा अगर परिवार के लोग अंतिम संस्कार नहीं करते तो प्रशासन और पुलिस अंतिम संस्कार कराए। हरियाणा सरकार की ओर से डीएजी सहित पुलिस इंस्पेक्टर व तहसीलदार पेश हुए। दूसरी ओर वादी कैलाशचंद्र तथा उनके अधिवक्ता पेश हुए। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश हरप्रीत सिंह बरार ने वादी कैलाशचंद्र को बेटे का अंतिम संस्कार करने के आदेश दिए।

मोहित ने 13 दिसंबर 2024 की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को उप नागरिक अस्पताल कनीना भिजवा दिया। 14 दिसंबर को शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया। मोहित के पिता कैलाशचंद ने भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा सहित आठ व्यक्तियों के विरूद्ध केस दर्ज करने की मांग करते हुए शव का अंतिम संस्कार नहीं किया। पुलिस कैलाश चंद से पूर्व मंत्री व अन्य आरोपितों के विरुद्ध सबूत मांगती रही और एफआइआर दर्ज नहीं की। मोहित के पिता आरोप है पूर्व मंत्री तथा अन्य की शह पर उनके बेटे के विरुद्ध दुष्कर्म के मामले में सह अभियुक्त बनाया गया, जबकि मामला झूठा था। मानसिक रूप से परेशान होने के बाद मोहित ने आत्महत्या कर ली। जब तक पुलिस आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज नहीं करेगी वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इस वजह से पिछले 55 दिन से मोहित का शव उप नागरिक अस्पताल कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है। दुर्गंध भी उठने लगी है।

कैलाशचंद की ओर से मामले की जांच को लेकर गठित की गई एसआइटी को लेकर उठाए गए सवाल पर न्यायाधीश ने दूसरी एसआइटी गठित करने तथा अन्य जिले के एसपी से उनके आरोपों की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं। वहीं एसआइटी कैलाशचंद द्वारा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दाखिल की गई अर्जी में लगाए गए आरोपों की जांच करेगी।

- परिवार दाह संस्कार नहीं करे तो पुलिस प्रशासन अंतिम संस्कार कराए
- हाई कोर्ट ने एसआइटी को पुनर्गठित करने के आदेश दिए

****

50 हजार से ज्यादा फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं इजरायली सेना की कार्रवाई में अब तक। मृतकों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। लाखों लोग विस्थापित भी हुए हैं।

आठ दशक से युद्ध और बरबादी के दुष्चक्र में फंसा है गाजा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को सुझाव दिया है कि गाजा के विस्थापित फलस्तीनियों को इस क्षेत्र से बाहर बसाया जाना चाहिए और यहां अमेरिका का नियंत्रण होना चाहिए। अमेरिका गाजा का नए सिरे से निर्माण करेगा और उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। ट्रंप के इस प्रस्ताव से पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव भड़क सकता है। आइये एक नजर डालते हैं संकटग्रस्त गाजा के इतिहास पर।

ब्रिटिश शासन का अंत

वर्ष 1940 के दशक के अंत में फलस्तीन में ब्रिटेन का नियंत्रण कमजोर हुआ, तो यहूदी और अरब समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया। यह मई 1948 में नए-नए बने यहूदी राज्य इजरायल और उसके मुस्लिम अरब पड़ोसियों के बीच एक पूर्ण युद्ध में बदल गया। इस संघर्ष ने फलस्तीन के हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया। इससे वे गाजा पट्टी में शरण लेने के लिए मजबूर हो गए। मिस्र की हमलावर सेना ने इस संकरी तटीय पट्टी पर कब्जा कर लिया। इससे गाजा की आबादी लगभग दो लाख हो गई।

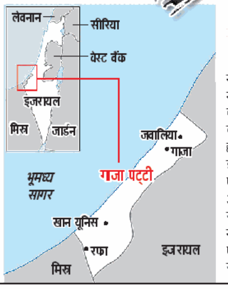

मिस्र का नियंत्रण

मिस्र ने 1950 और 1960 करीब दो दशकों तक चले अपने सैन्य शासन के तहत गाजा पट्टी का प्रशासन संभाला। मिस्र ने फलस्तीन के लोगों को मिस्र में काम करने और अध्ययन करने की अनुमति दी। बाद में फलस्तीन के आत्मघाती हमलावरों ने इजरायल पर हमले किए। इजरायल को इन हमलों का जवाब देना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की स्थापना की। मौजूदा समय में यह एजेंसी गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में 16 लाख पंजीकृत फलस्तीनी शरणार्थियों को सेवाएं प्रदान करती है।

इजरायल का कब्जा

1967 के पश्चिम एशिया के संघर्ष के दौरान इजरायल ने गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया। उस समय, इजरायली जनगणना में गाजा की आबादी 3,94,000 दर्ज की गई थी। इनमें 60 प्रतिशत से अधिक शरणार्थी थे। मिस्र के तस्वीर से बाहर होने के साथ, गाजा के कई लोगों को इजरायल के विभिन्न उद्योगों में रोजगार मिला। इजरायली सेना प्रशासन पर नियंत्रण और बाद के दशकों में बनी बस्तियों की रक्षा के लिए बनी रही। इससे फलस्तीन के लोगों में असंतोष पैदा हुआ।

पहला फलस्तीनी विद्रोह

1967 के युद्ध के दो दशक बाद, फलस्तीनी लोगों ने अपना पहला विद्रोह या इंतिफादा शुरू किया। यह आंदोलन दिसंबर 1987 में गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में एक इजरायली ट्रक और फलस्तीनी श्रमिकों के बीच एक दुखद दुर्घटना के बाद शुरू हुआ। इस घटना के बाद पथराव, हड़ताल और बंद हुए। जनता में इस गुस्से का फायदा उठाते हुए मिस्र स्थित मुस्लिम ब्रदरहुड ने सशस्त्र फलस्तीनी समूह हमास की स्थापना की। हमास ने यासर अराफात की फतह पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती पेश की।

ओस्लो समझौता

1993 में एक ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे फलस्तीनी प्राधिकरण का गठन हुआ। इस अंतरिम समझौते के तहत, फलस्तीन के लोगों ने शुरुआत में गाजा और वेस्ट बैंक के जेरिको में सीमित नियंत्रण हासिल किया। ओस्लो प्रक्रिया ने फलस्तीनी प्राधिकरण को कुछ स्वायत्तता प्रदान की और राज्य का दर्जा देने की कल्पना की। सुरक्षा समझौतों और इजरायली बस्तियों के लगातार निर्माण को लेकर हुए विवादों ने हालात खराब कर दिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की मौजूदगी में हाथ मिलाते इजरायल के पीएम यित्जाक राबिन और पीएलओ के अध्यक्ष यासर अराफात

दूसरा फलस्तीनी विद्रोह

वर्ष 2000 में, इजरायल और फलस्तीन के संबंध दूसरा इंतिफादा के फैलने के साथ और खराब हो गए। इसके बाद गाजा आत्मघाती बम विस्फोट, गोलीबारी, इजरायली हवाई हमले, विध्वंस और कर्फ्यू तक का गवाह बना। गाजा का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा ध्वस्त कर दिया गया। यह फलस्तीन की आर्थिक स्वतंत्रता का प्रतीक था और बाहरी दुनिया से संपर्क का एकमात्र जरिया था।

हमास का नियंत्रण

हमास ने 2006 में फलस्तीन के संसदीय चुनाव में आश्चर्यजनक जीत हासिल की। इसके बाद हमास ने गाजा पट्टी पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया। इसके बाद कई देशों ने हमास-नियंत्रित क्षेत्रों में सहायता रोक दी और इसे आतंकी संगठन घोषित कर दिया।

गाजा से इजरायल के सैनिकों की वापसी, पनपी सुरंग अर्थव्यवस्था

अगस्त 2005 में, इजरायल ने गाजा पट्टी से अपने सैनिकों और वहां बसने वालों को वापस ले लिया। फलस्तीन के लोगों ने इजरायल द्वारा खाली की गई संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद एक सुरंग अर्थव्यवस्था पनपी। हालांकि, इजरायल के लोगों की वापसी ने बस्ती आधारित उद्योगों को समाप्त कर दिया, जिससे गाजा के लोगों का रोजगार प्रभावित हुआ।

संघर्ष का अंतहीन चक्र

इजरायल और फलस्तीनी आतंकी समूहों के बीच संघर्ष, हमलों और प्रतिशोध का चक्र शुरू हो गया जिससे गाजा पट्टी को बार-बार आर्थिक झटके लगे। गंभीर झड़पों में से एक वर्ष 2014 में हुई। हमास और अन्य समूहों ने इजरायली शहरों में राकेट दागे। इसके बाद गाजा में विनाशकारी इजरायली हवाई हमले हुए और तोप से बमबारी हुई। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के सैकड़ों आतंकियों ने इजरायल में घुस कर घातक हमले किए और सौ से अधिक इजरायली नागरिकों को बंधक बना लिया। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पर पूरी ताकत से हमला किया और गाजा को नेस्तानाबूद कर दिया।

गाजा पट्टी पर कब्जा करेंगे : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली प्रधानमंत्री की मौजूदगी में की यह घोषणा

इजरायल-फलस्तीन विवाद पर अमेरिका की दशकों पुरानी नीति को पलटा

- इस मुद्दे पर द्वि-राष्ट्र समाधान की नीति रही, ट्रंप के बयान से दुनिया हैरान
- जार्डन, मिस्र व अन्य अरब देशों से गाजा के लोगों को लेने का किया आग्रह

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। रायटर

वाशिंगटन, रायटर: ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर नियंत्रण की इच्छा जाहिर करने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कहकर दुनिया को हैरान कर दिया है। ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ मंगलवार को संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, 'अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा और फलस्तीनियों को दूसरी जगह बसाकर क्षेत्र का विकास करेगा। क्षेत्र में स्थिरता लाने के लिए जरूरी कदम उठाएगा। बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह कुछ ऐसा होगा, जिस पर पूरा पश्चिम एशिया गर्व कर सकता है।' ट्रंप ने इजरायल-फलस्तीन विवाद में अमेरिका की दशकों पुरानी नीति को पलट दिया है, क्योंकि अमेरिका की मुद्दे पर द्वि-राष्ट्र समाधान की नीति रही है। गाजा में करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। वहीं, इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने ट्रंप की घोषणा का स्वागत किया और कहा, 'मुझे लगता है कि यह ऐसा कुछ है, जो इतिहास बदल सकता है। हमारा यह लक्ष्य है कि गाजा कभी इजरायल के लिए खतरा न बने।'

हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं है कि वह अपनी इस योजना पर किस तरह आगे बढ़ेंगे या क्या रणनीति अपनाएंगे। उन्होंने कहा, गाजा में रह रहे फलस्तीनियों को वहां से निकल जाना चाहिए और पश्चिम एशिया के दूसरे देशों में बस जाना चाहिए। गाजा में अमेरिकी सेना भेजे जाने के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, आवश्यकता के अनुसार कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, अमेरिका की पहली जिम्मेदारी गाजा में मौजूद खतरनाक बमों व हथियारों को नष्ट करना और तबाह इमारतों को हटाकर समतल भूमि तैयार करना होगा। ट्रंप ने जार्डन, मिस्र व अन्य अरब देशों से गाजा के निवासियों को अपने यहां लेने का आग्रह किया है।

ग्रीनलैंड पर कही थी यह बात : 20 जनवरी को शपथ ग्रहण से कुछ दिन पहले ट्रंप ने पनामा नहर और ग्रीनलैंड क्षेत्र पर नियंत्रण की बात कही थी। उनके इस बयान से यूरोप में हड़कंप मच गया था। डेनमार्क के नियंत्रण वाले ग्रीनलैंड क्षेत्र पर ट्रंप के बयान की कई देशों ने निंदा की थी। यूरोपीय संघ ने कहा था कि वह अपनी सीमाओं की रक्षा करेगा।

ट्रंप के दबाव बनाने पर ईरान ने कहा, अमेरिका को देंगे मौका

वाशिंगटन, रायटर : ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने को लेकर फिर से अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी इस देश पर तमाम प्रतिबंध लगाए थे। ट्रंप के ताजा कदमों पर ईरान ने कहा, वह विवादों के हल के लिए अमेरिका को मौका देने को तैयार है। साथ ही ओपेक सदस्यों से संभावित प्रतिबंधों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है। ट्रंप के आदेश के बाद ईरान की मुद्रा रियाल अब तक के सर्वकालिक निचले स्तर 8,50,000 प्रति डालर पर आ गई है। ट्रंप ने मंगलवार रात एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत ईरान के तेल निर्यात को रोकने और ईरान पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने का आह्वान किया गया है।

सहयोगियों को भी पसंद नहीं आई यह बात

- सऊदी अरब ने कहा, वह स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र के रुख पर अडिग
- रूस, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे देशों ने द्वि-राष्ट्र समाधान का किया समर्थन
- चीन ने किया विरोध तो तुर्किये ने कहा, ट्रंप का बयान अस्वीकार्य है

दुबई, एपी: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा पर कब्जे की घोषणा विरोधियों के साथ ही अमेरिका के सहयोगियों को भी पसंद नहीं आई है। उन्होंने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। अमेरिका के अहम सहयोगी सऊदी अरब ने ट्रंप के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा, वह स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र का वह लंबे समय से आह्वान करता रहा है और उसका यह रुख दृढ़ और अटूट है। फलस्तीनी राष्ट्र के निर्माण के बिना इजरायल के साथ संबंध बनाए नहीं जाएंगे। आस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अलबनीज ने कहा, उनकी सरकार द्वि-राष्ट्र समाधान का लंबे समय से समर्थन करती है। न्यूजीलैंड में कहा कि दो-राष्ट्र समाधान के लिए उसका दीर्घकालिक समर्थन रिकार्ड में है।

चीन ने कहा, वह गाजा में लोगों के जबरन स्थानांतरण का विरोध करता है। 'फलस्तीनियों का शासन गाजा के युद्धोत्तर शासन का मूल सिद्धांत है।' तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी अस्वीकार्य है। मिस्र के विदेश मंत्रालय व फलस्तीनी पीएम मोहम्मद मुस्तफा ने फलस्तीनियों को निकाले बगैर गाजा का पुनर्निर्माण करने का आह्वान किया है। रूस, जर्मनी, स्पेन, व ब्रिटेन ने भी कहा, वे दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करते हैं। फ्रांस ने कहा, गाजा निवासियों का जबरन विस्थापन अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन होगा। जार्डन के किंग अब्दुल्ला ने भी ट्रंप के बयान को खारिज किया है।

ट्रंप का घर में भी विरोध

अमेरिका में विपक्षी नेताओं ने ट्रंप के विचार को खारिज किया है। डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस कून्स ने ट्रंप के बयान को आपत्तिजनक, खतरनाक और मूर्खतापूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा, 'इस विचार से दुनिया के हमारे बारे में यह सोचने का जोखिम उत्पन्न हो गया है कि हम एक असंतुलित और गैर भरोसेमंद सहयोगी हैं, क्योंकि हमारे राष्ट्रपति पागलपन वाला प्रस्ताव दे रहे हैं।' मिशिगन से फलस्तीनी अमेरिकी सांसद रशीदा तलीब ने ट्रंप के बयान की तीखी आलोचना की है। हालांकि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन स्पीकर माइक जानसन ने ट्रंप के बयान को साहसिक करार दिया है।

गाजा पर शासन करने वाले हमास ने ट्रंप के बयान को बेतुका करार दिया और कहा कि इस तरह की कोई भी योजना क्षेत्र में आग लगा सकती है। यमन के बड़े हिस्से पर काबिज हाउती विद्रोहियों ने योजना को अमेरिका का अहंकार बताया है।

अमेरिका ने यूएनएचआरसी से खुद को किया अलग

- फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन एजेंसी को नहीं दी जाएगी राशि
- यूनेस्को में अमेरिका की भागीदारी की समीक्षा का भी दिया है निर्देश

न्यूयार्क, प्रेट्र: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से अलग कर लिया है। इस संबंध में उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए और फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए इस एजेंसी को भविष्य में सहायता राशि जारी करने पर भी रोक लगा दी है। ट्रंप ने मंगलवार को अपने प्रशासन को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) में अमेरिका की भागीदारी की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। आदेश में कहा गया, 'अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भविष्य के वैश्विक संघर्षों को रोकने और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में मदद की थी, पर संयुक्त राष्ट्र की कुछ एजेंसियां व इकाई मिशन से भटक गए हैं। वे अमेरिका के हितों के विपरीत कार्य कर हमारे सहयोगियों को निशाना बना रहे हैं और यहूदी विरोधी प्रचार कर रहे हैं।' इजरायल और अमेरिका ने यूएनएचआरसी पर इजराइल को निशाना बनाने व बदनाम करने का आरोप लगाया है। इन दोनों देशों ने 2019 में यूनेस्को से खुद को अलग कर लिया था। इजरायल ने कहा था कि यह एजेंसी उसके देश की सीमाओं के भीतर यहूदी इतिहास को खत्म कर रही है।

जन्मजात नागरिकता पर ट्रंप के आदेश पर एक और जज की रोक

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले लोगों के यहां जन्मे किसी भी व्यक्ति के लिए जन्मजात नागरिकता के अधिकार को समाप्त करने के प्रविधान वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर बुधवार को एक और जज ने अस्थायी तौर पर रोक लगा दी। कोर्ट का यह निर्णय 22 राज्यों के साथ ही अन्य संगठनों की याचिका पर आया, जिन्होंने आदेश पर रोक का आग्रह किया था।

मैरीलैंड संघीय अदालत की जज डेबोरा बोर्डमैन ने कहा, देश की किसी भी अदालत ने ट्रंप प्रशासन के कदम का समर्थन नहीं किया है। कार्यकारी आदेश पर रोक को लेकर प्रवासी-अधिकार वकालत समूहों कासा एवं असाइलम सीकर एडवोकेसी प्रोजेक्ट व कुछ गर्भवती महिलाओं ने मुकदमा किया है।

ट्रंप ट्रांसजेंडर एथलीट पर जारी करेंगे यह आदेश : ट्रंप जल्द ही एक ऐसे कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, जिसके बाद ट्रांसजेंडर महिला वर्ग के खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यह आदेश उन एथलीट पर लागू होगा जो जन्म के समय पुरुष थे और बाद में लिंग परिवर्तन कराकर महिला बन गए। ट्रंप ने हाल ही में एक आदेश पर हस्ताक्षर कर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को ट्रांसजेंडर सैनिकों संबंधी पेंटागन की नीति को संशोधित करने का निर्देश दिया है।

इस्माइली मुस्लिम समुदाय के आध्यात्मिक नेता आगा खां चतुर्थ ने पुर्तगाल में ली अंतिम सांस

- भारत सहित दुनियाभर में विकास कार्यों के लिए जाने जाते थे आगा खां
- प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने जताया शोक

पेरिस, एपी : हार्वर्ड स्नातक के रूप में 20 साल की उम्र में ही दुनिया भर में लाखों शिया इस्माइली मुस्लिमों के आध्यात्मिक नेता बन गए आगा खां चतुर्थ का मंगलवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। आगा खां डेवलपमेंट नेटवर्क ने घोषणा की कि इस्माइली मुसलमानों के 49वें इमाम प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खां चतुर्थ का पुर्तगाल में निधन हो गया। आगा खां के अनुयायी उन्हें पैगंबर मुहम्मद का वंशज मानते हैं। उन्होंने बड़ा औद्योगिक उपक्रम खड़ा किया और परोपकार के भी कार्य किए।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, प्रिंस करीम आगा खां चतुर्थ के निधन से बहुत दुखी हूं। वह दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन सेवा व आध्यात्मिकता के लिए समर्पित कर दिया। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास व महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में उनका योगदान कई लोगों को प्रेरित करता रहेगा। उनके साथ हुई बातचीत को मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, वह मानवता, शिक्षा व प्रगति के लिए समर्पित दूरदर्शी नेता थे। उनके निधन से दुखी हूं। आगा खां चतुर्थ भारत सहित दुनिया भर में अपने विकास कार्यों के लिए जाने जाते थे। दिल्ली स्थित हुमायूं के मकबरे व हैदराबाद में सुंदर नर्सरी व कुतुबशाही स्मारकों के संरक्षण में उनकी अहम भूमिका थी। मुंबई में प्रिंस अली खां अस्पताल के निर्माण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। 1945 में स्थापित यह अस्पताल 158 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशलिटी एक्यूट केयर अस्पताल है। आगा खान ट्रस्ट फार कल्चर (एकेटीसी) के माध्यम से दुनिया के विभिन्न देशों में वह सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पुनरोद्धार का कार्य करते थे। एकेटीसी इस समय दुनिया के 30 देशों में सक्रिय है और इसमें लगभग एक लाख कर्मचारी काम करते हैं।

प्रिंस करीम आगा खां चतुर्थ। फाइल/प्रेट्र

बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर के आवास पर तोड़फोड़ व आगजनी

- अपदस्थ पीएम हसीना के आनलाइन भाषण के दौरान प्रदर्शनकारियों ने दिया घटना को अंजाम
- प्रदर्शनकारियों ने "बुलडोजर जुलूस" का आह्वान किया था, हसीना बोलीं- इस घर का क्या था गुनाह

नई दिल्ली, प्रेट्र : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में प्रदर्शनकारियों ने देश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ऐतिहासिक आवास पर हमला बोल दिया। आवास में तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। यह घटना उस समय हुई जब उनकी बेटी व अपदस्थ पीएम शेख हसीना एक लाइव आनलाइन संबोधन दे रही थीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धानमंडी क्षेत्र में स्थित इस घर के सामने हजारों लोग एकत्रित हुए थे। इस घर को अब एक स्मारक संग्रहालय में बदल दिया गया है और इसे बांग्लादेश के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक स्थल माना जाता है। प्रदर्शनकारियों ने इंटरनेट मीडिया पर "बुलडोजर जुलूस" के आह्वान के बाद इस घटना को अंजाम दिया। हसीना ने अवामी लीग के अब भंग हो चुके छात्र संगठन छात्र लीग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में देशवासियों से मौजूदा शासन के खिलाफ मिलकर प्रतिरोध करने का आह्वान किया। कहा- "वे हमारे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और स्वतंत्रता को नष्ट नहीं कर सकते, जिसे हमने लाखों लोगों के बलिदान से हासिल किया है।" यह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस के शासन की ओर इशारा था। हसीना ने कहा, "वे एक इमारत को ध्वस्त कर सकते हैं, पर इतिहास को नहीं। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि इतिहास बदला लेता है।" थोड़ी भावुक आवाज में कहा- "पाकिस्तानी सैनिकों ने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान भी इस घर को लूटा था, पर इसे ध्वस्त नहीं किया या आग नहीं लगाई। आज इस घर को ध्वस्त किया जा रहा है। इसने क्या अपराध किया था? वे इस घर से इतना डरते क्यों थे... मैं देश के लोगों से न्याय की मांग करती हूं। क्या मैंने आपके लिए कुछ नहीं किया?"

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सेना के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, पर उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने पहले इमारत की दीवार पर बने बलिदानी नेता के भित्ति चित्र को नुकसान पहुंचाया और लिखा "अब 32 नहीं होगा"। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के एक प्रमुख आयोजक अब्दुल हन्नान मसूद ने फेसबुक पोस्ट में सभी पूर्व अवामी लीग सांसदों और मंत्रियों के आवासों को ध्वस्त करने का आह्वान किया और उन स्थलों पर नई इमारतें बनाने का प्रस्ताव दिया। इस बीच, गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एमडी जाहंगीर आलम चौधरी ने कहा, अंतरिम सरकार भारत से हसीना व अन्य को प्रत्यर्पण संधि के तहत वापस लाने के लिए प्रयास कर रही है। 77 वर्षीय हसीना बीते पांच अगस्त से भारत में रह रही हैं।

ढाका में बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के आवास पर उनके एक पोर्ट्रेट को क्षतिग्रस्त कर दिया। एपी

भारत से वार्ता के जरिए कश्मीर सहित सभी मुद्दों का चाहते हैं हल : शरीफ

- पाक पीएम ने भारत पर हथियार जमा करने का भी लगाया आरोप, कहा- इससे शांति नहीं आएगी

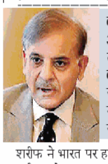

कश्मीरियों को अधिकार प्राप्ति तक नैतिक, कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन जारी रखेगा पाक

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि उनका देश कश्मीर समेत सभी मुद्दों को भारत के साथ वार्ता के जरिये सुलझाना चाहता है। साथ ही उन्होंने कश्मीरी लोगों के प्रति अपना अटूट समर्थन दोहराया।

शरीफ 'कश्मीर एकजुटता दिवस' के मौके पर मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह दिवस कश्मीरियों के प्रति समर्थन प्रदर्शित करने के लिए पाकिस्तान द्वारा हर साल मनाया जाता है। उन्होंने कहा- 'भारत को पांच अगस्त 2019 के सोच से बाहर आना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए तथा वार्ता शुरू करनी चाहिए।' भारत ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया।

शरीफ ने भारत पर हथियार जमा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हथियार जमा करने से शांति नहीं आएगी और इस क्षेत्र के लोगों की किस्मत नहीं बदलेगी। ज्ञात हो, भारत ने बार-बार कहा है कि वह पाकिस्तान के साथ आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध चाहता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा देश का अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे।

ट्रंप प्रशासन ने दुनियाभर में यूएसएड के कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजा

- आनलाइन पोस्ट के जरिये कर्मचारियों को दिया गया नोटिस
- नोटिस में घर लौटने के लिए 30 दिन का समय दिया गया

वाशिंगटन, एपी: ट्रंप प्रशासन ने विश्व भर में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) एजेंसी के प्रत्यक्ष कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया है। उन कर्मियों को इससे अलग रखा गया है, जिन्हें जरूरी माना गया है। इस कदम से यूएसएड के विदेश में छह दशक से चल रहे मिशन पर व्यापक असर पड़ा है। मंगलवार को आनलाइन पोस्ट किए गए नोटिस में कर्मियों को घर लौटने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है। वाशिंगटन में भी यूएसएड के सैकड़ों कर्मियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है।

यूएसएड कार्यक्रम के तहत, 120 देशों में विभिन्न योजनाएं चल रही हैं। 2023 में इस एजेंसी के कार्यक्रम के तहत विभिन्न देशों और संस्थाओं को 72 अरब डालर की मदद दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद एलन मस्क को तकरीबन सभी अमेरिकी विदेशी सहायता की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। ट्रंप की ओर से विदेशी सहायता पर रोक लगाए जाने के बाद हजारों यूएसएड कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया गया और इसके कार्यक्रम बंद कर दिए गए। मस्क की टीम ने यूएसएड की वेबसाइट को आफलाइन कर दिया था, पर मंगलवार को वेबसाइट बहाल कर दी गई, जिस पर एजेंसी के वैश्विक कर्मचारियों को वापस बुलाने या बर्खास्त करने का नोटिस पोस्ट था। ट्रंप सरकार खर्चों में कटौती के अभियान के तहत विदेशी मदद बंद करेगी।

वाशिंगटन में 'यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट' मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करते लोग। एएफपी

भारत को जख्म देने वाले आतंकी संगठन को मदद देता रहा है यूएसएड

- जांच के दायरे में आने के बावजूद पाकिस्तान स्थित एफआइएफ का किया है वित्त पोषण
- लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है एफआइएफ, अमेरिका सरकार ने लगाया था प्रतिबंध

जेएनएन, नई दिल्ली

अमेरिकी सरकार के वैधानिक निकाय यूएस एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) से प्राप्त धन का उपयोग भारत विरोधी संगठन के वित्त पोषण में भी किया गया जिसे खुद अमेरिकी सरकार ने आतंकी संगठन घोषित किया है। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआइएफ) को वित्त पोषण का मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकारी आदेश के जरिये यूएसएड को बंद करना शुरू कर दिया है।

एफआइएफ और लश्कर मुंबई पर 26/11 के आतंकी हमले में शामिल थे जिसमें पाकिस्तानी आतंकियों ने छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों की हत्या कर दी थी। आश्चर्य की बात यह है कि आतंकी संगठनों से जुड़ी इस्लामिक धर्मार्थ संस्था को वित्त पोषण की जांच के दायरे में आने के बावजूद यूएसएड ने उसे धन जारी करना जारी रखा। अब यूएसएड पर ट्रंप के कार्यकारी आदेश की तलवार लटक रही है, लेकिन इस कारण भारत में भी कई परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

दुनियाभर में एनजीओ को फंड करने वाली यूएसएड के लाभार्थियों में से एक एफआइएफ है। आश्चर्यजनक यह भी है कि अमेरिकी करदाताओं के पैसे का उपयोग ऐसे संगठन को वित्त पोषित करने में किया गया जिसे अमेरिकी सरकार ने 2010 में प्रतिबंधित कर दिया था। एफआइएफ को प्रतिबंधित करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के दस्तावेज के अनुसार, 'एफआइएफ पाकिस्तान स्थित संगठन है जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा एवं उसके मानवता के मुखौटे जमात-उद-दावा (जेयूडी) से करीब से जुड़ा है। संक्षेप में एफआइएफ ही नए नाम से जेयूडी है जिसे 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमलों से जुड़ी जांच एवं प्रतिबंधों से बचने के लिए बनाया गया है।' अमेरिका की आधे से अधिक विदेशी सहायता यूएसएड के जरिये दी जाती है, लेकिन इस एजेंसी ने एफआइएफ पर अपनी ही सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर आंखें मूंदे रखीं। यूएसएड द्वारा एफआइएफ को सहायता मिशिगन स्थित मुस्लिम धर्मार्थ संस्था 'हेल्पिंग हैंड फार रिलीफ एंड डेवलपमेंट' (एचएचआरडी) के जरिये दी गई जिसके दक्षिण एशिया में संचालित जिहादी संगठनों के साथ संबंध रहे हैं।

****

चैंपियंस ट्राफी का प्रदर्शन तय करेगा दिग्गजों का भविष्य

रोहित-विराट सहित सीनियर खिलाड़ियों पर होगी नजर, लगातार खराब प्रदर्शन से आगे की राह है कठिन

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

नई दिल्ली: रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम गुरुवार को इंग्लैंड के विरुद्ध तीन वनडे की सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी और उसके बाद दुबई में चैंपियंस ट्राफी खेलेगी। वनडे सीरीज और उसके बाद चैंपियंस ट्राफी का प्रदर्शन रोहित शर्मा और विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का भविष्य तय करेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के पदाधिकारी इस पर भले ही कुछ नहीं बोल रहे हों लेकिन चयनकर्ताओं और मुख्य कोच गौतम गंभीर को ऐसे संकेत दे दिए गए हैं कि वे टीम भारत के बेहतर के लिए किए जाने वाले कोई भी फैसले को ले सकते हैं।

इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्राफी के लिए जब मुंबई में बीसीसीआइ मुख्यालय में लगभग ढाई घंटे तक चयनसमिति की बैठक चली थी तब भी उस पर चर्चा का केंद्र उप कप्तानी थी। उस बैठक में मुख्य कोच गौतम गंभीर हार्दिक को उपकप्तान के तौर पर चाहते थे जबकि रोहित और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर शुभमन को लेकर अड़े रहे थे। रोहित और विराट के भविष्य पर सवाल पूछने पर टीम प्रबंधन से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि अब आगे बढ़ने का समय है। आपने बार्डर-गावस्कर ट्राफी के प्रदर्शन को देखा है? आपने रणजी में उनके प्रदर्शन को देखा है? इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्राफी तक रुक जाएं।

वहीं बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा कि अभी कहना जल्दबाजी होगा लेकिन अगर इन दोनों सीरीज में भी खराब प्रदर्शन होता है तो रास्ते खुले हैं। क्या बीसीसीआइ इन खिलाड़ियों से कुछ कहेगा तो इस पर सूत्र ने कहा कि ये काम चयनकर्ताओं और मुख्य कोच कहा है कि वे भविष्य की टीम को कैसे देखते हैं। उन्हें इस बात का पूरा अधिकार है। बीसीसीआइ किसी को संन्यास के लिए नहीं कहता लेकिन किसे चुनना है, किसे नहीं चुनना है ये चयनकर्ताओं का अधिकार है।

क्या होगा भविष्य: रोहित और विराट टी-20 प्रारूप छोड़ चुके हैं। विराट का वनडे में प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन टेस्ट में वह पिछले पांच-छह साल में 30-35 के औसत से रन बना पा रहे हैं। रोहित का भी टेस्ट में प्रदर्शन औसत रहा है। बार्डर-गावस्कर ट्राफी में तो तीन मैच में वह सिर्फ 31 रन बना पाए थे जिसके बाद उन्हें सिडनी टेस्ट से खुद को ड्राप करना पड़ा था। विराट ने वहां एक शतक जरूर ठोका लेकिन वह आफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर इतना आउट हुए कि टीम बस का ड्राइवर भी रेलवे के गेंदबाज हिमांशु सांगवान को पांचवें स्टंप पर गेंद फेंकने की सलाह देने से नहीं चूका। न्यूजीलैंड से 0-3 से घर पर पहली बार टेस्ट सीरीज हारने, 12 साल बाद आस्ट्रेलिया में 1-4 से टेस्ट सीरीज हारने के बाद बीसीसीआइ ने सभी स्टार खिलाड़ियों का रणजी खेलना अनिवार्य किया। रोहित उसमें एक पारी में तीन तो दूसरी पारी में 28 रन बना पाए जबकि विराट का रेलवे के विरुद्ध छह रन पर डंडा उड़ गया। अगर चैंपियंस ट्राफी में भारतीय टीम के साथ दिग्गजों का प्रदर्शन खराब रहता है तो एक बार आपको फिर से हार्दिक पांड्या कप्तान बनते हुए दिख सकते हैं। गिल को भले ही अभी वनडे का उपकप्तान बनाया गया है लेकिन रोहित 2024 में टी-20 विश्व कप में हार्दिक के उप कप्तान होने के बावजूद बाद में सूर्य कुमार यादव को कप्तान बनाया गया था। सूर्य का भी प्रदर्शन खराब रहा है। ऐसे में हार्दिक फिर से टी-20 में भी कप्तान के तौर पर वापसी कर सकते हैं। बीसीसीआइ पर वर्चस्व करने वाले कुछ लोग और गंभीर का यह मानना है कि हार्दिक के साथ इतिहास में काफी कुछ खराब हुआ। उन्हें फिटनेस के आधार पर कप्तानी नहीं दी गई जबकि उनका प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है।

अभ्यास के लिए जाते कप्तान रोहित शर्मा ● प्रेट्र

मैं अपने भविष्य पर बात करना नहीं चाहता: रोहित

नागपुर, प्रेट्र : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे समय में उनके करियर के बारे में बात करना अप्रासंगिक है जब उनका ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मुकाबलों और चैंपियंस ट्राफी पर है। रोहित ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, जब तीन वनडे और चैंपियंस ट्राफी का आयोजन होना है तो मेरे लिए अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करना कितना प्रासंगिक है। मेरे भविष्य पर खबरें कई वर्षों से चल रही हैं और मैं उन खबरों पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं हूं। मेरे लिए तीन मैच और चैंपियंस ट्राफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन मुकाबलों पर है और मैं देखूंगा कि इसके बाद क्या होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं लेकिन ऐसी खबरें हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने उनसे चैंपियंस ट्राफी के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताने को कहा है।

टेस्ट में क्या होगा, ये भी तय करेगी चैंपियंस ट्राफी

भारतीय टीम पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से बाहर हुई और उसके बाद से बीसीसीआइ का सोचने का तरीका बदल गया। आस्ट्रेलिया में हार के बाद मुंबई में एक समीक्षा बैठक हुई थी जिसमें बीसीसीआइ पदाधिकारियों ने कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर से सवाल पूछे थे। उस बैठक में भारतीय टेस्ट व वनडे टीम के भविष्य के कप्तान को लेकर भी चर्चा हुई थी। उस समीक्षा बैठक से जो निचोड़ निकला था उससे ये पता चलता है कि अगर चैंपियंस ट्राफी में टीम का प्रदर्शन खराब रहता है तो आइपीएल के बाद होने वाले पांच टेस्ट के इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम नए कप्तान के साथ जाएगी। अगर जसप्रीत बुमराह फिट रहे तो वही कप्तान होंगे। केएल राहुल या यशस्वी जायसवाल उस दौरे पर उपकप्तान बनने की रेस में होंगे। बहुत सारे प्रशंसकों का मानना है कि विराट को इंग्लैंड दौरे पर जाने से कोई नहीं रोक सकता लेकिन टीम के अंदरूनी लोगों से बात करने पर पता चलता है कि उनके लिए यह राह बहुत-बहुत कठिन होने वाली है। फिलहाल वनडे प्रारूप में उनकी जगह पर कोई संकट नहीं है।

अभ्यास करते विराट कोहली ● प्रेट्र

पहले वनडे में विकेटकीपिंग में राहुल को मिल सकता है मौका

नागपुर, प्रेट्र : टी-20 सीरीज में जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम जब गुरुवार को इंग्लैंड के विरुद्ध पहले वनडे में उतरेगी। कोच गौतम गंभीर मैचों की इस सीरीज से चैंपियंस ट्राफी के लिए उचित संयोजन भी तैयार करना चाहेंगे। भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फार्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस पर भी काफी माथापच्ची करनी होगी कि रिषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की भूमिका कौन निभाएगा। हालांकि कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिए हैं कि सीरीज में राहुल उनकी पहली पसंद हैं। पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी तथा उन्होंने 452 रन बनाए थे। उनकी उपस्थिति में टीम का अच्छा संतुलन बना लेकिन बीच के ओवरों में लगातार स्ट्राइक रोटेट करने में उनकी विफलता चिंता का विषय होगी। हालांकि पंत ने लंबे समय से वनडे क्रिकेट नहीं खेला है और वह टेस्ट और टी-20 टीम का हिस्सा हैं। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे में पंत बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण उसमें विविधता लाते हैं। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में वह टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

रोहित और उपकप्तान शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक का नंबर आता है। अगर भारतीय प्रबंधन पंत और केएल के साथ उतरता है तो फिर श्रेयस अय्यर को बाहर बैठना पड़ सकता है। इंग्लैंड के विरुद्ध सीरीज से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से उबर कर वापसी कर रहे हैं। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां वनडे में पदार्पण का मौका मिल सकता है और वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर चैंपियंस ट्राफी के लिए दावा पेश कर सकते हैं। टीम प्रबंधन को स्पिन आलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जडेजा ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है।

बटलर बोले, भारत दौरा चैंपियंस ट्राफी की तैयारियों के लिए सर्वोत्तम : इंग्लैंड की टीम भारत के वर्तमान दौर में अभी तक भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है लेकिन उसके कप्तान जोस बटलर ने इसे चैंपियंस ट्राफी की तैयारी के लिहाज से सर्वोत्तम करार दिया क्योंकि यहां की परिस्थितियां पाकिस्तान से काफी मिलती-जुलती हैं जहां टीम टूर्नामेंट के अपने अधिकतर मैच खेलेगी। बटलर ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा, जैसा कि किसी भी टूर्नामेंट के लिए तैयारी की जाती है, मुझे लगता है कि भारत से उसके घरेलू मैदानों पर मुकाबला करना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है।

अभ्यास के दौरान केएल राहुल ● प्रेट्र

इंग्लैंड के विरुद्ध पहला वनडे मुकाबला आज, चैंपियंस ट्राफी की टीम तैयार करने पर भारत की नजरें

2023 में राहुल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी तथा उन्होंने 452 रन बनाए थे

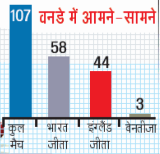

टीमें

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रिषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, मार्क वुड।

एक नजर में

एशले गार्डनर होंगी गुजरात जायंट्स की कप्तान

अहमदाबाद: गुजरात जायंट्स ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए आस्ट्रेलिया की आलराउंडर एशले गार्डनर को अपनी टीम का कप्तान नियुक्त किया है। 27 वर्षीय गार्डनर ने बेथ मूनी की जगह ली है, जो अब केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करेंगी। डब्ल्यूपीएल 14 फरवरी से शुरू होगा जिसमें पहला मैच गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच खेला जाएगा। गुजरात जायंट्स की टीम पहले दो सत्रों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी तथा वह पांचवें और अंतिम स्थान पर रही थी। (प्रेट्र)

आइओए के हस्तक्षेप पर आइजीएफ ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आइजीएफ) ने भारतीय गोल्फ संघ (आइजीयू) चुनावों में भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) के हस्तक्षेप और हरीश शेट्टी के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट को मान्यता देने पर कड़ी आपत्ति जताई है। आईओए ने 30 दिसंबर को जारी एक पत्र में ब्रिजिंदर सिंह की अगुवाई वाली संस्था को अमान्य घोषित करते हुए शेट्टी के नेतृत्व वाले आईजीयू को मान्यता दे दी थी। आइओए अध्यक्ष पीटी उषा को कड़े शब्दों में लिखे पत्र में आइजीएफ के कार्यकारी निदेशक एंटनी स्कैनलान ने कहा कि विश्व संस्था 15 दिसंबर को हुए चुनाव में सिंह गुट की जीत का पूरा समर्थन करती है। (प्रेट्र)

सन ग्रुप ने सुपरचार्जर्स में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली: सनराइजर्स हैदराबाद के स्वामित्व वाले सन ग्रुप ने इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में नार्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी खरीदी। सन ग्रुप ने 100 मिलियन पाउंड (लगभग 1092 करोड़ रुपये) के मूल्यांकन पर 49 प्रतिशत हिस्सेदारी ली है। यह छठी फ्रेंचाइजी है, जिसकी हिस्सेदारी इंग्लैंड एव वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेची है। अभी दो टीमें ट्रेंट राकेट्स और सदर्न ब्रेव्स को बेचा जाना बाकी है। सनराइजर्स हैदराबाद तीसरी आइपीएल फ्रेंचाइजी है, जिसकी अब इस 100 गेंद वाली लीग में भी टीम होगी। (जेएनएन)

दूसरे वनडे की टिकट खरीदने के दौरान भगदड़, कई प्रशंसक घायल

स्टेडियम में भारत इंग्लैंड मैच के लिए टिकट खरीदने को लगी भीड़ और उसे नियंत्रित करने का प्रयास करती पुलिस ● जागरण

जासं, कटक (ओडिशा): कटक के बाराबती स्टेडियम में भारत-इंग्लैंड के बीच नौ फरवरी को खेले जाने वाले वनडे मैच के लिए टिकट खरीदने की होड़ में बुधवार को भगदड़ मच गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

पिछले दिनों टिकट की आनलाइन बिक्री के लिए पोर्टल खुलने के कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बिक जाने के बाद खेल प्रेमियों को स्टेडियम के टिकट काउंटर से टिकट मिलने की उम्मीद थी। इस बाबत बुधवार की सुबह से ही काउंटर पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ लोग काउंटर के ऊपर भी चढ़ गए थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जब हल्का बल प्रयोग किया तो लोग इधर-उधर भागने लगे। इस भगदड़ के कारण जहां कई लोग घायल हो गए, वहीं कुछ लोग गर्मी के कारण बेहोश होकर गिर पड़े। काउंटर से होने वाली कुल 11 हजार 500 टिकटों की बिक्री को लेकर मंगलवार की रात से ही हजारों खेल प्रेमी कतारबद्ध थे। सुबह संख्या बेतहाशा बढ़ गई, जिसे नियंत्रित करने में वहां तैनात पुलिसकर्मियों के पसीने छूटने लगे और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई।

हरियाणा और मुंबई का क्वार्टर फाइनल अब कोलकाता में होगा

रणजी का रण

मुंबई, प्रेट्र: गत चैंपियन मुंबई और हरियाणा के बीच रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल मैच रोहतक के लाहली के बजाय कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल मैच आठ से 12 फरवरी के बीच पांच दिन तक खेले जाएंगे। मुंबई और हरियाणा के बीच मैच के स्थल में बदलाव का कोई कारण नहीं बताया गया है लेकिन पता चला है कि उत्तर भारत में सुबह के समय धुंध के कारण खेल प्रभावित हो सकता है और इसलिए यह फैसला किया गया।

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने बुधवार को बताया, हमें बीसीसीआइ से सूचना मिली है कि हरियाणा के विरुद्ध हमारा क्वार्टर फाइनल ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। अन्य तीन क्वार्टर फाइनल राजकोट (सौराष्ट्र बनाम गुजरात), नागपुर (विदर्भ बनाम तमिलनाडु) और पुणे (जम्मू-कश्मीर बनाम केरल) में खेले जाएंगे।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर

दुबई, प्रेट्र : बेहतरीन फार्म में चल रहे भारत के आरंभिक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 38 स्थान की लंबी छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए जबकि टीम के उनके साथी तिलक वर्मा एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर हैं। अभिषेक ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 135 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर भारत को 4-1 से श्रृंखला जीताने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने 54 गेंद की अपनी पारी में 13 छक्के मारे। यह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी का सर्वोच्च स्कोर है।

आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड (855 अंक) सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं लेकिन वानखेड़े में रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद अभिषेक उनसे सिर्फ 26 रेटिंग अंक पीछे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पांचवें स्थान पर हैं। हार्दिक पांड्या (51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (58वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत के वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड सीरीज में 14 विकेट चटकाने के बाद आदिल राशिद के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। अर्शदीप सिंह भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हैं।

क्रिकेट डायरी

अभिषेक शर्मा ● एएफपी

भारतीय अंपायर नितिन मेनन चैंपियंस ट्राफी से हटे

आइसीसी के एलीट पैनल के अंपायरों में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि नितिन मेनन ने व्यक्तिगत कारणों से चैंपियंस ट्राफी में अंपायरिंग से बाहर होने का विकल्प चुना है। आइसीसी ने बुधवार को 15 मैच अधिकारियों की सूची की घोषणा की। आस्ट्रेलिया के के डेविड बून, श्रीलंका के रंजन मदुगले और जिंबाब्वे के एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट को आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए मैच रेफरी के रूप में नामित किया गया है। अंपायरों में कुमार धर्मसेना, क्रिस गैफनी, माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टाक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, अहसान रजा, पाल रीफेल, शरीफुद्दौला इब्ने शाहिद, राड्नी टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन शामिल हैं।

ओलिंपियन बलराज पंवार चमके, सुरुचि ने जीता स्वर्ण पदक

देहरादून, प्रेट्र: पिछले साल चीन में एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूकने वाले पेरिस ओलिंपियन बलराज पंवार ने बुधवार को राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की सिंगल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा में जन्मे पंवार ने सेना के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए सात मिनट और 26.68 सेकेंड में दो किमी की दूरी पूरी कर अपने स्वर्ण पदक का बचाव किया। उत्तराखंड के नवदीप सिंह (7:41.17) और महाराष्ट्र के गुरु प्रताप सिंह (8:04.01) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता।

वहीं, निशानेबाजी में सुरुचि ने 245.7 अंक के साथ महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता तो हरियाणा की ही पलक ने 243.6 अंक के साथ रजत जीता, जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर ने 218.8 अंक के साथ कांस्य जीता। पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन हालेप ने लिया संन्यास

टेनिस डायरी

बुखारेस्ट, एपी: दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने मंगलवार को अपने देश रोमानिया में एक टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद 33 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास की घोषणा की।

सिमोना हालेप ने रोमानिया के क्लुज में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में लूसिया ब्रान्जेटी से 6-1, 6-1 की हार के बाद कहा, मैं नहीं जानती कि मैं दुख के साथ या खुशी के साथ यह घोषणा कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं दोनों को महसूस कर रही हूं लेकिन इस फैसले से मुझे शांति मिली है। मैं हमेशा यथार्थवादी रही हूं। मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा। भले ही मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन मैं आपके सामने खेलकर टेनिस को अलविदा कहना चाहती थी।

33 वर्षीय हालेप ने 2019 में विंबलडन और 2018 में फ्रेंच ओपन का खिताब जीता

हालेप 2017 में पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची थी लेकिन अभी वह 870वें स्थान पर हैं। उन्हें रोमानिया में इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। अपने करियर में चोटों से जूझने और डोपिंग के कारण निलंबन झेलने वाली हालेप एक समय महिला टेनिस में शीर्ष पर थीं। उन्होंने 2019 में विंबलडन में फाइनल में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को और 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को फाइनल में हराकर ग्रैंडस्लैम सिंगल्स खिताब जीते थे।

सिमोना हालेप ● रायटर

कार्लोस अलकराज और रूने दूसरे दौर में पहुंचे

रोटर्डम: शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने बुधवार को रोटर्डम ओपन में कड़े मुकाबले में नीदरलैंड्स के वान डि जेंड्सचुल्प को हराकर रोटर्डम ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। अलकराज ने 7-6(3), 3-6, 6-1 से जीत हासिल करते हुए पिछले वर्ष यूएस ओपन में डच खिलाड़ी से मिली हार का भी बदला ले लिया। अगले दौर में अलकराज का सामना एंड्रिया वावसोरी या फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से होगा। अन्य मुकाबले में होल्गर रूने ने आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले लोरेंजो सोनेगो को 7-6(4), 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल रोटर्डम के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबालर : रोनाल्डो

मैड्रिड, एपी: पुर्तगाल के स्टार फुटबाल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खुद को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबालर बताया है। रीयल मैड्रिड के पूर्व स्ट्राइकर और अब सऊदी अरब के क्लब अल नस्र के लिए खेल रहे रोनाल्डो बुधवार को 40 वर्ष के हो गए।

रोनाल्डो ने स्पेनिश टीवी चैनल ला सेक्स्टा के साथ साक्षात्कार में कहा, 'मैं फुटबाल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हूं। हालांकि मैं बाएं पैर का अधिक इस्तेमाल नहीं करता लेकिन बाएं पैर से गोल करने के मामले में मैं इतिहास में शीर्ष 10 में हूं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मैं अब तक का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी हूं। मैं खेल में अपने दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करता हूं। मैं अच्छी फ्री किक लेता हूं। मैं तेज दौड़ लगाता हूं। मैं दमदार हूं। मैं अच्छी कूद लगाता हूं। मैंने खुद से बेहतर किसी को नहीं देखा।

पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में सर्वाधिक 217 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 135 गोल दर्ज हैं जो विश्व रिकार्ड है। रोनाल्डो ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्हें लगता है कि वह फुटबाल के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। जब भी उनसे इस चर्चा के बारे में पूछा गया कि उनमें और लियोन मेसी में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो उन्होंने हमेशा अर्जेंटीना के खिलाड़ी की प्रशंसा की लेकिन वह खुद को बेहतर बताने से भी पीछे नहीं हटे।

217 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रोनाल्डो के नाम दर्ज हैं सर्वाधिक 135 गोल

10 हैट्रिक लगाई है रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय मैचों में

112 गोल के साथ मेसी सर्वाधिक गोल की सूची में दूसरे

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ● एपी

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
तकनीक की दुनिया का
गुरुवार, 6 फरवरी, 2025

इंटरनेट मीडिया के जरिए टिप्स देने वाले फिन-इन्फ्लुएंसर्स पर सेबी ने सख्त रुख अपनाते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप्प या टेलीग्राम चैनल पर विश्वास करके अपने धन का प्रबंधन करना कितना सही है, क्यों जरूरी है सतर्कता, बता रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र...

आपका पैसा और इंटरनेट मीडिया की सलाह

फोटो : फ्री पिक

फिन-इन्फ्लुएंसर

आज इंटरनेट मीडिया हर जगह और हर काम के लिए उपलब्ध है। सूचनाओं को साझा करने से लेकर शापिंग तक सब कुछ इसके जरिए हो रहा है। लेकिन, स्क्राल करते हुए किसी बात पर विश्वास कर लेना, आपके लिए जोखिम भरा भी हो सकता है, खासकर जब बात आपके पैसों से जुड़ी हो। दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट मीडिया का विश्वास हमारी वित्तीय सेहत को खराब कर सकता है। यह हमारे पैसों के प्रबंधन को मुख्यतः दो तरह से प्रभावित करता है, पहला इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर दिखावटी जीवनशैली का आकर्षण और दूसरा निवेश के जरिए कम समय में अच्छा रिटर्न पाने का चमत्कारिक फार्मूला। इन दोनों ही तरीकों से यूजर्स के साथ न केवल भावनात्मक खिलवाड़ होता है, बल्कि साइबर ठगी के भी कई मामले सामने आ चुके हैं।

फिन-इन्फ्लुएंसर का प्रभाव : जाहिर है कि आमदनी के साथ खर्च में भी वृद्धि होती है, लेकिन आपके इस निर्णय को अब इन्फ्लुएंसर प्रभावित करने लगे हैं। इंटरनेट मीडिया के जरिए 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' में फंसना बहुत ही आम है, क्योंकि इसका फीड ही इसी उद्देश्य से क्यूरेट किया जाता है, जहां लक्जरी वैकेशन, डिजाइनर वार्डरोब, पार्टी से जुड़े फोटो और वीडियो खूब दिखते हैं। ये सभी आपकी खर्च की आदतों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे वित्तीय स्थिरता और वित्तीय लक्ष्य दोनों पर असर पड़ता है। यहीं शुरू होती है फिन-इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका, जो हमें पर्सनल फाइनेंस, क्रेडिट, शार्ट टर्म लोन और पैसों का प्रबंधन सिखाने लगते हैं।

सावधानी में समझदारी

रिटर्न की गारंटी : निवेश के कुछ मामलों को छोड़ दिया जाए तो यहां गारंटी जैसा दावा हमेशा गलत ही होता है। निवेश की प्रकृति ही जोखिम भरी है। जोखिम जितना बड़ा होगा, लाभ या हानि की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

फाइनेंशियल कोर्सेज : निवेश से जुड़े कुछ कोर्स उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन आनलाइन किसी 'एक्सपर्ट' से सलाह लेने से पहले आश्वस्त होना जरूरी है कि क्या वह व्यक्ति वास्तव में विशेज्ञता रखता है।

पैसे बनाने की स्कीम : हमें समझना होगा कि पैसा बनाने का कोई शार्टकट फार्मूला नहीं होता है। अगर कोई अमीर बनने का तरीका बता रहा है, तो आपके लिए हो या न हो, उसके लिए तो अमीर बनने का यह फार्मूला जरूर है।

फाइनेंशियल प्रोडक्ट की सेलिंग : कोई इन्फ्लूएंसर क्रेडिट कार्ड, क्रिप्टोकरेंसी या अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट बेच रहा है तो उसके बारे में सभी जानकारियों को पहले जुटाना चाहिए, फिर विश्वास करना चाहिए।

जरूरी है विशेषज्ञ की सहायता

बाजार का प्रदर्शन अप्रत्याशित होता है और इसके उतार-चढ़ाव पर निवेशक का नियंत्रण नहीं होता। ऐसे में बिना अनुभव वाले व्यक्ति से यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर सलाह पाकर निवेश करना खतरनाक हो सकता है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो 2018 से 2022 तक फिन-इन्फ्लुएंसर की सलाह पर निवेश किए गए 72 प्रतिशत स्टाक में घाटा हुआ है। कम समय में सुपर हाइ रिटर्न का खेल वाट्सएप्प और टेलीग्राम चैनल पर भी खूब होता है। आम तौर पर जान-पहचान के व्यक्ति को लोग थोड़े से पैसे देने से हिचकते हैं वहीं यहां अनजान व्यक्ति की सलाह पर लोग लाखों रुपये दांव पर लगा बैठते हैं। सेबी की रिपोर्ट बताती है कि 2022-24 के दौरान फ्यूचर्स एंड आप्शंस (एफ एंड ओ) ट्रेडिंग में 93 प्रतिशत व्यक्तिगत निवेशकों को घाटा उठाना पड़ा है। ऐसे में स्वयं के विवेक और वित्त विशेषज्ञ की सलाह पर ही फैसला करना बेहतर होगा।

कितनी सही है निवेश सलाह

वित्तीय साक्षरता और पैसों के प्रबंधन में अनुभव की कमी रखने वालों के लिए इंटरनेट मीडिया पर सलाह की भरमार है। यही वर्ग फिन-इन्फ्लुएंसर के टारगेट आडियंस भी हैं। बीते दिसंबर में सेबी (सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया) ने नौ से अधिक फिन-इन्फ्लुएंसर पर अर्थदंड लगाते हुए उन्हें बैन कर दिया था। दरअसल, कंटेंट क्रिएटर्स स्वयं को 'मनी एक्सपर्ट' के तौर पर पेश करते हुए फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स के जरिए भी यूजर्स को आकर्षित करते हैं। इनके लाखों की संख्या में फालोअर्स होते हैं। इंटरनेट मीडिया का यह 'सलाह बाजार' अंततः निवेशकों के लिए घाटे का ही सौदा साबित होता है। इंटरनेट मीडिया पर फाइनेंस के अच्छे सलाहकार भी हैं, पर मिसइन्फार्मेशन की इस दौड़ में वे अक्सर थकते हुए नजर आते हैं, जबकि फाइनेंस के अल्पज्ञता वाले मार्केटिंग के दम पर कहीं अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

साइबर सुरक्षा

फोन काल फ्राड से बचने का क्या है उपाय

अचानक आपके बैंक से काल आए और आपसे कहा जाए कि आपके बैंक खाते से गलत ट्रांजैक्शन हो गया है। जाहिर है कि एक पल के लिए आप घबरा जाएंगे और ट्रांजैक्शन को रोकने के लिए फोन पर दिए जा रहे हर दिशा-निर्देश का पालन करने लगेंगे। ऐसी दशा में आपका पैसा सुरक्षित तो नहीं ही होगा, बल्कि वह साइबर ठगों के हाथ जरूर लग जाएगा। एक ही ऐसी ही घटना बेंगलुरु की एक महिला के साथ हुई। बैंक के नाम से एक आइवीआर (इंटरैक्टिव वायस रिस्पांस) काल में महिला को बताया गया कि उनके खाते से दो लाख रुपये की निकासी हो गई है। निकासी की पुष्टि के लिए 'तीन' और रोकने के लिए 'एक' दबाने के लिए कहा गया। वायस मैसेज के बार-बार दोहराए जाने के बाद महिला ने ट्रांजैक्शन रोकने के लिए 'एक' दबा दिया। फोन डिसकनेक्ट हुआ और उनके खाते से दो लाख रुपये की निकासी हो गई।

फोन काल से धोखाधड़ी : आइवीआर काल से होने वाले ज्यादातर स्कैम में साइबर अपराधी वायस मैसेज के जरिए क्रिडेंशियल की मांग करते हैं। खासकर, डेबिट कार्ड के अंतिम चार अंकों, बैंक अकाउंट नंबर, जन्मतिथि या ई-मेल आइडी या अन्य कोई संवेदनशील जानकारी दर्ज करने को कहा जाता है, जिससे आमतौर पर आनलाइन बैंकिंग को आथेंटिकेट किया जाता है। यूजर द्वारा जानकारी साझा किए जाने के बाद ही बैंक अकाउंट में सेंध होती है। महिला द्वारा कैसी और किस तरह से जानकारी साझा हुई, यह भी सवाल खड़े करती है। ऐसे में अगर आइवीआर काल के जरिए आपको गलत ट्रांजैक्शन को लेकर आगाह किया जाता है तो थोड़ा ठहर कर अपने बैंक से संपर्क करना चाहिए। काल किसी भी तरह की हो, आपको ओटीपी, पिन या अकाउंट नंबर आदि साझा नहीं करना चाहिए। ऐसी दशा में आफिशियल हेल्पलाइन या बैंक ब्रांच की ही मदद लेनी चाहिए।

फोन काल फ्राड के संकेतों को समझें

- अनजान नंबर से अचानक काल आए और सरकारी एजेंसी या संस्था होने का दावा करे तो सतर्क हो जाएं।
- संवेदनशील जानकारियों को साझा करने या तुरंत पेमेंट करने का दबाव बनाए तो उसे नजरअंदाज करें।
- वैध संस्थाओं की तरफ से कभी भी फोन पर आपसे आधार, पैन नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल या पासवर्ड की मांग नहीं की जाती।
- मांग पूरी नहीं होने पर अपराधी कानूनी कार्रवाई, गिरफ्तारी जैसी धमकियां देते हैं, इन बातों पर विश्वास करने से बचें।
- पेनाल्टी से बचने के लिए अगर आपको जल्दबाजी दिखाई जाए तो भी सतर्क हो जाएं।
- आपकी डिवाइस का अगर कोई रिमोट एक्सेस मांगे, तो उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए।
- निजी जानकारियों या भुगतान के एवज में कोई अवार्ड या प्राइज का आफर करे तो उस विश्वास न करें।

ब्रह्मानंद मिश्र

टेक अपडेट

एआइ चैटबाट के लिए नया टैब

एंड्रायड वर्जन के लिए वाट्सएप्प नए एआइ टैब का परीक्षण कर रहा है। डब्ल्यूएबीटाइन्फो के अनुसार, यह फीचर जल्द ही बीटा स्टेज में दिख सकता है। वाट्सएप्प अभी मेटा एआइ चैटबाट को सपोर्ट करता है, जिससे अनेक प्रश्नों का जवाब जानने के साथ-साथ इमेज भी तैयार कर सकते हैं। मैसेजिंग एप पर नया टैब आने से एआइ के अलग-अलग फीचर्स का लाभ उठाया जा सकेगा। साथ ही, अन्य चैटबाट की सुविधाएं भी मिल सकेंगी। वाट्सएप्प एआइ चैटबाट के साथ थर्ड पार्टी डेवलपर्स द्वारा पेश किए जाने वाले चैटबाट के अलग-अलग फीचर्स मिलेंगे। मेटा चैटबाट लामा 3 माडल का उपयोग करके अनेक तरह के प्रश्नों पर प्रतिक्रिया देता है। क्षमता के मामले में इसकी तुलना चैटजीपीटी 4ओ और डीपसीक आर1 माडल से की जाती है।

एआइ अपडेट

डाटा विश्लेषण करेगा 'डीप रिसर्च'

चीनी एआइ माडल डीपसीक की चर्चाओं के बीच ओपनएआइ ने अपने नए एआइ टूल डीप रिसर्च को पेश किया है, जो एनालिस्ट-ग्रेड रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम है। ओपनएआइ की मानें तो डीप रिसर्च एक ऐसा टूल है जो इंटरनेट से सूचनाओं को एकत्र कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार सकता है। इससे पहले दावा किया गया था कि डीपसीक का रीजनिंग माडल आर1 प्रदर्शन के मामले में ओपनएआइ के ओ1 माडल को टक्कर दे रहा है, जबकि यह अपेक्षाकृत कम एडवांस ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) का प्रयोग करता है और लागत भी बहुत कम है। इसी महीने ओपनएआइ के एआइ एजेंट 'आपरेटर' को भी लांच किया गया था। मोल्टीमोडल एलएलएम जीपीटी 4ओ पर आधारित डीप रिसर्च टूल वेब ब्राउजिंग के साथ-साथ डाटा एनालिसिस के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

स्मार्ट टिप्स

कैसे चुनें अच्छे कैमरे वाले मोबाइल फोन

नया फोन खरीदते समय सबसे पहले लोग कैमरा क्वालिटी पर ध्यान देते हैं। एडवांस स्मार्टफोन कैमरा तकनीक से अब हाइ-क्वालिटी फोटो और वीडियो कैप्चर करना काफी आसान हो गया है। लेकिन, कई सारे विकल्पों के बीच सही कैमरा फोन चुनना थोड़ा मुश्किल होता है। आइए जानें कैसे आप चुन सकते हैं सही कैमरा फोन...

सबसे पहले यह तय करें कि आपको किस तरह की फोटोग्राफी पसंद है। क्या बस यादगार पलों को कैद करना है या फिर प्रोफेशनल क्वालिटी फोटोग्राफी करनी है। अगर आपको सिर्फ अच्छी तस्वीरें चाहिए, तो मिड-रेंज फोन भी अच्छा रहेगा, लेकिन अगर आपको बेहतरीन कैमरा क्वालिटी चाहिए, तो फिर फ्लैगशिप फोन का रुख करना होगा।

पिक्सल : ज्यादा मेगापिक्सल का मतलब बेहतर कैमरा हो, यह हमेशा जरूरी नहीं होता। अधिक मेगापिक्सल सिर्फ इमेज साइज और डिटेल को बढ़ाता है। अच्छी तस्वीरों के लिए सेंसर साइज, लेंस क्वालिटी और प्रोसेसिंग भी महत्वपूर्ण है। यदि आप इमेज को प्रिंट या क्राप करना चाहते हैं, तो हाइ-पिक्सल सेंसर उपयोगी हो सकते हैं।

सेंसर साइज : कैमरा सेंसर बड़ा होने से ज्यादा रोशनी कैप्चर होती है, जिससे तस्वीर ब्राइट आती है। खासकर कम रोशनी में बड़े सेंसर वाले कैमरा फोन बेहतर काम करते हैं। अगर आपको नाइट फोटोग्राफी पसंद है, तो बड़े सेंसर वाला फोन चुनना होगा। बड़े सेंसर इमेज में अधिक डायनामिक रेंज प्रदान करते हैं।

अपर्चर: अपर्चर यह निर्धारित करता है कि कैमरा लेंस कितना प्रकाश अंदर जाने देगा। छोटे एफ-नंबर (जैसे एफ/1.8) वाले लेंस अधिक रोशनी कैप्चर करते हैं। बड़े अपर्चर वाले मोबाइल फोन कम रोशनी में भी बेहतरीन इमेज कैप्चर करने में सक्षम होते हैं।

इमेज स्टेबिलाइजेशन: आप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन (ओआइएस) या इलेक्ट्रानिक इमेज स्टेबिलाइजेशन (ईआइएस) आपके हाथों के मूवमेंट से होने वाले धुंधलेपन को कम करते हैं। ओआइएस स्थिर वीडियो और स्पष्ट तस्वीरें लेने में उपयोगी होता है।

कैमरा मोड्स और फीचर्स: ऐसे फोन चुनें, जिनमें पोर्ट्रेट, नाइट, प्रो और मैक्रो मोड उपलब्ध हों। इसके अलावा, एआइ आधारित फीचर्स भी सीन के अनुसार सेटिंग्स को आप्टिमाइज करते हैं।

वीडियो क्षमताएं: वीडियोग्राफी के लिए 4के रिकार्डिंग, स्लो-मोशन और सिनेमैटिक स्टेबिलाइजेशन जैसे फीचर को देखें, ताकि हाइ-क्वालिटी वीडियो मिल सके।

साफ्टवेयर और प्रोसेसिंग: कैमरा हार्डवेयर के साथ-साथ साफ्टवेयर भी इमेज क्वालिटी में महत्वपूर्ण होते हैं। कुछ ब्रांड्स अपने इमेजिंग साफ्टवेयर को ऐसे आप्टिमाइज करते हैं कि कम हार्डवेयर स्पेसिफिकेशन होने के बावजूद वे शानदार रिजल्ट देते हैं। उदाहरण के लिए गूगल और एपल के फोन कुछ समय पहले तक कम मेगापिक्सल वाले कैमरों के साथ आते थे, लेकिन साफ्टवेयर आप्टिमाइजेशन अच्छा होने से इमेज क्वालिटी बेहतरीन थी। एक अच्छा कैमरा मोबाइल फोन चुनने के लिए पिक्सल, सेंसर साइज, लो-लाइट परफार्मेंस, स्टेबिलाइजेशन, कैमरा मोड और ब्रांड को देखते हुए सही निर्णय लें। अच्छी तरह रिसर्च करें, रिव्यू देखें और अगर संभव हो, तो फोन को खुद टेस्ट करें।

फोटोग्राफी के लिए जरूरी बातें

- अच्छी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए सही कैमरा, लाइटिंग, एंगल और स्टेबलाइजेशन का ध्यान रखना जरूरी है।
- फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल, डीएसएलआर या मिररलेस कैमरा जरूरत के अनुसार चुनें। यहां सेंसर साइज, अपर्चर और इमेज प्रोसेसिंग का ध्यान रखना जरूरी है।
- बेहतर फोटोग्राफी के लिए नेचुरल लाइट का उपयोग करें या स्टूडियो लाइटिंग सेटअप करें। कम रोशनी में नाइट मोड और ट्राइपाड मददगार होते हैं।
- रूल आफ थर्ड्स अपनाएं, सिंपल बैकग्राउंड रखें और लीडिंग लाइंस का उपयोग करें।
- वीडियो के लिए ट्राइपाड या गिंबल का उपयोग करें। स्टेबलाइजेशन के लिए ओआइएस या ईआइएस फीचर वाला फोन बेहतर रहेगा।
- फोटो की एडिटिंग के लिए लाइटरूम, स्नैपसीड और वीडियो के लिए प्रीमियर प्रो या कैपकट जैसे टूल्स का उपयोगी हो सकते हैं।
- आडियो क्वालिटी एक्सटर्नल माइक्रोफोन और नाइज रिडक्शन टेक्निक्स अपनाएं। इससे आप बेहतरीन फोटो और वीडियो बना सकते हैं।

संतोष आनंद

आज का भविष्यफल-06 फरवरी, 2025 गुरुवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति :
माघ शुक्ल पक्ष नवमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : दोपहर 01 बजकर 30 मिनट से 03 बजे तक।
दिशाशूल : दक्षिण
पर्व एवं त्योहार : महानंदा नवमी
विशेष : गजकेसरी योग

कल 07 फरवरी, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : पश्चिम
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष की दशमी 21 घंटे 27 मिनट तक, तत्पश्चात एकादशी रोहिणी नक्षत्र 18 घंटे 40 मिनट तक, तत्पश्चात मृगसिरा नक्षत्र ऐंद्र योग 16 घंटे 17 मिनट तक, तत्पश्चात वैधृति योग वृष में चंद्रमा 20 घंटे 22 मिनट तक तत्पश्चात मिथुन में।

मेष : आर्थिक सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
वृष : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
मिथुन : धनहानि की आशंका है। व्यर्थ की परेशानी और उलझन रहेगी। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।
कर्क : सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक व्यस्तता रहेगी। भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टदायी होगा।
सिंह : आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। महिला अधिकारी का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
कन्या : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी। बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।
तुला : व्यावसायिक सफलता मिलेगी। भाई-बहन या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।
वृश्चिक : ससुराल पक्ष का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
धनु : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक तनाव मिल सकता है। निजी सुख में व्यवधान आएगा।
मकर : व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी लेकिन बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
कुंभ : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, सम्मान, यश में वृद्धि होगी।
मीन : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। दूसरे से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।

वर्ग पहेली-2890

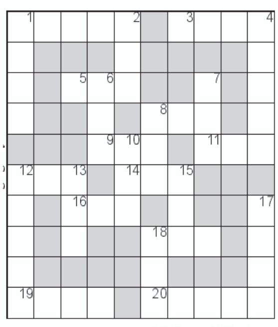

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. किसी वस्तु का प्रकाश में चमकना (5)।
3. अंत तक साथ देने वाला मित्र (4)।
5. जो कभी बूढ़ा न हो (3)।
8. सिकड़ी, सांकल (3)।
9. चांदी (3)।
11. दादा की पोती (3)।
12. चक्की में पीसना (3)।
14. मूर्ति (3)।
16. फव्वारा (3)।
18. प्रभाव (3)।
19. चलने में झुकना (4)।
20. गड़बड़ होना, गड़बड़ करना (5)।

ऊपर से नीचे
1. जनता की राय, लोकमत (4)।
2. नगर का रहने वाला (3)।
4. मन को मोहने वाला (5)।
6. विष, हलाहल (3)।
7. सौ अरब (3)।
8. तावीज, गले में पहनते हैं इसे (3)।
10. मदारी होता है इसका मालिक (3)।
12. शीघ्र जलनेवाला (5)।
13. व्यर्थ, बेवजह (3)।
15. भीष्म साहनी का एक उपन्यास (3)।
17. ज्ञान प्राप्त करना (4)।
18. पृथक, भिन्न (3)।

कल का हल

क	ड़	क	ना		उ	म्र	द	रा	ज
ल					फा		म		य
म	ठ		प	त	न				पु
का				ह			क		र
र	ह	न		सी	ना	ज़	न		
		व	का	ल	त		क	मा	ई
दु		ल			मा				मा
ब				क	म	ल		शा	न
क		प		स					दा
नी	ट	क	का	र		त	क	रा	र

जागरण सुडोकू-2890

4		7	1			8		2
	9		4					
5					8			3
	7		6					8
1	6				2	7		5
							1	
					4	2		7
	8	2			5		9	
7				2				6

कल का हल

2	7	9	8	6	3	5	1	4
5	3	1	4	2	7	9	6	8
6	8	4	9	1	5	7	2	3
1	4	3	2	7	9	6	8	5
9	5	8	3	4	6	1	7	2
7	6	2	1	5	8	4	3	9
4	2	7	5	8	1	3	9	6
3	1	5	6	9	2	8	4	7
8	9	6	7	3	4	2	5	1

राष्ट्रीय फलक

संत तुकाराम के वंशज शिरीष मोरे महाराज ने की आत्महत्या

पुणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र में कीर्तन कलाकार के रूप में लोकप्रिय 32 वर्षीय शिरीष मोरे महाराज ने आत्महत्या कर ली। वह मराठी कवि और संत तुकाराम के वंशज हैं।

पुलिस के अनुसार, शिरीष मोरे के आवास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि वह आर्थिक संकट के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। पिम्परी चिंचवड़ पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, बुधवार सुबह जब उनके माता-पिता ने उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और मोरे महाराज को छत से लटका पाया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर इस मामले की जांच की जा रही है। शिरीष मोरे महाराज एक प्रसिद्ध कीर्तनकार एवं आध्यात्मिक वक्ता थे।

केरल में 56 वर्षीय महिला ने 40 फुट गहरे कुएं में उतर बचाई पति की जान

- पति को गिरता देख तुरंत रस्सी के सहारे गहरे कुंए में उतरी पत्नी पद्मम
- बचाव कर्मियों के पहुंचने तक कुंए में अपने पति को पकड़े रखी महिला

कोच्चि, प्रेट्र : केरल के पिरावोम में एक महिला ने काली मिर्च तोड़ते समय गलती से 40 फुट गहरे कुएं में सिर के बल गिरे अपने पति को साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए डूबने से बचा लिया। महिला अपनी जान जोखिम में डालकर रस्सी के सहारे कुएं में उतरी और अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों के पहुंचने तक लगभग बेहोश हो चुके अपने पति को पकड़े रखा और डूबने से बचा लिया। अधिकारियों द्वारा दंपती को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाले जाने का वीडियो टेलीविजन चैनलों ने प्रसारित किए।

स्थानीय निवासी 64 वर्षीय रमेशन बुधवार की सुबह अपने घर के पिछले आंगन में लगे पेड़ से काली मिर्च तोड़ने के दौरान अचानक पेड़ की एक शाखा टूटने से कुंए में गिर गए। 56 वर्षीय पद्मम अपने पति को कुंए में गिरता देख तुरंत ही रस्सी पकड़कर कुएं में उतर गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रस्सी को जोर से पकड़े रहने के कारण उसके हाथ बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उसका एकमात्र ध्यान अपने पति को बचाने पर था। बचाव दल के आने तक करीब 15-20 मिनट तक उसने अपने पति को पकड़ कर सीने तक पानी में तैरती हालत में रखा। कुंए की गहराई ज्यादा होने के कारण दंपती ऊपर से मुश्किल से दिख पा रहे थे।

अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा उसे बाहर निकाले जाने से पहले उसने अपने पति को बचाव जाल में बैठा कर ऊपर भेजा और खुद अगली बारी में कुंए से बाहर निकली। उन्होंने आगे कहा कि महिला के साहस और सूझबूझ के कारण ही उसके पति की जान बच पायी।

बंगाल में क्लास रूम में सिंदूर भरने के मामले प्रोफेसर ने दिया इस्तीफा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल के नदिया जिले के हरिणघाटा स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय(मकाउट) में मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख पायल बंद्योपाध्याय ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र में प्रोफेसर के तौर पर भी सेवा मुक्त होने की बात कही है। पायल का इस्तीफा स्वीकार किया गया है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

ज्ञात हो, मकाउट के एक छात्र द्वारा प्रोफेसर को क्लासरूम में माला पहनाने व उनकी मांग में सिंदूर भरने का वीडियो बहुप्रसारित हुआ था। इसकी आलोचना की जा रही थी। उसी घटना के बाद पायल ने यह कदम उठाया है। पायल ने इस वीडियो को एक नाटक का हिस्सा बताया था। कहा था कि इसमें नृत्य व गायन के भी कई वीडियो थे, जिन्हें प्रसारित नहीं किया गया है। दूसरी तरफ मामले की आंतरिक जांच करने वाली मकाउट की पांच सदस्यीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में उनके दावे को खारिज कर दिया था।

****

चोरी करके प्रेमिका के लिए बनवाया तीन करोड़ का बंगला

- 14 लाख रुपये के गहने चोरी करने के आरोप में अब किया गया गिरफ्तार
- लगभग बीस साल से देशभर में चोरी की घटनाओं को देता था अंजाम

बेंगलुरु, प्रेट्र : बेंगलुरु पुलिस ने 37 वर्षीय एक चोर को 14 लाख रुपये के गहने चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने पहले चोरी किए पैसों से अपनी प्रेमिका के लिए तीन करोड़ रुपये का बंगला बनवाया था।

पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र के सोलापुर का रहने वाला पंचाक्षरी स्वामी विवाहित है। उसके बच्चे भी हैं। वह चोरी या लूटे गए पैसों को अन्य महिलाओं पर खर्च करता था। वह करीब बीस साल से देशभर में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। आरोपित ने बेंगलुरु के मारुति नगर स्थित घर से 14 लाख रुपये के गहने चुराए थे। बेंगलुरु में नौ जनवरी को हुई चोरी में उसकी संलिप्तता 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से सामने आई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित के पास से 181 ग्राम सोने के बिस्किट, 33 ग्राम चांदी के गहने और एक हथियार बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि पंचाक्षरी ने चोरी की शुरुआत 2003 में की थी। उस समय वह नाबालिग था। वह चोरी, डकैती और लूट से करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर चुका था। एक अधिकारी के अनुसार, 2014-15 में उसने एक अभिनेत्री संग समय बिताना शुरू किया। उस पर दिल खोलकर खर्च किया। उसने कोलकाता में उस अभिनेत्री के लिए तीन करोड़ रुपये का बंगला बनवाया था। उन्होंने बताया कि आरोपित ने महिला मित्र को 22 लाख का एक एक्वेरियम भी भेंट किया था। उसके संबंध कुछ अन्य अभिनेत्रियों से भी थे। खास बात यह कि वह अकेले ही जरायम की घटनाओं को अंजाम देता था। वह खाली पड़े घरों पर नजर रखता था और चोरी के बाद पहचान छिपाने के लिए कपड़े बदल लेता था।

उदयपुर में दिल्ली के पर्यटक को पत्नी और बच्चों के सामने पीटा

जागरण संवाददाता, उदयपुर : राजस्थान के उदयपुर में बुधवार दोपहर वाहन साइड नहीं करने पर बाइक सवार ने दिल्ली से आए पर्यटक को पत्नी और बच्चों के सामने ही पीट दिया। परिवार रोकता रहा, लेकिन बाइक सवार ने किसी की नहीं सुनी। दुकानदारों के बीच-बचाव पर मामला शांत हुआ। सूरजपोल थाना पुलिस के अनुसार रोहिणी नगर सेक्टर तीन निवासी स्नेह कुमार जैन की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपित युवक को भी हिरासत में लिया गया है। जैन ने बताया कि मैं दो बेटियों और पत्नी के साथ घूमने आया हूं। अपनी कार में निकले थे कि चक्का पंक्चर हो गया। उदयपोल रोड पर चौराहे के पास उसे ठीक करा रहा था कि एक बाइक सवार आया और बदतमीजी से बात करते हुए गाड़ी साइड में लगाने को कहने लगा। जब कहा, कार पंक्चर है, आगे नहीं जा सकती, हवा भरते हटा लूंगा, इस पर वह गाली-गलौज पर उतर गया। मैंने टोका तो मारपीट करने लगा।

चांद की जमीन पर गोल्फ खेलने वाले पहले व्यक्ति बने शेफर्ड

1971 में आज ही अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड चंद्रमा पर गोल्फ खेलने वाले पहले व्यक्ति बने। अपोलो-14 को इसी वर्ष 31 जनवरी को अमेरिका ने लांच किया था। शेफर्ड ने दो गोल्फ बाल को हिट किया। पहली बाल ने 24 और दूसरी ने 40 गज की दूरी तय की।

पहली बार अमेरिकी प्रयोगशाला में विकसित किया गया मानव भ्रूण

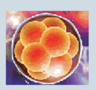

1944 में आज ही के दिन पहली बार अमेरिका में मानव शरीर के बाहर भ्रूण विकसित करने में सफलता मिली थी। कई वर्षों के प्रयास के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. जान राक ने मरियम एफ मेनकिन के साथ मिलकर इसे विकसित किया था। इससे टेस्ट ट्यूब बेबी की दिशा में बढ़ने में मदद मिली।

कवि प्रदीप ने कलम से बढ़ाया गम में डूबे देश का मनोबल

कवि प्रदीप का जन्म 1915 में आज ही उज्जैन के बड़नगर में हुआ था। छोटी उम्र में ही कविताएं लिखने लगे। 1939 में पहली बार फिल्म 'कंगन' के गीत लिखे। 1943 में फिल्म किस्मत का 'दूर हटो ऐ दुनियावालों हिंदुस्तान हमारा है' गीत भारत छोड़ो आंदोलन का नारा बन गया। भारत-चीन युद्ध में बलिदान भारतीय सैनिकों पर लिखे उनके गीत 'ऐ मेरे वतन के लोगों' ने युद्ध में मिली हार के बाद गम में डूबे देश का मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस गाने को देशभर में काफी लोकप्रियता मिली। उन्होंने करीब 1700 गीत लिखे।

बढ़ती गर्मी का युवाओं पर ज्यादा होगा असर, बढ़ेगा दायरा

अध्ययन ▸ जलवायु परिवर्तन से बढ़ती गर्मी का सामना करने में होगी युवाओं को मुश्किल, तीन गुना बढ़ सकता है भूमि क्षेत्र

वैश्विक तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा पहुंच जाता है, तो इसके संभावित घातक परिणाम होंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र : नए अध्ययन में पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती गर्मी से मरने वाले युवाओं की संख्या बुजुर्गों से ज्यादा हो सकती है। शोध में पाया गया कि ज्यादा तापमान और नमी के दौरान 35 साल से कम उम्र के युवाओं की मौत की दर 50 साल से अधिक उम्र के लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा है। निरंतर वैश्विक तापमान वृद्धि के तहत स्वस्थ युवाओं के लिए बढ़ती गर्मी के अनुकूल होने में कठिनाई होने वाली भूमि का विस्तार तीन गुना हो सकता है। इस बारे में नेचर रिव्यूज अर्थ एंड एनवायरनमेंट में निष्कर्ष प्रकाशित किया गया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण एशिया सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से एक है। किंग्स कालेज लंदन के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि भूमि का वह क्षेत्र जहां वृद्ध जोखिम में होंगे, लगभग 35 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्ग अपने शरीर में उम्र से संबंधित परिवर्तनों के कारण अत्यधिक गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसमें पसीना कम आना और रक्त संचार धीमा होना शामिल है।

किंग्स कालेज लंदन में पर्यावरण भूगोल के वरिष्ठ व्याख्याता और प्रमुख लेखक टाम मैथ्यूज ने कहा कि निष्कर्ष दिखाते हैं कि यदि वैश्विक तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा पहुंच जाता है, तो इसके संभावित घातक परिणाम हो सकते हैं। मैथ्यूज ने कहा, असह्य ताप

प्रतीकात्मक

सीमा, जो अब तक पृथ्वी के सबसे गर्म क्षेत्रों में वृद्धों के लिए केवल कुछ समय के लिए ही पार की गई है, युवाओं के लिए भी उभरने की संभावना है।

ऐसा क्यों हो रहा है? : शोधकर्ता ने दो संभावनाएं जाहिर की हैं। इसका पहला कारण यह है कि गर्मी का असर बाहर खुले में काम करने वालों पर ज्यादा हो सकता है। ऐसा करने वालों लोगों में युवा ज्यादा होते हैं। दूसरी वजह यह है कि युवा शारीरिक सीमाओं को नहीं समझते और ताप लहर के दौरान जोखिम भरे काम करते हैं। टीम ने पहले प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा की और पाया कि यदि तापमान पूर्व औद्योगिक स्तरों से दो डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच गया, तो वर्ष 2000 की जलवायु में हर 100 साल में तापमान बढ़ने के कारण मृत्यु के आम तौर पर कुछ वर्षों में बढ़ने की आशंका हो सकती है। वैश्विक तापमान में समान वृद्धि के लिए विश्लेषण ने भूमि क्षेत्र में लगभग तीन गुना वृद्धि का सुझाव दिया, जो छह प्रतिशत से अधिक तक बढ़ रहा है। वहां युवाओं के शरीर का मुख्य तापमान प्रतिक्रिया में अनियंत्रित रूप से बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे अपूरणीय ताप कहा। मैथ्यूज ने कहा, ऐसी स्थितियों में लंबे समय तक बाहर रहने से यहां तक कि छाया में रहने वालों, तेज हवा के संपर्क में रहने वालों और अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहने वालों के लिए भी घातक तापघात होने की उम्मीद की जा सकती है। यह तापमान में बढ़ोतरी से मौत के जोखिम में एक कदम बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।

बढ़ रहा है तापमान और आर्द्रता की सीमा : शोधकर्ताओं ने पाया कि 1994 से 2023 के बीच तापमान और आर्द्रता के लिए मानव सहनशीलता, जिसके आगे शरीर सामना नहीं कर सकता है 60 वर्ष से कम आयु के बुजुर्गों के लिए दुनिया की लगभग दो प्रतिशत भूमि में अतिक्रमित हो गई थी। हालांकि, वृद्धों के लिए दुनिया की भूमि का पांचवां हिस्सा इस सीमा को पार कर गया है। टीम ने अनुमान लगाया कि पूर्व औद्योगिक स्तरों से चार से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक गर्मी के लिए वृद्धों को चरम घटनाओं के दौरान सतह के 60 प्रतिशत हिस्से में असहनीय गर्मी का अनुभव हो सकता है।

इंडोनेशिया में पयर्टकों के लिए बने स्वर्गभूमि

इंडोनेशिया के मध्य जावा के मैगेलांग में बोरोबुदुर मंदिर के पास चावल के खेतों में बने फोटोजेनिक आकर्षण स्वर्गभूमि का दौरा करते पर्यटक। चावल इंडोनेशिया में सभी वर्गों के लिए एक मुख्य भोजन है। यह इंडोनेशियाई संस्कृति और व्यंजनों में केंद्रीय स्थान रखता है। एएफपी

इधर-उधर की

चीनी शेफ ने बनाया विश्व का सबसे पतला नूडल

सिर्फ .18 मिलीमीटर है नूडल की मोटाई। इंटरनेट मीडिया

मिलान, एजेंसी: चीन के एक शेफ ने इटली के एक टीवी शो में नूडल बनाने की शानदार स्किल का प्रदर्शन किया और विश्व का सबसे पतला नूडल बना दिया। उसकी मोटाई सिर्फ .18 मिमी यानी करीब .007 इंच है। ली एनहाई ने मिलान में टीवी शो लो शो डाई रिकार्ड के सेट पर हाथ से बने सबसे पतले नूडल के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड को तोड़ने का प्रयास किया। पतला नूडल बनाने का वर्ल्ड रिकार्ड एनहाई के पास पहले भी था।

देर से मीनोपाज के कारण महिलाओं में हृदय रोग का खतरा कम

नई दिल्ली, आइएएनएस : मीनोपाज से गुजरने वाली उम्रदराज महिलाओं की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ होती हैं, जिससे उनमें हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। इसके अनुसार, महिलाओं के अधिकांश जीवन में पुरुषों की तुलना में हार्ट अटैक या स्ट्रोक से मरने की संभावना कम होती है, लेकिन अध्ययनों से पता चला है कि मीनोपाज के बाद उनका खतरा बढ़ जाता है और पुरुषों के खतरे से आगे निकल जाती हैं। मीनोपाज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलावों से हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में महिलाओं में हृदय रोग का जोखिम कम करने के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

इस बारे में अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन जर्नल सर्कुलेशन रिसर्च में अध्ययन प्रकाशित किया गया। यह अध्ययन नई जानकारी प्रदान करता है कि 55 वर्ष या उससे अधिक उम्र में मासिक धर्म बंद करने वाली महिलाओं में मीनोपाज के बाद के वर्षों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक

- **55 वर्ष या उससे अधिक उम्र में मासिक धर्म बंद करने वाली महिलाओं में मीनोपाज के बाद के वर्षों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक होने की संभावना होती है काफी कम**
- **टीम ने अमेरिका में 92 महिलाओं के संवहनी स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया**

होने की संभावना काफी कम होती है। इस बारे में अमेरिका में कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए निष्कर्ष प्रकाशित किए गए। इसके अनुसार महिलाओं की सबसे बड़ी जानलेवा बीमारी हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए आहार हस्तक्षेप सहित नई चिकित्सा पद्धतियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। विश्वविद्यालय में एकीकृत फिजियोलाजी विभाग में शोध छात्रा सना दरविश ने कहा कि हमारे अध्ययन के अनुसार, मीनोपाज के देर से शुरू होने से वास्तव में शारीरिक लाभ होता है और यह इन लाभों को प्रेरित करने वाले विशिष्ट तंत्रों की पहचान करने

प्रतीकात्मक

वाले पहले अध्ययनों में से एक है।

टीम ने अमेरिका में 92 महिलाओं के संवहनी स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया। इसके अनुसार मुख्य रक्त वाहिका विशेष रूप से ब्रेकियल आर्टिलरी फ्लो मेडियेट डायलेशन (एफएमडी) नामक उपाय को देखते हुए या ब्रेकियल आर्टिलरी बढ़े हुए रक्त प्रवाह के साथ कितनी अच्छी तरह फैलती है। परिणामों से पता चला कि सभी पोस्टमीनोपाज महिलाओं में उनके मीनोपाज से पहले के समकक्षों की तुलना में धमनी का काम काफी खराब था। शोधकर्ताओं ने समझाया कि जब मीनोपाज होता है, तो संवहनी स्वास्थ्य में उम्र से संबंधित गिरावट तेज हो जाती है।

मैथ्यू रासमैन ने कहा कि देर से शुरू होने वाले मीनोपाज का अनुभव करने वाली लगभग 10 प्रतिशत महिलाएं इस प्रभाव से कुछ हद तक सुरक्षित दिखती हैं। अध्ययन में पाया गया कि देर से शुरू होने वाले मीनोपाज समूह में संवहनी कार्य केवल 24 प्रतिशत खराब था। सामान्य शुरुआत वाले समूह की महिलाओं में 51 प्रतिशत का संवहनी स्वास्थ्य खराब था। समूहों के बीच इस तरह के अंतर महिलाओं के मीनोपाज से गुजरने के पांच साल या उससे अधिक समय बाद भी बने रहे। देर से शुरू होने वाले समूह में अभी भी सामान्य शुरुआत वाले समूह की तुलना में 44 प्रतिशत बेहतर संवहनी कार्य था। अध्ययन में पाया गया कि यह स्वास्थ्य लाभ माइटोकांड्रिया के बेहतर कामकाज से संबंधित था, जो कम मुक्त कणों का उत्पादन करता था। दोनों समूहों का परिसंचारी रक्त भी अलग-अलग दिखाई दिया। देर से शुरू होने वाले समूह के रक्त में 15 अलग-अलग लिपिड या वसा संबंधी मेटाबोलाइट्स के अधिक अनुकूल स्तर दिखाई दिए।

रेटिना की मोटाई से मिल सकता है कुछ रोगों का संकेत

अनुसंधान

एक अध्ययन में पाया गया है कि रेटिना की मोटाई टाइप-2 डायबिटीज और डिमेंशिया जैसी बीमारियों का प्रारंभिक संकेतक हो सकती है। मेलबर्न में वाल्टर और एलिजा हाल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआइ) के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने 50 हजार से अधिक आंखों का विश्लेषण किया कि रेटिना की मोटाई के बीच अंतर विभिन्न बीमारियों से कैसे जुड़े हैं।

शोधकर्ताओं ने इसके लिए रेटिना की मैपिंग कर इसे समझने की कोशिश की। शोधकर्ताओं ने पाया कि रेटिना का पतला होना टाइप-2 डायबिटीज, डिमेंशिया और मल्टीपल सेलेरोसिस (एमएस) में समान रूप पाया गया। रेटिना केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का भाग है, जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी शामिल है। डब्ल्यूईएचआइ के शोध की प्रमुख लेखिका विकी जैकसन ने कहा कि रेटिना का पतला होना उसके ऊतकों की क्रमिक हानि से जुड़ा है। रेटिना की मैपिंग केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़े रोगों के प्रबंधन में मददगार हो सकती है। विकी ने कहा कि हमने मैपिंग के जरिये रेटिना के पतलेपन से जुड़े संबंधों का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने रेटिना की मोटाई को रोगों के बायोमार्कर के रूप में पहचान की। उन्होंने कहा कि शोध दल में शामिल ब्रिटेन और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने एआइ का उपयोग कर हर रेटिना के 29 हजार बिंदुओं से माप कर 50 हजार रेटिना के चित्रों का विश्लेषण किया। इसने टीम को रेटिना की मोटाई में अहम भूमिका निभान वाले 294 जीन की पहचान में मदद की। शोध का यह निष्कर्ष आंख के चित्र के जरिये विभिन्न रोगों के प्रबंधन में मदद कर सकता है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

केसरी 2 ने किया कई फिल्मों की रिलीज में फेरबदल

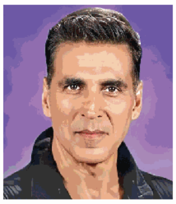

फिल्म केसरी 2 में सी शंकरन नायर की भूमिका में होंगे अक्षय। फाइल

फिल्म केसरी में अभिनेता अक्षय कुमार ने हवलदार ईश्वर सिंह की भूमिका में खूब प्रभावित किया था। अब वह फिल्म केसरी चैप्टर 2 में मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीश और वकील सी शंकरन नायर की भूमिका में नजर आएंगे। इंडियन नेशनल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी शंकरन ने जलियांवाला नरसंहार कांड के बाद इंग्लैंड जाकर भारतीयों के स्वशासन के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी थी। पहले इस फिल्म का नाम शंकरा था, लेकिन हाल ही में इस फिल्म की घोषणा केसरी चैप्टर 2 के तौर पर की गई। हालांकि, इस फिल्म का मूल फिल्म केसरी की पृष्ठभूमि या पात्रों से कोई लेना-देना नहीं है। इस फिल्म को 18 अप्रैल को प्रदर्शित करने की योजना है। जिससे अक्षय और फिल्म के निर्माता करण जौहर की कई अन्य फिल्मों की प्रदर्शन तिथि में फेरबदल हो रही है। दरअसल, पहले सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी अक्षय की ही दूसरी फिल्म जाली एलएलबी 3 को दस अप्रैल को प्रदर्शित करने की योजना थी। अब केसरी 2 के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए निर्माता करण ने अक्षय से जाली एलएलबी 3 को आगे बढ़ाने के लिए कहा, जिस पर अक्षय तैयार हो गए और अब जाली एलएलबी 3 को अगस्त में प्रदर्शित किए जाने पर विचार हो रहा है। वहीं 18 अप्रैल को ही करण के ही प्रोडक्शन में ही बनी वरुण धवन अभिनीत फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी प्रदर्शित होनी है। ऐसे में केसरी 2 के इस दिन प्रदर्शित होने से इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि में बदलाव पर विचार किया जा सकता है।

डाक्टर अजय मुर्डिया की जिंदगानी पर फिल्म बनाने के लिए तैयार हुए विक्रम

गुलाम, राज और शापित फिल्मों के निर्देशक विक्रम भट्ट ने साल 2008 के बाद ज्यादातर हारर या सुपरनैचुरल जानर की फिल्में ही बनाई। हालांकि, अब वह अपने इस पसंदीदा जानर से अलग फिल्म तुमको मेरी कसम बना रहे हैं। यह फिल्म मेडिकल संस्था इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डाक्टर अजय मुर्डिया के जीवन सफर पर आधारित है। विक्रम बताते हैं, 'जब मैं इस फिल्म के लिए डाक्टर अजय मुर्डिया के जीवन के बारे में रिसर्च कर रहा था, तो मुझे एक कमाल की चीज पता चली। मेडिकल की दुनिया में लैंसेट जर्नल प्रतिष्ठित माना जाता है। लोग बताते हैं कि दुनिया भर की रिसर्च और मेडिकल टीम उसमें नाम छपवाने की कोशिश में वर्षों लगी रहती हैं। डाक्टर अजय मुर्डिया ने बहुत कम उम्र में निसंतान दंपतियों के इलाज पर एक रिसर्च की थी, जो पहली बार में ही लैंसेट जर्नल में प्रकाशित हो

राज और 1920 जैसी हारर फिल्में निर्देशित कर चुके हैं विक्रम।

गई थी। उन्होंने बताया था जो दवाई निसंतान लोगों को संतान प्राप्ति के लिए दी जाती थी, वही उनके स्पर्म कम कर रही थी। मैंने सोचा उनकी बुद्धिमत्ता सामान्य नहीं है। यही देख मैंने इस फिल्म को निर्देशित करने का निर्णय लिया।' 21 मार्च को प्रदर्शित हो रही इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वाक सिंह, अदा शर्मा और एशा देओल अहम भूमिकाओं में हैं।

नवजात से दोस्त बनने के 49 वर्ष

महानायक अमिताभ बच्चन से उनके ही गेम शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के एक एपिसोड के दौरान जब पूछा गया कि वह आधी रात को किस दोस्त को फोन अ फ्रेंड करेंगे? उन्होंने बेटे और अभिनेता अभिषेक बच्चन का नाम लिया। बुधवार को अभिषेक 49 वर्ष के हो गए। उनके पिता बिग बी ने अपने ब्लाग पर उनके जन्म के समय की अनदेखी तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, 'अभिषेक 49 वर्ष के हो गए। अब उनके जीवन में नया साल प्रवेश कर रहा है। पांच फरवरी 1976 का वो दिन था..... समय तेजी से बीत गया।' निजी जिंदगी के साथ बड़े पर्दे पर पिता-पुत्र की जोड़ी काफी हिट रही थी।

अमिताभ बच्चन और अभिषेक : www.tumblr.com/srbachchan

अपना दुख दिखाने में यकीन नहीं करता हूं : आमिर अली

अपनी मनपसंद कहानियों का ही हिस्सा बनते हैं आमिर। इंस्टाग्राम (@aamirali)

इंटरनेट मीडिया पर सितारे अपनी निजी जिंदगी की झलक दिखाते रहते हैं। नाश्ते में क्या खाया या कैसा महसूस कर रहे हैं, कितने खुश या उदास हैं, वह अपनी तस्वीरों और कैप्शन के जरिए दिखाते रहते हैं। अभिनेता आमिर अली भी इंस्टाग्राम पर सक्रिय हैं, लेकिन वहां पर वह अपनी तस्वीरों के साथ प्रेरणात्मक लाइनें लिखते हैं। इसे लेकर आमिर कहते हैं कि मैं जो इंस्टाग्राम पर लिखता हूं, वह मैं ही हूं, मेरे ही विचार होते हैं। जो ठीक लगता है, वह लिख देता हूं। मैं अपनी उदासी या दुख दिखाने में यकीन नहीं करता हूं। इन दिनों ज्यादातर गंभीर भूमिकाओं में नजर आ रहे आमिर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें चाकलेटी और रोमांटिक भूमिकाओं से बाहर आने में समय लगा? इस पर वह कहते हैं कि मैंने तो हमेशा से ही नया काम करने का प्रयास किया है। मेरे पास जब जो काम आया और उस समय के अनुसार ठीक लगा, तो मैंने कर लिया। जब मैंने एफआईआर धारावाहिक में काम किया था, तो लोगों को लगा कि मैं तो कामेडी भी अच्छा कर सकता हूं। यह सब मैंने काम करते-करते खुद के बारे में जाना। कभी सोचा नहीं था कि डांस करूंगा, लेकिन मैंने डांसिंग रियलिटी शो नच बलिए 3 भी जीत लिया, तो नए रास्ते खुल गए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इस चक्कर में अभिनय करना भूल जाओ।

इम्तियाज को छोड़ धर्मा के साथ आगे बढ़ी अनन्या

करण जौहर के प्रोडक्शन में कई फिल्म कर चुकी हैं अनन्या ● @ananyapanday

साल 2019 में प्रदर्शित फिल्म स्टूडेंट आफ द ईयर 2 से फिल्मकार करण जौहर के प्रोडक्शन में अभिनेत्री अनन्या पांडे ने पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने गहराइयां और लाइगर फिल्मों में भी धर्मा प्रोडक्शन के अंतर्गत काम किया। इस बार अनन्या के सामने दो विकल्प आए, तो उन्होंने फिर से करण के साथ आगे बढ़ना सही समझा। पहला प्रस्ताव उन्हें निर्देशक इम्तियाज अली की एक गंभीर रोमांटिक ड्रामा फिल्म के लिए मिला था और दूसरा प्रस्ताव करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के अंतर्गत बन रही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का था। इम्तियाज कमर्शियल फिल्मों की तय लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, अनन्या ने उनकी फिल्म न करके, करण और कार्तिक की फिल्म के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। यानी अब वह कार्तिक के साथ फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का हिस्सा होंगी। इम्तियाज भी उस फिल्म को छोड़कर फिल्म पुष्पा फेम अभिनेता फहाद फासिल और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ अपनी अगली फिल्म बना रहे हैं।

निर्देशक इम्तियाज अली की एक गंभीर रोमांटिक ड्रामा फिल्म के लिए मिला प्रस्ताव छोड़ कर अनन्या ने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म को चुनने का फैसला किया

बस, एक ही टैग चाहिए अद्वैत को

अगर कोई एक के बाद एक रीमेक फिल्में बनाए, तो उस पर रीमेक फिल्में बनाने वाले निर्देशक का टैग लग सकता है। हालांकि निर्देशक अद्वैत चंदन को इसे कोई फर्क नहीं पड़ता है। पहले अमेरिकन फिल्म फारेस्ट गंप की रीमेक लाल सिंह चड्ढा और अब तमिल फिल्म लव टुडे की हिंदी रीमेक लवयापा का निर्देशन करने वाले अद्वैत कहते हैं कि मुझे एक ही टैग चाहिए कि यह अच्छी फिल्में बनाता है। फिर चाहे वह रीमेक, सीक्वल या ओरिजनल फिल्म हो कोई फर्क नहीं पड़ता है। मेरी फिल्म लोग पसंद करें, मुझे केवल उससे मतलब है। जैसे अब मुझे फिर ले आया... गीत बेहद पसंद हैं। इसके एक वर्जन को रेखा भारद्वाज और दूसरे वर्जन को अरिजीत सिंह ने गाया है। क्या फर्क पड़ता है, किसने गाया, वह गाना सुनने में अच्छा है। लवयापा की तुलना ओरिजनल फिल्म से होगी। हो सकता है यह देखने के बाद लोग ओरिजनल भी देखें। यह सब बातें फिल्म के लिए अच्छी ही साबित होगीं। लवयापा में युगल को उनका फोन आपस में बदलने के लिए कहा जाता है।

लवयापा के निर्देशक हैं अद्वैत ● टीम अद्वैत

"मुझे फोन की लत है। इंटरनेट मीडिया पर काफी समय बिताता हूं। फोन तो जिंदगी का हिस्सा बन गया है। कई बार फोन पर ही कहानी लिखने लगता हूं। कोशिश कर रहा हूं कि फोन कम देखूं।

...तब तक सीक्वल नहीं बननी चाहिए: अश्विनी

फिल्मों से केवल पात्र ही नहीं यादें और कुछ निजी अनुभव भी जुड़े होते हैं। लेखिका और निर्देशिका अश्विनी अय्यर तिवारी की ऐसी ही कुछ यादें ताजा हो गईं। उनकी फिल्म बरेली की बर्फी (2017) दोबारा सात फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कृति सैनन की मां की भूमिका में सीमा पाहवा थीं। अश्विनी बताती हैं कि सीमा की भूमिका मेरी मां से काफी मिलती-जुलती थी। वह वैसे ही बर्ताव करती थीं, जैसे मेरी मम्मी करती थीं। जब मैंने मम्मी को फिल्म दिखाई तो वह बहुत हंसी। उन्होंने कहा कि यह तो मेरी तरह है, जैसे हम इतना झगड़ा करते है, फिर भी एकदूसरे से इतना प्यार करते हैं। छह महीने बाद मेरी मां इस दुनिया से चली गईं। अब जब मैं वो फिल्म देखूंगी, तो उसमें अतीत की वह यादें होंगी। फिल्म को देखने का नजरिया पहले से बहुत अलग होगा। क्या बरेली की बर्फी की कहानी की कभी सीक्वल बनाना चाहेंगी? इस पर अश्विनी कहती हैं कि मुझे लगता है कि जब तक आपके पास मूल फिल्म से दो सौ प्रतिशत बेहतर आइडिया न हो, तब तक सीक्वल नहीं बननी चाहिए। आपने जो पात्र लोगों के सामने लाने में मेहनत की है, उन सबके साथ गलत नहीं होना चाहिए। सीक्वल फिल्में मूल फिल्म से बेहतर हो, तो ही बनाएं।

"आपने जो पात्र लोगों के सामने लाने में मेहनत की है, उनके साथ गलत नहीं होना चाहिए। सीक्वल फिल्में मूल फिल्म से बेहतर हो, तो ही बनाएं। जल्द ही अपने निर्देशन में बनने वाली फिल्मों की घोषणा करूंगी। मैं नजर लगने में यकीन करती हूं। इसलिए कम बोलती हूं।"

@ashwinyiyertiwari

****